



17
वार्षिक प्रतिवेदन / Annual Report
18



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुपति



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुपति
Indian Institute of Technology Tirupati



वार्षिक प्रतिवेदन
Annual Report
2017-18

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुपति
Indian Institute of Technology Tirupati

विषय-वस्तु

निदेशक द्वारा प्रतिवेदन	5
1. परिचय	7
2. संगठन	9
2.1 अभिशासन	9
2.2 फैकल्टी प्रोफाईल	11
2.3 शैक्षिक और गैर शैक्षिक कर्मचारी	16
3. शैक्षिक कार्यक्रम	19
3.1 छात्र आंकड़े	19
3.2 वित्तीय सहायता	20
4. शैक्षिक अवसंरचना	21
4.1 शिक्षण कक्ष	21
4.2 कम्प्यूटिंग और नेटवर्क सुविधाएं	21
4.3 विज्ञान प्रयोगशालाएं	23
4.4 अभियांत्रिकी प्रयोगशालाएं	26
4.5 केंद्रीय पुस्तकालय	30
5. शोध प्रकाशन और उपलब्धियां	31
5.1 शोध दस्तावेज	31
5.2 सम्मेलनों में भागीदारी	34
5.3 प्रदत्त आमंत्रित व्याख्यान	39
5.4 स्वीकृत परियोजनाएं	42
5.5 पुरस्कार और उपलब्धियां	42
5.6 व्यावसायिक निकायों की सदस्यता	42
5.7 विस्तार/पाठ्येतर गतिविधियां	43
6. हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन	44
7. शैक्षिक आयोजन	45
7.1 शैक्षिक उन्मुखीकरण कार्यक्रम	45
7.2 प्राध्यापक विकास कार्यक्रम	45

7.3	आयोजित कार्यशालाएं, सम्मेलन और संगोष्ठियां	46
7.4	वार्तालाप/आमंत्रित वार्ता	46
7.5	औद्योगिक एवं फील्ड दौरे	48
<hr/>		
8.	संस्थान के आयोजन	51
<hr/>		
9.	परिसर अवसंरचना	55
9.1	अस्थायी परिसर	55
9.2	स्थायी परिसर	58
9.3	पारगमन परिसर	59
<hr/>		
10.	छात्र गतिविधियां	61
10.1	तकनीकी आयोजन	61
10.2	तिरुत्सव: तकनीक-सांस्कृतिक उत्सव	62
10.3	स्पिकमेके	63
10.4	राष्ट्रीय सेवा योजना कार्य कलाप	63
10.5	छात्र क्लब और गतिविधियां	66
10.6	खेल गतिविधियां	68
<hr/>		

निदेशक द्वारा प्रतिवेदन



वर्ष 2017–18 में अवसंरचना विकास, प्राध्यापकों/कर्मचारियों का चयन, नए शैक्षिक कार्यक्रम आरंभ करने और शोध पहलों के रूप में संस्थान में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। सिविल अभियांत्रिकी, कम्प्यूटर विज्ञान तथा अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी और यांत्रिक अभियांत्रिकी के क्षेत्रों में एम. एस. (शोध द्वारा) और विज्ञान तथा मानविकी सहित अभियांत्रिकी के उपरोक्त सभी क्षेत्रों में पीएच.डी कार्यक्रम आरंभ किए गए। रसायन अभियांत्रिकी में बी.टेक और कम्प्यूटर विज्ञान तथा अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी और यांत्रिक अभियांत्रिकी में एम.टेक में छात्रों को प्रवेश देने की प्रक्रिया आरंभ की गयी। संस्थान में लगातार तीसरे वर्ष भी सभी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के बी.टेक कार्यक्रम की तुलना में महिला विद्यार्थियों का अधिकतम प्रतिशत (17%) रहा।

पिछला वर्ष विभिन्न कारणों से संस्थान के लिए उल्लेखनीय रहा। संस्थान ने नियमित पदों पर नियुक्ति का अपना पहला दौर संचालित किया और उच्च शिक्षित और अनुभवी 44 अभ्यर्थियों को सहायक एवं सह प्राध्यापक पदों पर नियुक्ति का प्रस्ताव दिया। आईआईटी मद्रास तथा आईआईटी कानपुर से सेवानिवृत्त पुनः नियुक्त पांच वरिष्ठ प्राध्यापकों और पूर्णकालिक आमंत्रित फैकल्टी को शामिल करते हुए कुल प्राध्यापक सदस्यों की संख्या 45 हो गयी। यह चयन, शिक्षण में संस्थान की आत्म-निर्भरता के लिए एक प्रमुख कदम सिद्ध हुई, चूंकि इसने परामर्शदाता और अन्य संस्थानों के आमंत्रित प्राध्यापकों की संख्या काफी कम कर दी। संस्थान के सुचारू कार्यकरण के लिए सहायक कर्मचारियों की मजबूत टीम तैयार करने के लिए शिक्षणेतर कर्मचारियों की नियुक्ति हेतु भी परीक्षाओं और साक्षात्कारों का आयोजन किया गया। संस्थान ने फैकल्टी और कर्मचारियों के चयन के दूसरे दौर की प्रक्रिया आरंभ की।

संस्थान ने विश्व के प्रख्यात शिक्षाविदों तथा शोधकर्ताओं द्वारा कई आमंत्रित व्याख्यानों/वार्ताओं के साथ विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों जैसे कि फैकल्टी विकास कार्यक्रम, वर्कशॉप ऑन फंक्शनल अनैलिसिस, आईएसएएमपी का 7वां टॉपिकल सम्मेलन का आयोजन और मेजबानी की। इसके अतिरिक्त, पिछले वर्ष, द्वितीय संस्थान दिवस, एकता के लिए दौड़, स्पिकमेके का पहला प्रदर्शन, योग दिवस समारोह, डिजिटल इंडिया जागरूकता कार्यक्रम इत्यादि का आयोजन किया गया। आईआईटी तिरुपति के छात्रों द्वारा माह मार्च 2018 में आयोजित विभिन्न तकनीकों और सांस्कृतिक आयोजनों, विशेष व्याख्यानों और कार्यशालाओं को शामिल करते हुए पहले तकनीक-सांस्कृतिक उत्सव-तिरुत्सव का आयोजन छात्रों द्वारा किया गया। विभिन्न राष्ट्रीय योजनाओं जैसे कि सतर्कता जागरूकता, एक भारत श्रेष्ठ भारत और एनएसएस की सहायतार्थ आयोजित कार्यक्रमों के साथ छात्र गतिविधियों में भी वृद्धि हुई।

आईआईटी तिरुपति अपनी शुरुआत से ही छात्रों की आवश्यकताओं और आशाओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त शैक्षिक अवसंरचना का सृजन करता रहा है। प्राध्यापकों, कर्मचारियों और छात्रों की बढ़ती हुई संख्या से स्थान की संभावित कमी हुई। इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए संस्थान ने फैकल्टी कार्यालयों और शोध विद्यार्थियों के कैबिनों के लिए मौजूदा अस्थायी परिसर भवन के नजदीक एक भवन किराए पर लिया गया। अगस्त 2017 में बी.टेक कार्यक्रम में प्रवेश लेने वाले छात्रों को आईआईएसईआर तिरुपति कैम्पस में आवास प्रदान किया गया।

छात्रों के लिए शिक्षण और शोध तथा छात्रावासों के लिए प्रयोगशाला सुविधाओं की तत्काल आवश्यकता को पूरा करने के लिए स्थायी परिसर स्थल में पारगमन परिसर का निर्माण पूरे जोर शोर से चल रहा है जिसे 2018-19 शैक्षिक वर्ष में पूरा कर लिया जाएगा। पारगमन परिसर के निर्माण में त्वरित निर्माण प्रौद्योगिकी के साथ कई हरित एवम सतत विशिष्टताएं अपनायी गयी हैं। संस्थान को 530 एकड़ में 12000 छात्रों के परिसर में विकसित करने के लिए मास्टर प्लान पूरा कर लिया गया है। अगले दो वर्षों में निर्माण किए जाने वाले विभिन्न शैक्षिक भवनों, आवासीय भवन और सुविधाओं का डिजाइन प्रगतिरत है।

आईआईटी तिरुपति परिवार की ओर से मैं शासी मंडल के सदस्यों एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय के तकनीकी अनुभाग के कर्मचारियों का उनके मार्गदर्शन तथा निरंतर सहायता के लिए धन्यवाद देता हूं। हम आंध्र प्रदेश सरकार का संस्थान को आबंटित भूमि से जुड़े मुद्दों को हल करने तथा कैम्पस स्थल के चारों ओर चारदीवारी के निर्माण को पूरा करने के लिए धन्यवाद देते हैं। संस्थान को सुचारू रूप से चलाने में अडिग सहायता के लिए हमारे परामर्शदाता संस्थान का भी मैं आभार व्यक्त करता हूं।

प्रो. के. एन. सत्यनारायण
निदेशक, आईआईटी तिरुपति

1.

परिचय

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुपति (आईआईटीटी) की स्थापना की घोषणा भारत सरकार द्वारा 2014 में पालक्काड़, जम्मू भिलाई, गोवा और धारवाड़ में पांच अन्य नए आईआईटी (2015 में घोषित) के साथ की गयी थी। आईआईटी तिरुपति ने अपने परामर्शदाता संस्थान, आईआईटी मद्रास की सहायता से 5 अगस्त 2015 को तिरुपति में स्थित एक अस्थायी परिसर से अपना शैक्षिक कार्यक्रम आरंभ किया। भारत के राष्ट्रपति द्वारा 9 अगस्त 2016 को संसद के प्रौद्योगिकी संस्थान (संशोधन) अधिनियम, 2016 को भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II में तदंतर प्रकाशन के परिणामस्वरूप आईआईटी तिरुपति कृष्णा तेजा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में स्थित अपने अस्थायी परिसर से कार्य करते हुए अपने 530 एकड़ में फैले स्थायी परिसर, जो कि येरपेडु-वेंकटगिरी राजमार्ग पर मेरलपका गांव में स्थित है, से क्रियान्वयन के लिए तैयार है।

जनवरी 2017 में निदेशक की नियुक्ति के पश्चात् नियमित प्राध्यापक सदस्यों की भर्ती की प्रक्रिया आरंभ हुई और देश के विभिन्न भागों से 33 प्राध्यापक सदस्यों ने संस्थान में कायभार ग्रहण किया। जनवरी 2018 में विज्ञापन जारी करते हुए भर्ती का एक और दौर आरंभ हुआ। संस्थान को अपनी प्राध्यापक संख्या 2018 के अंत तक 70 तक पहुंचने की आशा है। संस्थान ने अपने छात्रों को प्रयोगात्मक अनुभव प्रदान करने के लिए अवर स्नातक प्रयोगशालाओं के लिए उपकरणों का प्रापण भी आरंभ किया है। सहयोगी शैक्षिक और शोध गतिविधियों का संवर्धन करने के लिए संस्थान ने अंतर्राष्ट्रीय ख्याति-प्राप्त कई विश्वविद्यालयों और शोध प्रयोगशालाओं के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं जिनका आगे उद्देश्य प्राध्यापक सदस्यों, छात्रों और शोध कर्मचारियों के आदान-प्रदान दौरे, संयुक्त अकादमिक आयोजन और छात्र इंटर्नशिप है। वर्ष 2017-18 के दौरान आईआईटी तिरुपति ने आयोजन के मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. वी. एस. राजू (पूर्व निदेशक, आईआईटी दिल्ली) के साथ अपना दूसरा संस्थान दिवस मनाया। संस्थान द्वारा प्राध्यापक सदस्यों और छात्रों के लाभार्थ, प्रतिष्ठित विद्वानों द्वारा विभिन्न आमंत्रित वार्ताओं की मेजबानी की गयी। आईआईएसईआर तिरुपति के सहयोग से संस्थान ने आईआईएमपी के 7वें टॉपिकल सम्मेलन की मेजबानी की। प्रो. राजीव संघल, निदेशक, आईआईटी बीएचयू ने दिसंबर 2018 माह में आईआईटी तिरुपति द्वारा आयोजित प्राध्यापक विकास कार्यक्रम का उद्घाटन किया। प्रो. प्रदीप के रमनचार्ला, आईआईआईटी हैदराबाद द्वारा सत्रों का आयोजन किया गया। आईआईटी तिरुपति के प्राध्यापक सदस्यों के साथ प्रतिभागी पालक्काड़, गोवा, भिलाई, धारवाड़ स्थित आईआईटी, आईआईएसईआर तिरुपति, एनआईटी सूरतकल और कुछ अन्य तकनीक विश्वविद्यालयों से थे। संस्थान के गणित विभाग ने फंक्शनल अनैलसिस पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। आईआईटी तिरुपति के छात्रों ने अपने तकनीक-सांस्कृतिक उत्सव-तिरुत्सव के पहले संस्करण का मार्च माह में आयोजन किया। संस्थान अपने छात्रों के लिए 100% इंटर्नशिप अवसर प्राप्त करने में सफल रहा।

शैक्षिक वर्ष 2017-18 में आईआईटी तिरुपति ने सिविल अभियांत्रिकी, कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी और यांत्रिक अभियांत्रिकी की शाखाओं में बी.टेक कार्यक्रम में 114 छात्रों को प्रवेश दिया। कुल 14 छात्रों ने अभियांत्रिकी की उपरोक्त 4 शाखाओं में एम. एस. (शोध) में प्रवेश लिया। इसके अतिरिक्त संस्थान ने इस शैक्षिक वर्ष से अपने पीएच.डी कार्यक्रम में छात्रों को प्रवेश देना आरंभ किया और भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित, अर्थ शास्त्र और अंग्रेजी सहित अभियांत्रिकी के उपरोक्त सभी विषयों में 14 शोध विद्यार्थियों को प्रवेश दिया। रसायन अभियांत्रिकी में बी.टेक और कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी तथा यांत्रिक अभियांत्रिकी में एम.टेक में आगामी शैक्षिक सत्र से प्रवेश आरंभ हो जाएगा।

अपने शोध और शैक्षिक आयामों के सुदृढ़ीकरण के साथ संस्थान प्रयोगशाला सुविधाओं शिक्षण कक्ष और छात्रावास की तात्कालिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्थायी परिसर स्थल में अपने पारगमन परिसर का निर्माण करने में निरंतर प्रयत्नशील रहा। संस्थान का पारगमन परिसर लगभग 30 एकड़ क्षेत्र में स्थायी परिसर स्थित के दक्षिण-पूर्व कोने में स्थित है जिसे अंततः स्थायी परिसर के मास्टर प्लान में समायोजित कर दिया जाएगा। डिपोजिट कार्य के रूप में पारगमन परिसर का निर्माण कार्य सीपीडब्ल्यूडी को सौंपा गया था। ग्लास फाइबर रिइन्फोर्स्ड टैक्नोलॉजी और प्री-इंजीनियर्ड बिल्डिंग जैसी फास्ट ट्रैक और सतत् विनिर्माण प्रौद्योगिकी को अपनाकर पारगमन परिसर का निर्माण किया जा रहा है।

समुचित रूप से गठित एक मास्टर प्लान सलाहकार समिति ने कैम्पस मास्टर प्लान के शैक्षिक जोन भवनों के डिजाइन और बाह्य सेवाओं के डिजाइन के लिए सितंबर 2017 में तथा मार्च 2018 में आवासीय जोन भवनों तथा खेल सुविधाओं के डिजाइन के लिए परामर्शदाताओं की नियुक्ति की। 12,000 छात्रों के परिसर की मास्टर योजना पूरी कर ली गयी है। वर्ष 2020 तक 1,200 छात्रों और 120 प्राध्यापक सदस्यों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तथा 2500 छात्रों और 250 प्राध्यापक सदस्यों के लिए परिसर का निर्माण शीघ्र आरंभ होने जा रहा है। संस्थान के परिसरों के विकास के संबंध में और ज्यादा जानकारी शीर्षक 'परिसर अवसरंचना' के तहत इस रिपोर्ट के 9वें खंड में देखी जा सकती है।

2.

संगठन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान अभियांत्रिकी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उच्च शिक्षा और शोध के लिए राष्ट्रीय महत्व के स्वायत्त सांविधिक संस्थान हैं। आज देश में ऐसे 23 विशिष्ट संस्थान हैं। आईआईटी तिरुपति (आईआईटीटी) इनमें से एक है। तिरुपति के पवित्र नगर में स्थित आईआईटीटी की आकांक्षा तकनीकी शिक्षा प्रदान करने वाला ऐसा प्रमुख संस्थान बनने की है जो सर्वोच्च स्तर तक मानवता की सेवा करे। संस्थान की अकादमिक नीतियों का निर्णय सीनेट द्वारा लिया जाता है जबकि समग्र प्रशासन और अभिशासन के लिए 'शासी मंडल' उत्तरदायी है। वित्त से संबंधित विभिन्न मामलों का प्रशासन और परामर्श वित्त समिति द्वारा किया जाता है और भवन तथा कार्य समिति संस्थान को सभी प्रमुख पूँजीगत कार्यों के निर्माण से संबंधित मामलों पर सलाह देती है। रिपोर्ट के इस अध्याय में संस्थान के संगठनात्मक ढाँचे तथा उसमें शामिल व्यक्तियों को नामों की जानकारी दी गयी है। इसके अतिरिक्त, इस अध्याय में संस्थान के शिक्षकों और कर्मचारियों के बारे में जानकारी दी गयी है।

2.1 अभिशासन

शासी मंडल

अध्यक्ष

श्री के. के. शर्मा, आईएएस, भारत सरकार (28 फरवरी 2018 तक)

सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय

श्री आर. सुब्रह्मण्यम, आईएएस, भारत सरकार (01 मार्च 2018 से आज तक)

सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय

सदस्य

प्रो. भास्कर रामामूर्ति, निदेशक, आईआईटी मद्रास

प्रो. के. एन. सत्यनाराणा, निदेशक, आईआईटी तिरुपति

श्री एस. एस. संधु, आईएएस, अपर सचिव (तकनीकी शिक्षा), एमएचआरडी

श्रीमती दर्शना मोमया डबराल, संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार, एमएचआरडी

श्री प्रशांत अग्रवाल, निदेशक (आईआईटी), एमएचआरडी

सदस्य सचिव

श्री आदित्य नाथ दास (22 जनवरी 2017 से आज तक)

सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग, आंध्र प्रदेश सरकार

वित्त समिति

अध्यक्ष	अध्यक्ष, शासी मंडल
सदस्य	निदेशक , आईआईटी तिरुपति अपर सचिव (तकनीकी शिक्षा), मानव संसाधन विकास मंत्रालय या उसके प्रतिनिधि संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय या उसके प्रतिनिधि अधिष्ठाता, आयोजना एवं अवसंरचना, आईआईटी तिरुपति प्रो. डेविड कोइलपिलै , आईआईटी मद्रास सदस्य सचिव , कुलसचिव, आईआईटी तिरुपति

सीनेट

अध्यक्ष	निदेशक, आईआईटी तिरुपति
सचिव	कुलसचिव, आईआईटी तिरुपति
सदस्य	संस्थान के सभी अधिष्ठाता, प्राध्यापक
ख्यातिप्राप्त तीन शिक्षाविद	प्रो. जी. वेंकटरत्नम, यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी मद्रास
जो संस्थान के कर्मचारी	प्रो. सी. विजयन, भौतिकी विभाग, आईआईटी मद्रास
नहीं हैं	प्रो. डी. मालथी, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, आईआईटी मद्रास
उद्योग, शोध एवं विकास के व्यक्ति	श्री गाला विजय नायडू, सीईओ, मंगल इंडस्ट्रीज लिमिटेड, तिरुपति डॉ. टी. वी. सी. शर्मा, वैज्ञानिक/अभियंता-एस.जी., राष्ट्रीय वायुमंडलीय शोध प्रयोगशाला, इसरो, गडंकी, आंध्र प्रदेश
कार्यक्रम समन्वयक	डॉ. अभिजीत गांगुली, सिविल अभियांत्रिकी डॉ. वेंकटरमन बादरला, कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी डॉ. रामा कृष्णा साई गोर्थी, विद्युत अभियांत्रिकी डॉ. वी. वाम्शी कृष्णा रेड्डी, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान डॉ. दुर्गा प्रसाद चल्ला, गणित डॉ. अनिल कुमार, इमाडबाथुनी, यांत्रिक अभियांत्रिकी डॉ. कोटेश्वर राव बोमीशेट्टी, विज्ञान
संस्थान के प्राध्यापक	डॉ. अरुण कुमार मन्ना, सहायक प्राध्यापक, रसायन विज्ञान
सदस्य	डॉ. प्रसन्ना वी. सम्पत, सहायक प्राध्यापक, सिविल अभियांत्रिकी

	डॉ. एस. राजेश, सहायक प्राध्यापक, गणित
	डॉ. सुब्रह्मण्यम् गोर्थी, सहायक प्राध्यापक, विद्युत अभियांत्रिकी
	डॉ. चंद्रशेखर बाहिनिपति, सहायक प्राध्यापक, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान
संस्थान के छात्र सदस्य	तपन गणात्मा नविकना, महासचिव प्रांजल शुक्ला, शैक्षिक कार्य सचिव सी. किशोर कुमार, शोध कार्य सचिव
वार्डन सदस्य	डॉ. प्रशांत वृका, सहायक प्राध्यापक, विद्युत अभियांत्रिकी
उप पुस्तकालय अध्यक्ष / सहायक पुस्तकालय अध्यक्ष	पदेन

भवन और कार्य समिति

अध्यक्ष	निदेशक, आईआईटी तिरुपति
सदस्य	श्री संतोष राव, सीजीएम, एपीएसपीडीसीएल, तिरुपति श्री सी. एन. सुरेश, अधीक्षक अभियंता, सीपीडब्ल्यूडी
अध्यक्ष, अभियांत्रिकी इकाई, आईआईटी मद्रास	
	श्री एस. रामानुजन, सेवानिवृत्त निदेशक, डीसीएसईएन, डीएई, मुम्बई
गैर-सदस्य सचिव	श्री पी. पी. चौधरी, वरिष्ठ परियोजना सलाहकार (निर्माण), आईआईटी तिरुपति

2.2 फैकल्टी प्रोफाइल

आईआईटी तिरुपति ने मई 2016 में विभिन्न विभागों के लिए चयन का पहला दौर पूरा किया और सहायक तथा सह-प्राध्यापकों के पदों पर नियुक्ति हेतु 44 अभ्यर्थीयों को चयनित किया। इसके साथ ही आईआईटी कानपुर और आईआईटी मद्रास से सेवानिवृत्त पांच वरिष्ठ प्राध्यापकों, जिन्हें आईआईटी तिरुपति में कार्य करने के लिए विजिटर के अनुमोदन से पुनः नियुक्त किया गया था, ने भी अपना योगदान जारी रखा है। इसके अतिरिक्त, आईआईटी मद्रास से वर्तमान में कार्यरत/हाल ही में सेवानिवृत्त कुछ वरिष्ठ प्राध्यापक सदस्य भी आईआईटी तिरुपति में बी.टेक के छात्रों को पढ़ाने में शामिल रहे हैं। साथ ही संस्थान को सुदृढ़ बनाने के लिए विज्ञापन सं. आईआईटी/एफएसी-आरएडी-02/2018 दिनांक 10.01.2018 के जरिये फैकल्टी चयन का दूसरा दौर आरंभ किया गया।

रसायन विज्ञान

प्राध्यापक सदस्य



डॉ. अरुण कुमार मन्ना
सहायक प्राध्यापक



डॉ. देबाशीष मंडल
सहायक प्राध्यापक



डॉ. राजीब कुमार विश्वास
सहायक प्राध्यापक

सिविल अभियांत्रिकी

प्राध्यापक सदस्य



डॉ. के. एन. सत्यनारायणा
प्राध्यापक



डॉ. अभिजीत गांगुली
सह प्राध्यापक



डॉ. बी. कृष्ण प्रपूर्ण
सह प्राध्यापक



डॉ. एम. नित्याधरन
सहायक प्राध्यापक



डॉ. प्रसन्ना वी. सम्पत
सहायक प्राध्यापक



डॉ. शिहाबूद्दीन एम.एम
सहायक प्राध्यापक



डॉ. बी. जानकी रमैय्या
विजिटिंग फैकल्टी



डॉ. बी. राधिका
इंस्पायर फैकल्टी

अतिथि प्राध्यापक सदस्य



डॉ. जे. कातिकेयन
प्राध्यापक
एस. वी. यूनिवर्सिटी इंजिनियरिंग
कॉलेज



डॉ. कलईसेल्वी
प्राध्यापक
राजलक्ष्मी इंजीनियरिंग
कॉलेज



डॉ. मनु संथानम
प्राध्यापक
आईआईटी मद्रास

कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

प्राध्यापक सदस्य



डॉ. वेंकटरमना बी.
सह प्राध्यापक



डॉ. जी. रामाकृष्णा
सहायक प्राध्यापक



डॉ. कालीदास येतुरु
सहायक प्राध्यापक



डॉ. वी. महेंद्रन
सहायक प्राध्यापक

अतिथि प्राध्यापक सदस्य



डॉ. जी. रवि प्रकाश अर्युर
अतिथि प्राध्यापक सदस्य



डॉ. श्रीधर चिमलकोंडा
अतिथि प्राध्यापक सदस्य



डॉ. सी. पांडुरंगन
प्राध्यापक
आईआईटी मद्रास

विद्युत अभियांत्रिकी

प्राध्यापक सदस्य



डॉ. रामाकृष्णा साई
गोर्थी
सह प्राध्यापक



डॉ. के. पी. नवीन
सहायक प्राध्यापक



डॉ. एन. एन. मूर्ति
सहायक प्राध्यापक



डॉ. प्रशांत वूका
सहायक प्राध्यापक

अतिथि प्राध्यापक सदस्य



डॉ. साई कृष्ण पी. एस.
सहायक प्राध्यापक



डॉ. सुब्रह्मण्यम गोर्थी
सहायक प्राध्यापक



डॉ. बिजोय कृष्णदास
प्राध्यापक
आईआईटी मद्रास



डॉ. आर. सुंदर
प्राध्यापक एवं अधिष्ठाता
राजलक्ष्मी इंजीनियरिंग कॉलेज

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान

प्राध्यापक सदस्य



डॉ. ए. रघुरामराज
प्राध्यापक



डॉ. चंद्रशेखर बाहिनिपति
सहायक प्राध्यापक



डॉ. प्रभाशंकर द्विवेदी
सहायक प्राध्यापक



डॉ. राहुल ए. सिरोही
सहायक प्राध्यापक



डॉ. वी. वाम्शी कृष्ण
रेड्डी
सहायक प्राध्यापक

अतिथि प्राध्यापक सदस्य



डॉ. सबुज कुमार मंडल
सहायक प्राध्यापक
आईआईटी मद्रास



डॉ. वेदपरायण
एप्रेरिट्स प्राध्यापक
एस. वी. यूनिवर्सिटी



डॉ. श्रीकांत रेड्डी
प्राध्यापक
एस. वी. यूनिवर्सिटी



डॉ. एम. एच. राव
प्राध्यापक
एस. वी. यूनिवर्सिटी

गणित

प्राध्यापक सदस्य



डॉ. वी. राघवेंद्र
प्राध्यापक



डॉ. दुर्गा प्रसाद चल्ला
सहायक प्राध्यापक



डॉ. ईशा पथिक दास
सहायक प्राध्यापक



डॉ. एस. राजेश
सहायक प्राध्यापक



डॉ. श्रीजननी अनुराग
प्रसाद
सहायक प्राध्यापक

अतिथि प्राध्यापक सदस्य



डॉ. जी. रविन्द्रन
सह प्राध्यापक
आईएसआई चैन्नई



डॉ. एस. जी. कामथ
सेवानिवृत्ति प्राध्यापक
आईआईटी मद्रास

यांत्रिक अभियांत्रिकी

प्राध्यापक सदस्य



डॉ. एन. एन. किशोर
प्राध्यापक



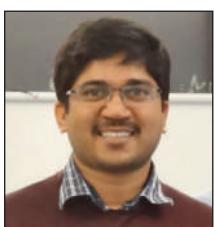
डॉ. अनिल कुमार ई.
सह प्राध्यापक



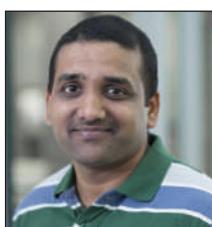
डॉ. एन. वेंकेय्या
सह प्राध्यापक



डॉ. डी. वी. किरन
सहायक प्राध्यापक



डॉ. मदन मोहन
अग्रवाल
सहायक प्राध्यापक



डॉ. पी. वेंकटरमन
सहायक प्राध्यापक

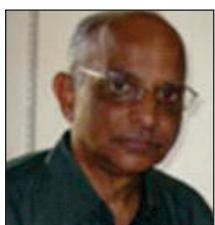


डॉ. श्रीराम सुंदर
सहायक प्राध्यापक

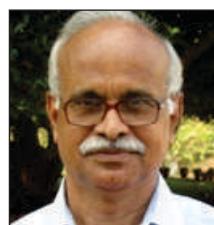
अतिथि प्राध्यापक सदस्य



डॉ. के. ल. नारायण
पूर्व प्राध्यापक एवं
प्रधानाचार्य
एस. वी. यूनिवर्सिटी
कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग



डॉ. के. रामामूर्ति
सेवानिवृत्त प्राध्यापक
आईआईटी मद्रास



डॉ. कुमार स्वामी एस.
सेवानिवृत्त प्राध्यापक
आईआईटी मद्रास



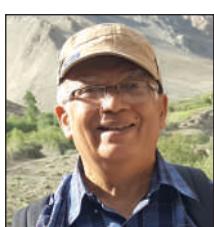
डॉ. प्रसाद पटनायक
बी. एस. वी.
प्राध्यापक
आईआईटी मद्रास



डॉ. सोमशेखर एस. एस.
सह प्राध्यापक
आईआईटी मद्रास

भौतिकी

प्राध्यापक सदस्य



डॉ. पी. सी. देशमुख
प्राध्यापक



डॉ. टी. एस. नटराजन
प्राध्यापक



डॉ. वी. कोटेश्वर राव
सहायक प्राध्यापक



डॉ. रुद्र शेखर मन्ना
सहायक प्राध्यापक

जीवन विज्ञान**अतिथि प्राध्यापक सदस्य**

डॉ. मौसमी बनर्जी
जीवन विज्ञान

पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण**अतिथि प्राध्यापक सदस्य**

डॉ. नंदनी राजमनी
सहायक प्राध्यापक
आईआईएसईआर तिरुपति



डॉ. रोबिन वी.
सहायक प्राध्यापक
आईआईएसईआर तिरुपति

2.3 शैक्षिक एवं गैर-शैक्षिक कर्मचारी**शैक्षिक कर्मचारी**

आईआईटी तिरुपति ने शैक्षिक कर्मचारियों की भर्ती का पहला दौर जुलाई 2017 माह में पूरा किया। नियमित अध्यापन कार्य में प्राध्यापकों को सहायता प्रदान करने तथा प्रयोगशाला में प्रभावी रूप से प्रयोगों का संचालन करने के लिए नियमित के साथ कुछ कर्मचारियों को अनुबंध आधार पर भी नियुक्त किया गया। शैक्षिक कर्मचारियों की विभाग-वार सूची नीचे दी गई है:

रसायन विज्ञान

डॉ. एम. जगदीश
वरिष्ठ परियोजना
अधिकारी



डॉ. सन्यासी नायडु जी.
कनिष्ठ तकनीकी
अधीक्षक

कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

श्रीमती जे. सूजा
परियोजना अधिकारी

विद्युत अभियांत्रिकी

श्रीमती एम. अनिथा
परियोजना सहयोगी



श्री पी. प्रभाकर राव
वरिष्ठ परियोजना
सलाहकार

भौतिकी

डॉ. पी. मोहना प्रिया
वरिष्ठ परियोजना
अधिकारी



श्री वोमा उदय कुमार
कनिष्ठ तकनीकी
अधीक्षक

यांत्रिक अभियांत्रिकी

श्री बी. रमेश कुमार
कनिष्ठ तकनीकी
अधीक्षक



श्री मिटाथाना रमेश
कनिष्ठ तकनीशियन

कार्यशाला

श्री ए. रमेश कृष्णन
कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक



श्री प्रथीर्बन के.
कनिष्ठ तकनीशियन

गणित

श्री एम. राधाकृष्णन
परियोजना अधिकारी

गैर-शैक्षिक कर्मचारी

हाल ही में इसरो और आईआईटी मद्रास जैस संगठनों से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को आईआईटी तिरुपति में अनुबंध आधार पर नियुक्त किया गया। इसके अतिरिक्त, संस्थान के सुचारू संचालन में सहायता प्रदान करने के लिए अनुबंध आधार पर भी कुछ कर्मचारियों की भर्ती की गई। 2016-17 के दौरान आईआईटी तिरुपति में कार्यरत सभी गैर-शैक्षिक कर्मचारियों की विभाग-वार सूची नीचे दी गई है:

प्रशासन

श्री. एम. आदिनारायणा
परियोजना सलाहकार



सुश्री शीला रेड्डी टी.
सहायक कुलसचिव



श्रीमती संध्या वाई.
कनिष्ठ अधीक्षक



श्री रामुजी राव
कनिष्ठ सहायक



श्री वी. जी. अरुलप्रसाद
कनिष्ठ सहायक

शैक्षिक मामले

श्री पी. मिधुन कुमार
परियोजना सहयोगी



श्री एस. एल. प्रदीप वालन
वरिष्ठ परियोजना
अधिकारी



श्रीमती भानुमति
परियोजना सहयोगी



श्री आर. लोकेश
परियोजना सहयोगी

लेखा अनुभाग

श्री टी. शिवा कुमार
परियोजना सलाहकार



श्री वाई. विजय
वरिष्ठ परियोजना सहायक

उद्योग संबंध

डॉ. तोरा मित्रा गांगुली
प्रमुख परियोजना अधिकारी

कंप्यूटर केंद्र



सुश्री आर. अश्विनी
कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक



श्री टी. सेंथिल
कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक



श्री एम. वेंकट रेड्डी
कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक



श्रीमती देवी प्रशांथी
परियोजना अधिकारी



श्री जी. रमेश
वरिष्ठ परियोजना अधिकारी



श्री टी. टी. मनिगंदन
परियोजना अधिकारी

अभियांत्रिकी इकाई



श्री पी. पी. चौधरी
वरिष्ठ परियोजना सलाहकार



श्री सेंथामिल सेलवन
कनिष्ठ अभियंता



श्री जी. नारायण
परियोजना सहयोगी



सुश्री के. पूर्णाश्री
परियोजना सहयोगी

छात्रावास



श्री के. एस. जानकीरमन
वरिष्ठ परियोजना सहायक



सुश्री एम. पुष्पावधी
केयर टेकर

पुस्तकालय



डॉ. बी. साईबाबा
उप पुस्तकालय अध्यक्ष



श्री पी. चंद्रा शिवाकुमार
परियोजना सहयोगी



श्री वी. आर. लोकनरेश
वरिष्ठ परियोजना सहायक

क्रय अनुभाग



श्री के. गोविंद चेट्टीर
परियोजना सलाहकार



श्री सी. मुदुरुर्ग मुथु
वरिष्ठ परियोजना सहायक



श्री एस. अंजनेयुलु
कनिष्ठ सहायक

स्वयं प्रभा परियोजना



श्री अरुण एस.
वरिष्ठ परियोजना
अधिकारी



श्री मानिकनंदाशिवम जी.
परियोजना अधिकारी

3.

शैक्षिक कार्यक्रम

आईआईटी तिरुपति ने सिविल अभियांत्रिकी, कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी और यांत्रिक अभियांत्रिकी की शाखाओं में अपने बी.टेक प्रोग्रेम में 114 छात्रों को प्रवेश दिया। इसके अतिरिक्त, संस्थान की शोध क्षमता के सुदृढ़ीकरण हेतु एम.एस. (शोध) और पीएच.डी प्रोग्रेम्स में भी प्रवेश दिया गया। रसायन अभियांत्रिकी में बी.टेक तथा कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी और यांत्रिक अभियांत्रिकी में एम.टेक में प्रवेश शैक्षिक वर्ष 2018–19 से दिया जा रहा है। इस रिपोर्ट का मौजूदा खंड छात्रों के आंकड़ों, तथा संस्थान में छात्रों के लिए उपलब्ध अध्येतावृत्ति के अवसरों के बारे में जानकारी देता है।

3.1 छात्र आंकड़े

बी.टेक प्रोग्रेम

आईआईटी तिरुपति देश के अन्य आईआईटी में पंजीकृत छात्राओं की तुलना में संस्थान में पंजीकृत होने वाली छात्राओं का अधिकतम प्रतिशत (17 %) होने पर गर्व महसूस करता है। विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले छात्रों का वर्ष-वार विवरण नीचे तालिका में दिया गया है:

तालिका 3.1: शैक्षिक वर्ष 2017–18 में प्रवेश लेने वाले बी.टेक छात्रों का विवरण

	सामान्य		ओबीसी		एससी		एसटी		कुल
वर्ष	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां	
2015	44	7	28	4	11	6	7	2	109*
2016	47	9	25	8	16	2	8	1	116**
2017	45	10	29	3	17	1	6	3	114

*दो प्रीपेटरी पाठ्यक्रम छात्रों सहित

**एक प्रीपेटरी पाठ्यक्रम छात्र सहित

एम. एस. (शोध कार्यक्रम)

तालिका 3.2: शैक्षिक वर्ष 2017–18 में प्रवेश लेने वाले एम. एस. छात्रों का विवरण

वर्ष	लड़के	लड़कियां	कुल
2017	12	2	14

पीएच.डी कार्यक्रम

तालिका 3.3: शैक्षिक वर्ष 2017–18 में प्रवेश लेने वाले पीएच.डी छात्रों का विवरण

वर्ष	लड़के	लड़कियां	कुल
2017	12	2	14

तालिका 3.4: संस्थान में प्रवेश लेने वाले छात्रों का विवरण

कार्यक्रम	लड़के	लड़कियां	कुल
बी.टेक	280	56	336
एम.एस. (शोध)	12	2	14
पीएच.डी	12	2	14
कुल	304	60	364

3.2 उपलब्ध वित्तीय सहायता

संस्थान में बी.टेक प्रोग्राम में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए उपलब्ध छात्रवृत्तियों में संस्थान की योग्यता-सह-साधन (एमसीएम) छात्रवृत्ति, एससी/एसटी छात्रवृत्ति और भारत सरकार के मानदंडों के अनुसार संस्थान की निःशुल्क विद्यार्थी वृत्ति (स्टूडेंटशिप) शामिल हैं। संदर्भ के लिए एक तालिका नीचे दी गई है:

तालिका 3.5: शैक्षिक वर्ष 2015-16, 2016-17 और 2017-18 में छात्रों को प्रदत्त छात्रवृत्तियों का विवरण

क्र. सं.	छात्रवृत्ति का प्रकार	छात्रवृत्ति का विवरण	छात्रों की संख्या		
			2015	2016	2017
1.	उन छात्रों के लिए संस्थान की योग्यता-सह-साधन छात्रवृत्ति जिनके अभिभावकों की वार्षिक आय 4.5 लाख रुपए से कम है।	<ul style="list-style-type: none"> ■ द्यूशन फीस के भुगतान से छूट ■ 1000/- रुपए प्रतिमाह 	27	30	29
2.	उन छात्रों के लिए संस्थान छात्रवृत्ति, जिनके अभिभावकों की आय प्रति वर्ष 4.5 लाख रुपए से कम है।	<ul style="list-style-type: none"> ■ द्यूशन फीस के भुगतान से छूट 	7	11	11
3.	एससी/एसटी छात्रवृत्ति	<ul style="list-style-type: none"> ■ भोजनालय प्रभार में 8,000/- रुपए प्रति सेमेस्टर तक छूट ■ निःशुल्क आवास ■ 250/- रुपए प्रतिमाह पॉकेट भत्ता 	7	9	10

एम.एस. (शोध) और पीएच.डी छात्रों के लिए उपलब्ध अध्येतावृत्ति

एम.एस. (शोध) और पीएच.डी कार्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले छात्रों को क्रमशः 12,400 रुपए प्रति माह तथा 25,000 रुपए प्रति माह की अध्येतावृत्ति दी जाती है।

4.

शैक्षिक अवसंरचना

सक्षम शैक्षिक अवसंरचना का विकास करना आईआईटी तिरुपति के मुख्य उद्देश्यों में से एक रहा है। इसी क्रम में, संस्थान ने आरंभ में छात्रों की आशाओं और आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपने अस्थायी परिसर में शिक्षण कक्ष, प्रयोगशालाएं और केंद्रीय पुस्तकालय सहित आवश्यक अवसंरचना सृजित की है। संस्थान ने अपने पारगमन परिसर में भवनों को लगभग पूरा कर लिया है जहां सभी अभियांत्रिकी प्रयोगशालाएं और कार्यशाला आगामी सेमेस्टर से स्थानांतरित हो जाएंगी। संस्थान के पारगमन परिसर में शिक्षण कक्ष परिसर भी शामिल हैं। संस्थान के अस्थायी परिसर में विज्ञान विषयों के लिए दो सुस्थापित प्रयोगशालाएं, एक कार्यशाला, एक कंप्यूटर प्रयोगशाला और दो इंजीनियरिंग प्रयोगशालाएं हैं। रिपोर्ट का यह खंड संस्थान में स्थापित केंद्रीय सुविधाओं और प्रयोगशालाओं की झलक प्रदान करता है।

4.1 शिक्षण कक्ष

संस्थान के अस्थायी परिसर भवन में सभी आवश्यक फर्नीचर युक्त 30 सीटों वाले दो शिक्षण कक्ष, 60 सीटों वाले आठ शिक्षण कक्ष और 120 सीटों वाला एक शिक्षण कक्ष है। इसके अतिरिक्त संस्थान के पारगमन परिसर में 120 सीटों वाला एक, 90 सीटों वाले दो और 60 सीटों वाले एक शिक्षण कक्ष का भी निर्माण किया गया है। सभी शिक्षण कक्ष इंटरनेट पहुंच, प्रोजेक्टरों, स्क्रीन और ऑडियो सिस्टम के साथ डेस्कटॉप कंप्यूटरों से युक्त हैं। ध्वनि संवर्धन हेतु शिक्षण कक्षों में समुचित कार्य किया गया है। साथ ही राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) के लिए 1 जीबीपीएस बैंडविथ के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग सुविधाओं सहित 120 सीटों वाला एक इलैक्ट्रानिक आभासी शिक्षण कक्ष भी पहले से ही इंटरेक्टिव कक्षाओं के आयोजन और अस्थायी परिसर में आमंत्रित वार्ताओं के उद्देश्य से उपयोग में है।

4.2 कंप्यूटिंग और नेटवर्क सुविधाएं

कंप्यूटर प्रयोगशाला

आईआईटी तिरुपति ने अपने अस्थायी परिसर में दो कंप्यूटर प्रयोगशालाओं की स्थापना की है ताकि छात्र साफ्टवेयर आधारित प्रयोग और प्रोग्रामिंग कर सकें।

कंप्यूटर प्रयोगशाला-1

कंप्यूटर प्रयोगशाला-1 21.5'' डिस्प्ले इंटेल आई5 सीपीयू, 8जीबी रैम, 1 टीबी हार्डडिस्क प्रत्येक के साथ 60 ऑल-इन-वन लेनेवो डेस्कटॉप कंप्यूटरों से युक्त है।



■ कंप्यूटर प्रयोगशाला-1 का एक दृश्य

कम्प्यूटर प्रयोगशाला-2

कम्प्यूटर प्रयोगशाला-2, 21.5'' रेटिना डिसप्ले, इंटेल आई5 सीपीयू, 16जीबी रैम और 1टीबी हार्डडिस्क सहित प्रत्येक 30 एप्पल आईएमएसी कम्प्यूटरों से युक्त है।

संस्थान की सर्वर सुविधा

संस्थान में चार रैक सर्वर और दो ब्लेड सर्वर हैं जिनका उपयोग संस्थान की बेवसाइट को होस्ट करने, एलडीएपी प्रमाणन और शैक्षिक उद्देश्यों के लिए मूँडल ओफन सोर्स एप्लीकेशन के लिए किया जाता है। इन सर्वरों का विवरण नीचे दिया गया है।

- एचपी सर्वर (3) प्रत्येक सर्वर ई5 इंटेल जियॉन 24 कोर सीपीयू, 256 जीबी रैम, 20 टीबी की कॉमन एसएएन स्टोरेज के साथ
- जीपीयू आधारित एचपी सर्वर (1) ई5 इंटेल जियॉन 24-कोर सीपीयू, 256 जीबी रैम, 32 जीबी एनवीआईडीआईए टेस्ला जीपीयू कार्ड सहित
- आईबीएम सर्वर-एम4 इंटेल जियॉन 12 कोर सीपीयू, 10 टीबी स्टोरेज के साथ 128 जीबी रैम
- लेनोवो ब्लेड सर्वर- एम5 इंटेल जियॉन 12-कोर सीपीयू, 600 स्टोरेज के साथ 64 जीबी रैम

उपलब्ध साफ्टवेयर

संस्थान ने शैक्षिक और शोध उद्देश्यों के लिए अपेक्षित साफ्टवेयर के अधिकार और लाइसेंस खरीदें हैं।

- वचुर्अल एनवीआईडीआईए जीपीयू लाइसेंस के साथ वीएम वेयर ईएसएक्सआई6.5 स्टैडर्ड
- कास्पर्स्की एंटीवायरस
- माइक्रोसाफ्ट ऑफिस 2016
- ऑटोकैड 2016 (ईवीयू) (अनलिमिटेड)
- सीरो एस/डब्ल्यू
- मैटलेब 2018ए (अनलिमिटेड)
- सीओएमएसओएल
- ओरकेड सीमेटिक कैप्चर और पीएसपीआईसीई
- ओरकेड पीसीवी और ऑटो रूटिंग साफ्टवेयर
- वीवाडो एस/डब्ल्यू



■ कम्प्यूटर प्रयोगशाला-2 का एक दृश्य

- सिमुलिया अबेक्स साफ्टवेयर
- एनसिस
- बैंटले
- अडोब
- चैम ड्रा प्रोफेशनल
- मैस्ट्रेक
- जियो स्टूडियो 2018
- विंडोज सर्वर लाइसेंस
- विंडोज यूजर कॉल लाइसेंस
- विंडोज आरडीबी लाइसेंस
- टर्न इट इन

इंटरनेट सुविधाएं

संस्थान में वाई-फाई कनेक्टिविटी के साथ एक समर्पित उच्च गति 1 जीबीपीएस इंटरनेट कनेक्शन है। आईआईटी तिरुपति का शैक्षिक परिसर पूरी तरह से नेटवर्क के साथ जुड़ा हुआ है और शैक्षिक भवनों को अतिथि गृह के साथ तथा उस क्षेत्र में स्थित छात्रावासों के साथ जोड़ने के लिए प्वाइंट-टू-प्वाइंट आरएफ का प्रयोग करता है।

4.3 विज्ञान प्रयोगशालाएं

प्रथम वर्ष के अवर स्नातक छात्रों तथा इन विषयों में पीएच.डी छात्रों के लिए अस्थायी परिसर में अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ भौतिकी और रसायन प्रयोगशालाओं की स्थापना की गई हैं। वर्ष 2017-18 के दौरान प्रयोगशालाएं प्रयोगों के लिए जोड़े गए कुछ महत्वपूर्ण उपकरणों के साथ अधिक रूप से सुसज्जित हुई। परिसर में विज्ञान प्रयोगशालाओं का विवरण निम्नानुसार है:

रसायन प्रयोगशाला

अवर स्नातक रसायन प्रयोगशाला की स्थापना जनवरी 2016 में की गई थी। यह अत्याधुनिक उपकरणों से युक्त है। रसायन प्रयोगशाला में प्रयोग छात्रों को रसायन विज्ञान और अभियांत्रिकी के विविध क्षेत्रों से परिचित कराने के लिए तैयार किए गए हैं। कुछ मौजूदा प्रयोग नीचे सूचीबद्ध किये गये हैं:

- जटिल मैट्रिक टाइट्रेशन का प्रयोग करते हुए पास-पड़ोस से एकत्रित किये गये जल नमूनों की स्थायी और अस्थायी कठोरता का निर्धारण
- एस्परिन मॉलीक्यूल का प्रयोगशाला सिंथेसिस
- चाय की पत्तियों से कैफिन निकालना
- कंडक्ट मैट्रिक टाइट्रेशन का प्रयोग करते हुए फल के जूस (साइट्रिक एसिड) घोल की एसिड क्षमता का निर्धारण
- कोलोरी मीटर का प्रयोग करते हुए एलॉय में धातु का आकलन : पीतल में तांबे की मात्रा

रसायन प्रयोगशाला में उपलब्ध प्रमुख उपकरण निम्नानुसार हैं:

<ul style="list-style-type: none"> ■ बैंच टॉप कंडक्टटीविटी मीटर ■ बैंच टॉप पीएच मीटर ■ डिस्टिल्ड जल संयंत्र - 4 लीटर क्षमता ■ डिजिटल कोलोरीमीटर ■ हॉट प्लेट - 8 इंच-डायामीटर ■ मेलिंग प्वाइंट अपरेटर्स ■ वाटर बाथ - 6 होल ■ आइस लेक मशीन 	<ul style="list-style-type: none"> ■ हॉट प्लेट के साथ चुंबकीय उत्तेजक (1 लीटर क्षमता) ■ प्रेसिजन गोल्ड बैलेंस ■ एनालिटिकल बैलेंस ■ रोटरी वैक्यूम पम्प-300 एलपीएम ■ यूवी फिल्टर के साथ-यूवी ■ हीट गन ■ हॉट एयर ■ ऑयल फ्री पोर्टेबल वैक्यूम पम्प
--	--



■ रसायन प्रयोगशाला की झलक

भौतिकी प्रयोगशाला



■ भौतिकी प्रयोगशाला की एक झलक

भौतिक प्रयोगशाला में उपलब्ध उपकरण:

- कम्पाउंड पेंडुलम विथ एसेसरीज (पांच सेट)
- अल्ट्रासोनिक इंटरफेरोमीटर (पांच सेट)
- स्टीफन कॉन्सटेंट प्राप्त करने के लिए प्रायोगिक सेटअप (पांच सेट)
- न्यूटन रिंग्स एक्सपरिमेंट (छह सेट)
- डिफ्रेक्शन ग्रेटिंग के साथ स्पेक्ट्रोमीटर (छह सेट)
- इलेक्ट्रोड कॉन्फिगरेशन के साथ इक्विपोटेशियल लाइनों की मैपिंग (पांच सेट)
- डिजिटल ऑसिलोस्कोप (छह सेट)
- उपस्करों के साथ हॉल इफेक्ट एपैरेटस (पांच सेट)
- प्लांक कॉन्सटैंट यूजिंग एलईडी (पांच सेट)
- मैट लेबोरेट्री का प्रयोग करते हुए सिमुलेशन प्रयोगशाला (10 सेट)
- फोर्बर्स मैथड एपैट्रटस
- डिजिटल टाइमर के साथ लिनियर एयर ट्रैक (एक)
- टाईमिंग कारप्लेन रैप्डप्लेन्करइंक्लाइंड प्लेन एस्सेसरी क्रॉड रैप (एक)
- कंडक्टीविटी के माप हेतु चार प्रोब मैथड (चार सेट)
- तनाव माप के लिए स्ट्रेन-गेज (चार सेट)

भौतिकी प्रयोगशाला संस्थान के उन प्रयोगशालाओं में से एक है जिसे संस्थान की शुरुआत के साथ आरंभ किया गया था। इसे 10 डेस्कटॉप पीसी, और इंटेल आई3 सीपीयू, 4 जीबी रैम तथा 500 जीबी हार्ड डिस्क के साथ 20 बाह्य मॉनीटरों के साथ प्रोन्नत किया गया। इस प्रयोगशाला में अवर स्नातक स्तर पर लगभग 10 प्रयोगों के संचालन हेतु अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं, और इसमें इस क्षेत्र में शोध के संचालन की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त उपकरण भी हैं।



इसके अतिरिक्त, यह प्रयोगशाला अधिक प्रभावी रूप से प्रयोग करने के लिए कुछ महत्वपूर्ण उपकरणों से युक्त है। नीचे कुछ उपकरण दिये गये हैं जो अपनी प्रभाविता से प्रयोगशाला के निष्पादन में वृद्धि करते हैं:

कार्बोलाइट जीरोयूके ट्यूब फर्नेस (मॉडलजीएचए 12/600)

सिंगल जोन (जीएचए) के साथ कार्बोलाइट जीरोट्यूबुलर फर्नेस की भौतिकी प्रयोगशाला में इस वर्ष स्थापना की गई है। इसका प्रयोग करते हुए 1200 डिग्री सेंटीग्रेड तक के ईष्टतम ताप तक



■ कार्बोलाइट जीरोयूके ट्यूब फर्नेस

और विभिन्न वातावरण जैसे कि वैक्यूम, गैस फ्लो (ओ2, एआर, एन2) इत्यादि में बड़ी मात्रा में सामग्रियों को सिंथेसाइज किया जा सकता है। एक अतिरिक्त क्वार्ट्ज ट्यूब उपलब्ध है जिसका उच्च वैक्यूम में सामग्रियां तैयार करने के लिए उपयोग किया जा सकता है। एक रोटेरी वैन पम्प भी उपलब्ध है जिसे 10-2 एम बार तक वैक्यूम सृजित करने के लिए जोड़ा जा सकता है। एकरूपता में वृद्धि करने के लिए हीट लॉस रोकने हेतु इंसुलेशन प्लग और रेडियेशन शील्ड उपलब्ध हैं।

नैनो-आरईवीटीएम: एक टेबल डेस्कटॉप स्कैनिंग और टनलिंग माइक्रोस्कोप (एसटीएम):

एक स्कैनिंग टनलिंग माइक्रोस्कोप (एसटीएम) आण्विक स्तर पर सतह की इमेजिंग के लिए एक प्रयोगात्मक उपरकण है। एसटीएम मात्रात्मक यांत्रिकी जैसे कि मात्रात्मक टनलिंग के सिद्धांत पर कार्य करता है। जब कोई कंडक्टिंग टिप नमूने की सतह के काफी नजदीक लायी जाती है तो टिप और सतह के बीच लागू वोल्टेज अंतर उनके बीच हवा के माध्यम से टनल में इलैक्ट्रान की अनुमति दे सकता है। परिणामी टनलिंग करंट टिप स्थिति, लागू वोल्टेज और नमूने की स्थिति के स्थानीय घनत्व (एलडीओएस) का कार्य है। सतह पर टिप की स्थिति के स्कैन के रूप में करंट की निगरानी द्वारा सूचना प्राप्त की जाती है और आम तौर पर इसे इमेज रूप में दर्शाया जाता है। नैनो-आरईवीटीएम एक स्कैनिंग और टनलिंग माइक्रोस्कोप (एसटीएम) है जो टेबल डेस्कटॉप होता है जो व्यापक वायु परिस्थितियों में कार्य करता है। यह सरलता से प्रयोग और उच्च स्तर के मिश्रण के शानदार सम्मिश्रण में आता है जो इसे आरंभकर्ताओं के लिए और माइक्रोस्कोपी अन्वेषण के क्षेत्र में विशेषज्ञों दोनों के लिए उपयोग हेतु तैयार उपकरण बनाता है।

इलैक्ट्रो स्पिनिंग इंस्ट्रूमेंट (स्पिन नैनो):

इलैक्ट्रो स्पिनिंग अपरेटर्स भौतिकी प्रयोगशाला का एक मुख्य उपकरण है जो पॉलिमर तथा मैटल आक्साइड के नैनो फाइबर तैयार करने में सक्षम है। इस उपकरण से तैयार किए गए नैनो फाइबर्स मेम्ब्रेन इनफिल्ट्रेशन, टिशु इंजीनियरिंग, ड्रग डिलिवरी सिस्टम, कैटालिस्ट, डाई-सेंसोटाईज्ड सौलर सेल, बैटरी सेपरेटर इत्यादि जैसे विविध क्षेत्रों में उपयोगी हैं। प्रो. टी. एस. नटराजन, भौतिकी प्राध्यापक, आईआईटी तिरुपति जिन्होंने इस राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता इलैक्ट्रो स्पिनिंग यंत्र का अविष्कार किया (आईआईटी मद्रास में सेवारत होते हुए) आईआईटी तिरुपति में नैनो फाइबर संबंधी शोध में सक्रिय रूप से शामिल हैं।



■ इलैक्ट्रो स्पिनिंग अपरेटर्स के कार्यकरण के बारे में जानकारी देते हुए अनुदेशक

कार्यशाला

पहले सेमेस्टर में अभियांत्रिकी की सभी शाखाओं के लिए श्री वेंकेटश्वरा विश्वविद्यालय, तिरुपति में उपलब्ध कार्यशाला सुविधाओं में प्रशिक्षण सत्रों को आयोजन किया गया। दूसरे सेमेस्टर के कार्यशाला सत्रों का आयोजन न्यूमोटिक और हाइड्रोलिक प्रशिक्षण किटों, एक प्लास्टिक इंजेक्शन मोल्डिंग मशीन और कैम्पस में एफआरपी फैब्रीकेशन सुविधाओं सहित आवश्यक उपकरणों के प्राप्ति और स्थापना



■ स्टूडेंट बींग ट्रेंड इन द वर्कशॉप

द्वारा आईआईटी तिरुपति में किया गया। कार्यशाला प्रयोग के लिए मौलिक विद्युत एवं इलैक्ट्रानिक्स प्रयोगशाला और इंस्टूमेंटेशन तथा संचार प्रयोगशाला की स्थापना की गई।

कार्यशाला में उपरकण:

- मैनुअल इंजेक्शन मॉल्डिंग एम/सी
- एयर कंप्रेशर
- एयर ड्रायर
- न्यूमेटिक प्रशिक्षण किट
- इलैक्ट्रो-न्यूमेटिक प्रशिक्षण किट
- हाइड्रोलिक प्रशिक्षण किट
- इलैक्ट्रो-न्यूमेटिक प्रशिक्षण किट
- हाइड्रोलिक प्रशिक्षण किट
- वेल्डिंग सिमुलेटर
- स्विम मॉड्यूल

- लैम्प मॉड्यूल
- द्यूबलाइट मॉड्यूल
- एमसीबी और ईएलसीबी मॉड्यूल
- कंडक्टर मॉड्यूल
- ओआरएल मॉड्यूल
- पुश बटन मॉड्यूल
- टाइमर मॉड्यूल
- एमसीबी मॉड्यूल
- ईएसएबी-400 एम्पियर वेल्डिंग ट्रांसाफॉर्मर

4.4 अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

आईआईटी तिरुपति में अभियांत्रिकी प्रयोगशालाओं के लिए विभिन्न विषयों के प्राध्यापक सदस्य अपने संबंधित विषयों के लिए प्रयोगशाला सुविधाएं विकसित करने में तन्मयता से शामिल हैं। 2016-17 के दौरान विकसित की गई अथवा विकसित की जा रही प्रयोगशालाओं का विवरण निम्नानुसार है:

विद्युत अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

आईआईटी तिरुपति ने तीसरे सेमेस्टर से आरंभ करते हुए विद्युत और कम्प्यूटर अभियांत्रिकी दोनों के छात्रों के लिए हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर पाठ्यक्रम प्रदान करने हेतु एक समेकित इलैक्ट्रानिक प्रयोगशाला विकसित की है। संस्थान कार्यशाला प्रैक्टिस के रूप में प्रथम वर्ष के सभी चार शाखाओं के लिए इलैक्ट्रानिक प्रयोगशाला प्रदान करता है।



■ विद्युत प्रयोगशाला की एक झलक

संस्थान ने एफपीजीए बोर्ड का प्रापण किया है जिसका बी.टेक प्रयोगशाला प्रारंभिक पाठ्यक्रमों तथा प्रोन्नत वीएलएसआई डिजायन पाठ्यक्रमों और प्रयोगशालाओं के लिए प्रयोग किया जा सकता है। जिंक-जीबो 7000 सीरीज बोर्ड में जिलिंक्स 7 सीरीज के साथ ऑन-चिप (एसओसी) ड्युअल कोर एआरएम कोर्टेक्स -ए9 प्रोसेसर है तथा एफपीजीए में ऑन-बोर्ड मेमोरी तथा ऑडियो एवं वीडियो आई/ओज दोनों तथा सीओडीईसी हैं। ऑन-बोर्ड उच्च बैंडविथ पेरिफल नियंत्रक, जैसे कि आईजी ईथरनेट, यूएसबी 2.0, एसडीआईओ के साथ इसका ऑडियो और वीडियो प्रोसेसिंग एल्गोरिद्धम तैयार करने के लिए प्रयोग किया जा सकता है।

ऑर्केड स्कीमैटिक कैप्चर और पीएसपाइस उपकरण ट्रांजिस्टर और ओप एम्पियर कैरकटरिस्टिक्स के विश्लेषण, डीसी विश्लेषण, एसी विश्लेषण और किसी भी सर्किट के ट्रांजिट विश्लेषण (पैसिव अथवा एक्टिव) के लिए काफी उपयोगी हैं। ट्रांजिस्टर वायस प्वाइंट फिक्सीग ईष्टतम प्रदर्शन के लिए उपयोगी है। पीएसपाइस सॉफ्टवेयर एक सशक्त उपकरण है क्योंकि यह छात्रों को पूरी तरह से एनालॉग अथवा पूरी तरह से डिजिटल अथवा मिश्रित प्रकार से पूरे सर्किट को सिमुलेट करने और मांटी कालों विश्लेषण करने, अत्यधिक ताप और वोल्टेज पर इसके निष्पादन का निर्धारण करने में समर्थ बनाता है। इस उपकरण का उपयोग शोध के लिए भी किया जा सकता है।

विद्युत प्रयोगशाला में मौजूद उपकरण

■ रेगुलेटेड डीसी पावर सप्लाई (4-इन-वन) (एलक्यू 6324 टी)
■ आरबीट्रेरी फंक्शन जनरेटर (एएफजी 1022)
■ डिजिटल ऑसिलोस्कोप (टीबीएस 1102 बी-ईडीयू) 100 मेगाहर्ट्ज
■ डिजिटल ऑसिलोस्कोप (टीबीएस 1202 बी-ईडीयू) 200 मेगाहर्ट्ज
■ डिजिटल मल्टीमीटर (एसएम 7023)
■ जिलिक्स एफपीजीए बोर्ड जिंक-जिबो
■ विवाडो सॉफ्टवेयर
■ ऑर्केड स्कीमैटिक कैप्चर और पीएसपाइस
■ ऑर्केड पीसीबी और ऑटो रूटिंग सॉफ्टवेयर
■ आई5 प्रोसेसर एचपी एलवी 2011 के साथ डेस्कटॉप पीसी
■ एलसीडी प्रोजेक्टर
■ डी-लिंक16 पोर्ट स्विच
■ डी-लिंक8 पोर्ट स्विच
■ प्रिंटर एम435
■ ग्रेनाइट टॉप और विद्युत फिटिंग के साथ प्रयोगशाला मेज
■ रिवाल्विंग चेयर

इन सुविधाओं के अतिरिक्त उच्च सेमेस्टर विद्युत अभियांत्रिकी के छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक सिग्नल प्रोसेसिंग एवं मशीन लर्निंग प्रयोगशाला की स्थापना की गई है। इस प्रयोगशाला में निम्नलिखित शामिल हैं:

- मैटलेब का प्रयोग करते हुए सिग्नल प्रोसेसिंग तथा डिजिटल संचार एल्गोरिद्धम के साथ प्रयोग करने के लिए 30 डेस्कटॉप पीसी (20'' बाह्य मॉनीटर, इंटेल आई5 सीपीयू, 8 जीबी रैम और 500 जीबी हार्ड डिस्क के साथ)
- हार्डवेयर सिग्नल प्रोसेसिंग प्रोग्रामिंग सीखने और रीयल सिग्नल/इमेज पर प्रदर्शन के लिए टीएमएस320सी6748 डीएसपी किट।
- कम्प्यूटेशनली इंटेसिव इमेज प्रोसेसिंस, कम्प्यूटर विजन और मशीन लर्निंग ऑपरेशन के लिए हाल के एनवीडीआईए जीटीएक्स 1080 जीपीयू के साथ 4 हाई एंड वर्क स्टेशन (प्रत्येक में चार)

इसके अतिरिक्त एनालॉग डिवाइसेस इंडिया (एडीआई) ने आईआईटी तिरुपति को 20एम1के लर्निंग किट और 20 हाई एंड डीएसपी प्रोसेसरों से सुसज्जित करते हुए एक डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग (डीएसपी) प्रयोगशाला की स्थापना में रुचि व्यक्त की है। तृतीय वर्ष के बी.टेक छात्रों के लिए एक विद्युत मशीन प्रयोगशाला की स्थापना की योजना तैयार की जा रही है। अंततः बी.टेक अंतिम वर्ष छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रोन्नत विद्युत अभियांत्रिकी प्रयोगशाला जो अंतिम वर्ष के विद्युत अभियांत्रिकी छात्रों के मार्गदर्शन हेतु एक अंतर विषयक प्रयोगशाला होगी, की स्थापना का कार्य प्रगतिरत है। यहां इसका उद्देश्य छात्रों को अभियांत्रिकी के अंतर विषयक क्षेत्रों जैसे कि इंटरनेट ऑफ थिंग्स, रोबोटिक्स, क्लाउड कम्प्यूटिंग, एडवांस्ड इलैक्ट्रो-हाइड्रॉलिक्स, एडवांस्ड इलैक्ट्रो-न्यूमेटिक्स, औद्योगिक ऑटोमेशन के लिए प्रोग्राम योग्य नियंत्रक, नवीकरणीय ऊर्जा प्रणाली (सौर एवं वायु), इत्यादि में प्रोन्नत विषयों से परिचित कराना है।

सर्वेक्षण प्रयोगशाला

सर्वेक्षण प्रयोगशाला प्रयोगों के संचालन हेतु बड़ी श्रेणी में उपलब्ध उपकरणों से युक्त है। इसमें संगत रूप से साधारण उपकरण जैसे कि प्रिज्मैटिक कम्पास, वर्नायर थियोडोलाइटिस, डम्पी लेवल, प्लेन टेबल और संबद्ध उपस्करणों जैसे कि रैंजिंग रॉड, क्रास स्टाफ, ऐरो, पेस इत्यादि शामिल हैं। अधिक आधुनिक उपकरण जैसे कि ऑटो लेवल, हैंड हेल्ड जीपीएस डिवाईस और टोटल स्टेशन ($5''$ और $1''$ सटीकता) भी प्रयोगशाला में उपलब्ध हैं। सिविल इंजीनियरिंग के छात्रों को सर्वेक्षण के मूल बातों को समझने के लिए सभी आवश्यक उपकरणों के प्रयोग में प्रशिक्षित किया जाता है।



■ सर्वेक्षण में छात्र की सहायता करते हुए प्राध्यापक सदस्य

शिक्षण कक्ष प्रदर्शन के लिए जियो तकनीकी इंजीनियरिंग से संबंधित उपकरण की खरीद की गई जिसकी सूची नीचे दी गई है:

- काउंटर और एक कैसाग्र और ग्रूविंग टूल, एचओ के साथ लिक्रिड लिमिट उपकरण
- सैंड पोरिंग सिलेंडर अपरेटस, छोटा
- रैमर 4.9 किलो 450 मिमी नियंत्रित फॉल
- कम्पैक्शन टेस्ट उपकरण, मैनुअल – लाइट कॉम्पैक्शन
- कोर कटर

एप्लाइड मैकेनिक्स प्रयोगशाला

छात्रों के लिए सॉलिड मैकेनिक्स और फ्लुइड मैकेनिक्स के मूल सिद्धांतों से संबंधित प्रयोग करने के लिए एप्लाइड मैकेनिक्स प्रयोगशाला की स्थापना की गई है। सॉलिड मैकेनिक्स प्रयोग में टेंसाइल परीक्षण के लिए यूनिवर्सल टेस्टिंग मशीन, हार्ड नैस टेस्टिंग मशीन, टॉर्सीओन माप, थिक और थिन सिलैण्डरों में दबाव, स्ट्रेन गोज का प्रयोग करते हुए स्ट्रैन माप, वैंडिंग ऑफ बीम, फोटो इलास्टीसिटी माप और इम्पैक्ट टेस्टर शामिल हैं।

फ्लुइड मैकेनिक्स प्रयोगशाला छात्रों के सैद्धांतिक ज्ञान को बढ़ाने के लिए तैयार की गई है जिसे वे फ्लुइड मैकेनिक्स पाठ्यक्रम में सीख सकते हैं।



■ एप्लाइड मैकेनिक्स प्रयोगशाला

प्रयोगशाला में निम्नलिखित प्रयोग सेटअप शामिल हैं:

- लेमीनर और टर्बूलेंट फ्लो को विजुलाइज करने के लिए रैनॉल्ड्स प्रयोग सेटअप
- डिफरेंट फ्लो मेजरिंग सेटअप जैसे कि वैंटरमीटर, ऑरीफाइस-प्लेट, रोटामीटर
- फ्री एंड फोर्स्ड वोरटेक्स प्रयोग सेटअप
- मोमेंटम कंजरवेशन की जांच हेतु सतह पर जेट का प्रभाव
- बर्नोली थ्योरम की जांच हेतु प्रयोग सेटअप

- विभिन्न पाईप सेमेंट में हानि का अध्ययन करने के लिए प्रयोग सेटअप
- घनत्व, विस्कोसिटी, सरफेस टेंशन की माप हेतु फ्ल्यूड प्रोपर्टी माप उपकरण
- विभिन्न आकार के फ्लो को विजुलाइज करने के लिए वाटर फ्लो बैच
- फ्लोटिंग बॉडीज की स्थिरता का अध्ययन करने के लिए प्रयोग सेटअप

हीट ट्रांसफर प्रयोगशाला

हीट ट्रांसफर प्रयोगशाला में छात्रों की हीट ट्रांसफर संबंद्धी जानकारी में वृद्धि करने के लिए विभिन्न प्रयोग सेटअप हैं। इस प्रयोगशाला में निम्नलिखित प्रयोग सेटअप शामिल हैं:

- सॉलिड और फ्लुइड का थर्मल कंडक्टिटी माप
- लीनियर और रेडियल हीट कंडक्शन सेटअप
- विभिन्न वस्तुओं पर फ्री एंड फोर्स्ड कंवेक्शन
- पूल बॉयलिंग एंड कंडेन्सेशन प्रयोग सेट अप
- ट्यूब इन ट्यूब, शैल एंड ट्यूब, प्लांट एंड फिन एंड जैकेटिड वैसल हीट एक्सचेंजर के साथ हीट एक्सचेंजर सेटअप
- विभिन्न ताप माप उपकरण और उनके कैलीब्रेशन
- इंसुलेटिंग सामग्रियों का थर्मल कन्डक्टिटीविटी माप
- किरचोफ लॉ और स्टीफन बोल्टेजमैन लॉ की जांच हेतु प्रयोग सेटअप



■ हीट ट्रांसफर प्रयोगशाला

4.5 केंद्रीय पुस्तकालय

संस्थान के केंद्रीय पुस्तकालय की स्थापना सूचना संसाधन और सेवाएं प्रदान करते हुए आईआईटी तिरुपति ने लर्निंग, शिक्षण और शोध को सुगम बनाने के लक्ष्य के साथ वर्ष 2015 में की गई थी। संस्थान के उद्देश्यों के अनुसार इस प्रयोगशाला का उद्देश्य ई-संसाधनों सहित संसाधनों का एक व्यापक संग्रह तैयार करना है जो प्राध्यापक सदस्यों और छात्रों के लिए उपयोगी होगा और उनकी विद्वत्ता वृद्धि में सहायक होगा।

केंद्रीय पुस्तकालय त्वरित विकास के चरण में है। केंद्रीय पुस्तकालय में इस अवधि के दौरान अभियांत्रिकी, विज्ञान और मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान से संबंधित पाठ्यपुस्तकों और संदर्भ पुस्तकों सहित 1500 से अधिक मुद्रित पुस्तकें शामिल की हैं। केंद्रीय पुस्तकालय ने छह विभिन्न प्रकाशकों की 519 ई-पुस्तकें शामिल की हैं। हमने इस वर्ष लगभग 2000 ई-जर्नल/स्टेंडर्ड/डाटा बेस शामिल किये हैं जिनमें ई-शोध सिंधु द्वारा प्रदत्त जर्नल शामिल हैं। यह प्रयोगशाला कोहा ओपन सोर्स इंटीग्रेटेड पुस्तकालय साफ्टवेयर का प्रयोग करते हुए ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैठालॉग (ओपेक) के साथ पुस्तकालय ऑटोमेशन प्रणाली की आधुनिक प्रौद्योगिकी से युक्त है।

31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार केंद्रीय पुस्तकालय में उपलब्ध संसाधनों की कुल संख्या निम्नानुसार है:

■ पुस्तकें	4474	■ सीडी-रोम	80
■ समाचार पत्र	08	■ ई-जर्नल	2000

ई-शोध सिंधु कंसॉटियम सदस्य

केंद्रीय पुस्तकालय ई-शोध सिंधु कंसॉटियम का सक्रिय सदस्य है।

आयोजित कार्यशाला

केंद्रीय पुस्तकालय ने 11 मई और 12 मई, 2017 को पुस्तकालय तथा कम्प्यूटर केंद्र के कर्मचारियों के लाभार्थ हेतु 'कोहा' पुस्तकालय प्रबंधन साफ्टवेयर के संबंध में एक कार्यशाला का आयोजन किया। कई अन्य इंजीनियरिंग कॉलेजों के पुस्तकालय अध्यक्षों ने भी इस कार्यशाला में भाग लिया।



■ केंद्रीय पुस्तकालय का एक दृश्य

5.

शोध प्रकाशन और उपलब्धियां

आईआईटी तिरुपति एक गहन शैक्षिक वातावरण का पोषण करता है जिसमें प्राध्यापक सदस्य और छात्र राष्ट्र की तकनीकी वृद्धि में योगदान देते हुए नवाचारी शिक्षण-अधिगम गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल होते हैं। आईआईटी जैसे संस्थान अपने शोध योगदान के लिए भलीभांति जाने जाते हैं; इस क्रम में आईआईटी तिरुपति के प्राध्यापक सदस्य शोध और तकनीकी उन्नति के विकास में पुरजोर तरीके से शामिल हैं। संस्थान के सभी प्राध्यापक सदस्य गुणवत्तापरक शोध प्रकाशन और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त प्रसिद्ध सम्मेलनों में अपने शोध परिणामों के प्रकाशन में भी शामिल हैं। प्रकाशन, सम्मेलन में भागीदारी, की गई शोध परियोजनाओं के रूप में शोध योगदान को इस रिपोर्ट के मौजूदा अध्याय में दर्शाया गया है:

5.1 शोध प्रकाशन

जर्नल

सिविल अभियांत्रिकी

- कुमार, पी., **ए. गांगुली** एंड जी. एस. बेनीपाल, ''स्टेटिक एंड डायनामिक ऑफ केबल-स्पेंडेड कंक्रीट बीम्स, स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग एंड मैकेनिक्स'', खंड 64, सं. 5, दिसम्बर, 2017, पेज नं. 611-620
- एम. राजमनि, एंड **एस. एम. मेलिएक्कल**, ''चिटोसन रिइनफोर्च्ड बोहमाईट नैनोकंपोजिट डेसीकेट: ए प्रोमिसिंग आल्टरनेटिव टू सिलिका जेल'', कार्बोहाइड्रेट पॉलीमर, एल्सिवर, खंड 194, 2018, पेज नं. 245-25
- लॉगनाथन, एस. एस. श्रीनाथ, एम. कुमारस्वामी, **के. एन. सत्यनारायण** एंड के. वर्गीस, ''आइडंटीफाईंग एंड एड्रेसिंग क्रिटिकल इसूज इन द इंडियन कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री: पर्सेपेक्टिव ऑफ लॉर्ज बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कलाइंट'', जर्नल ऑफ कंस्ट्रक्शन इन डिवलपिंग कंट्रीज, 22 (सप.1), 2017, पेज नं. 121-144
- कुमारस्वामी, एम. जी. महेश, ए. महालिंगम, एस. लॉगनाथ एंड **के. एन. सत्यनारायण**, ''डिवलपिंग ए कलाइंट' चार्टर एंड कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट केपीआई टू डायरेक्ट एंड ड्राइव इंडस्ट्री इंप्रूवमेंट्स'', बिल्ट एनवायरनमेंट प्रोजेक्ट एंड एसेट मैनेजमेंट, 7(3), 2017, पेज नं. 253-270
- मोहनदास, एम, एस. एस. गुप्ता, आर. कुमार, एम. आर. इस्लाम, ए. सोम, ए. जी. मोहम्मद, टी. प्रदीप एंड **एस. एम. मेलिएक्कल**, ''सेल्फ-प्रोपेगेटेड कम्बश्चन सिंथेसिस ऑफ फ्लू-लेयर्ड ग्रेफीन: एन ऑप्टिकल प्रोपर्टिज पर्सेपेक्टिव'', नैनोस्केल, खंड. 10, इसूज 16, 2018 पेज नं. 7581-7588
- राम, वी. जी. एंड **के. एन. सत्यनारायण**, ''इस्टीमेशन ऑफ सीएंडडी वेस्ट यूसिंग वेस्ट जेनरेशन रेट्स इन चैन्नई, इंडिया'' वेस्ट मैनेजमेंट एंड रिसर्च, खंड 6(5), 2017, पेज नं. 610-617
- राय, डेवोपम, एंड **के. एन. सत्यनारायण**, ''क्रिटिकल चैलेंज इन मैनेजमेंट ऑफ हेरीटेज कंजरवेशन प्रोजेक्ट इन इंडिया'', जर्नल ऑफ कलचरल हेरिटेज मैनेजमेंट एंड स्टेनेबल डिवलपमेंट, 7(3), 2017, पेज नं. 290-307
- साहा, जी. एंड **के. पी. बिलिगिरी**, ''कंप्रेहेंसिव फेटीग मेकेनिज्म इवेस्टीगेशन ऑफ अस्फॉल्ट मिक्सर: ए सिन्रेजिस्टिक स्टडी ऑफ क्रेक इंनिशन एंड प्रोपेगेशन'', जर्नल ऑफ मटेरियल्स इन सिविल इंजीनियरिंग, अमेरिकन सोसायटी ऑफ सिविल इंजीनियर्स, खंड. 30, सं. 3, मार्च, 2018, 04018024-1-11

- साहा, जी, एंड के. पी. बिलिगिरी, ''नोवल प्रोसिजर प्रेगमेटिक्स ऑफ डायनामिक सेमी-कल्चर बैंडिंग टेस्ट ऑफ फेटीग इवैलुएशन ऑफ अस्फाल्ट मिक्सर'', रोड मटेरियल्स एंड पेवमेंट डिजाइन, टेलर एंड फ्रांसिस, सितम्बर, 2017
- विवेनथन, ए. एंड के. एन. सत्यनारायण, ''युटिलिटी रिलोकेशन मैनेजमेंट इन हाइवे प्रोजेक्ट, बिल्ट इनवायरनमेंट प्रोजेक्ट एंड एसेट मैनेजमेंट'', खंड 8 इसूज़: 2, फरवरी, 2018, पेज नं. 171-82

कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी

- पांडेय पी. के. के. एंड वी. बादरला, ''रिकंस्ट्रक्शन ऑफ नेटवर्क टोपोलॉजी यूजिंग स्टेट्स-टाइम-सिरीज डाटा'' एल्सेवर जर्नल फिजिका ए, खंड 490, सं. 1, जनवरी, 2018 पेज नं.. 573-583
- प्रसाद, जी.वी.आर., साई. वी. चौप्पेला एंड एस. चिमलकोंडा, ''ए स्टाइल सीट बेस्ड एप्रोच फॉर सेमेंटिक ट्रांसफोर्मेशन ऑफ वेब पेजस'', स्प्रिंगर, चैम, फरवरी, 2018, पेज नं. 240-255

विद्युत अभियांत्रिकी

- अनीस, आर. एस. एस., मधु एस. नायर, एंड आर. के. साई एस. गोर्थी, ''सेटेलाईट इमेज रिसॉल्यूशन इन्हेशमेंट यूजिंग नॉनसब्सम्प्लेड कांटरलेट ट्रांसफोर्म एंड क्लस्टरिंग ऑफ सब्बेंड्स'', जर्नल ऑफ द इंडियन सोसायटी ऑफ रिमोट सेसिंग स्प्रिंगर, खंड 45, सं. 4, दिसम्बर, 2017, पेज नं. 979-991
- गोपाकुमार, जी., एम. स्वेथा, एस. एस. गोर्थी, एंड आर. के. साई एस. गोर्थी, ''सीएनएन मलेरिया डायग्रोसिस फ्राम फोकस स्टॉक ऑफ ब्लड सीमर इमेज एक्वायर्ड यूजिंग कस्टम-बिल्ट स्लाइड स्कैनर'', जर्नल ऑफ बॉयोफोटोनिक्स, खंड 11, सं. 2, मार्च, 2018
- हरिबाबू, ए. जेन, स्वेथा, दीपक एम, एंड आर. के. साई एस. गोर्थी, ''इंकोरपोरेटिंग रोटेशनल इन्वेरियेंस इन कॉनवोलिटिनल न्यूरल नेटवर्क आर्किटेक्चर'', 8 पैटर्न एनालिसिस एंड एप्लीकेशन (स्प्रिंगर), फरवरी, 2018, पेज नं. 1-14
- मंडन, के. आर, सुमित्रा के. पल्लवी वी, दीपक एम, एंड आर. के. साई एस. गोर्थी, ''कोरेलेशन बेस्ड ट्रेकर लेवल फ्लूसन फॉर रोबुस्ट विजुअल ट्रैकिंग'', आई ट्रॉजिक्वशन ऑफ इमेज प्रोसेसिंग, खंड 26, सं. 10, अक्टूबर, 2017, पेज नं. 4832-4842
- रचित, एस, आर. के. साई एस. गोर्थी, दीपक मिश्रा, आर. वी. विनु, एंड आर. के. सिंह, ''कंप्रेसिव कोरिलेशन होलोग्राफी'', एप्लीकेशन ओपीटी, खंड 56, सं. 24, जुलाई, 2017, पेज नं. 6949-6955
- राजेश्वरी, बी. श्रीवल्सन, एन. रामराव, एंड आर. के. साई. एस. गोर्थी, ''एक्टिव लर्निंग बेस्ड ऑप्टिमिस्ड ट्रेनिंग लायब्रेरी जेनरेशन फॉर ऑब्जेक्ट आरियेटेड इमेज क्लासीफिकेशन'', आई ट्रॉजिक्वशन ऑन जियो साईस एंड रिमोट सेसिंग, खंड 56, सं. 1, सितम्बर, 2017, पेज नं. 575-585

यांत्रिक अभियांत्रिकी

- पंचारिया, डी. के., आर. के. राई, ई. अनिल कुमार, एंड एस. के. सिंह, ''कोर-शैल जियोलिटिक इमिडाजोलेट फ्रेमवर्क फॉर इन्हेंस्ड हाइड्रोजन स्टारेज'8 एसीएस ओमेगा'', खंड 3, सं. 1, जनवरी, 2018, पेज नं. 16-175
- शर्मा आर, एंड ई. अनिल कुमार, ''स्टडी ऑफ एमोनिटेड साल्ट्स बेस्ड थर्मो केमिकल एनर्जी स्टोरेज सिस्टम विद हीट अप ग्रेडेशन: ए थर्मोडायनामिक एप्रोच'', एनर्जी, खंड 141, दिसम्बर, 2017, पेज नं. 1705-1716
- शर्मा, वी.के. एंड ई. अनिल कुमार, ''थर्मोडायनामिक्स सिमुलेशन ऑफ हाइड्रोजन बेस्ड सॉलिड सोर्पेन हीट ट्रांसफोर्मर'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ थर्मल साईस, खंड.125, मार्च, 2018, पेज नं. 74-80
- शर्मा, वी. के. एंड ई. अनिल कुमार, ''मेटल हाइड्राइड'' क्रिक-ओथमेर एनसाइक्लोपीडिया ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी विले ऑनलाइन लायब्रेरी, मार्च, 2018, पेज नं. 1-21
- सिंह, वी. के. एंड ई. अनिल कुमार, ''थर्मोडायनामिक एनालिसिस ऑफ सिंगल-स्टेज एंड सिंगल-इफैक्ट टू-स्टेज एर्जोपशन कूलिंग साईकिल यूजिंग इंडिजीनियस कोकोनट शैल बेस्ड एकटीवेटड कॉर्बन-सीओ 2 पेयर'' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रेफ्रिजेरेशन, खंड. 84, दिसम्बर, 2017, पेज नं. 238-252

- श्रीनिवासु, डी. एस. एंड **एन. वेंकैय्या**, ''मिनिमम जोन एवालियुशन ऑफ राउंडनेस यूजिंग हाइब्रिड ग्लोबल सर्च एप्रोच ''इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड मैन्यूफैक्चरिंग टैक्नोलॉजी, खंड. 92, सं. 5-8, सितम्बर, 2017, पेज नं. 2743-2754
- श्रीनिवास, राव एम, एंड **एन. वेंकैय्या**, ''मल्टी रैस्पोंस ऑप्टिमिजेशन ऑफ डब्ल्यूईडीएम प्रोसेस इन मशीनिंग निमोनिक-263 सूपर एलॉय'', इंटरनेशनल जे. मटिरियल्स एंड प्रोडक्ट टैक्नोलॉजी, 56 (3), जनवरी, 2018, पेज नं. 187-206

रसायन विज्ञान

- मंडल, पी. सी., वी. सिंह, **ए. के. मन्ना** एंड एम. झारनिकोव, ''कोवालेंटली असंब्लड मोनोलेयर ऑफ होमो- एंड हेटियरोलेप्टिक फेल-टेरपियरिडियल कॉम्प्लेक्स ऑन एसआईओएक्स एंड आईटीओ- कोटेड ग्लास सब्सट्रेस: एन एक्सपेरीमेंटल एंड थियोरिटीकल स्टडी'', केमफीचेम विले, खंड. 18, सं. 23, सितम्बर, 2017, पेज नं. 3407-3415

भौतिकी

- **देशमुख, पी. सी.**, कुमार आषिश, वर्मा हरि, बनर्जी सौरव, मानसन स्टीवन, डोल्माटोव वेलिरे, एंड खेफद्स, ''एनाटोली विग्र- ईशनवड-स्मिथ फोटोनाइजेशन टाईम डिले ड्यू टू ऑटोनियोजेशन रेजोनेस'', जे. फिजे. बी. एटोमिक, मॉलीक्यूलर एंड ऑप्टिकल फिजिक्स, इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स, खंड. 51, मार्च 2018, पेज नं. 065008
- **देशमुख, पी. सी.**, पी. राजुराया, ए. राजन, बी. आर. व्याख, एंड एस. दत्ता, ''द ब्राचीटोचोरोन'', रेजोनेस, खंड. 22, सितम्बर, 2017, पेज नं. 847-866
- फिक्स एम., ए. जेसच, एस. जी. जेन्ट्स, एस. ए. व्यारूनिंगर, एच. एच. क्लाउस, **आर. एस. मन्ना**, आई.एम. पिटेस्च, एच. ए. होइप्पे, एंड पी. सी. केनफिल्ड, ''फैरामेट्रिज्म वेरस्स स्लो पारामेट्रिक रिलेक्सन इन फी-डोप्ऱ एलआई3एन'', फिजि. रेव. बी., अमेरिकन फिजिकल सोसायटी, खंड. 97, फरवरी, 2018, पेज नं. 064419
- **कोटेश्वरराव, बी.**, टी. चक्रबर्ती, टी. बासु, बी. के. हाजरा, पी. वी श्रीनिवासराव, पी. एल. पॉलूस, एंड एस. श्रीनाथ, ''लॉज स्पोनटियस एक्सचेंज बियास इन ए वीक फैरोमेट्रेट पीबी6एनआई9 (टीईओ6)5'', साईटीफिक रिपोर्ट्स, नेचर पब्लिसिंग ग्रुप, खंड7, अगस्त 2017, पेज नं. 8300
- मंडल, ए., **पी. सी. देशमुख**, ए. एस. खेफट, वी. के. डोलमोटोव, एंड एस. टी. मेंसन, ''एंगल रिसोल्वड विग्रेर टाईम डिले इन एटोमिक फोटोनाइजेशन: द 4डी सबशैल ऑफ फ्री एंड कांफिनेड एक्सई'', फिजिक्स रिवे. ए. अमेरिकन फिजिकल सोसायटी, खंड 96, मार्च 2017, पेज नं. 053407
- **मन्ना, आर. एस., एस. हर्टमन्न**, ई. गति, जे. ए. सेल्यूटर, एम. डी सॉउजा, एंड एम. लेंग, ''लॉ-टेम्प्रेचर लेटिक्स इफेक्ट इन द स्पिन'लिक्षिड-केंडिडेट सिस्टम के- (बीईडीटी-टीटीएफ)2सीयू2(सीएन)'', क्रिस्टल, खंड. 8, फरवरी 2018, पेज नं. 87

गणित

- **दास, आई**, ''रोबस्ट बैचमार्क डोस इस्टीमेशन यूजिंग एन इनफाईट फैमिली ऑफ रेसपोंस फंक्शन'', ह्युमन एंड इकोलॉजिकल रिस्क एसेसमेंट: एन इंटरनेशनल जर्नल, खंड. 24, सं. 8, माह 2018, पेज नं. 573-605
- मोफँक, एफ.टी. एलेरेफँई, **डी. पी. चला** एंड एम. सिनी, ''मॉडलिंग एंड सिमुलेशन ऑफ द मोशन ऑफ नेनोपार्टिज इन सिलेंड्रीकल कैपिलरीज एलॉइंग पार्टिकल-टू-वॉल इंटरक्शन'', माथ मेथ ऐप. साई., खंड 40, सं. 8, मई 2017, पेज नं. 3111-3128
- राधाकृष्णन, एम., **एस. राजेश**, एंड एस. अग्रवाल, ''सम फिक्सड-पॉइंट थेरेमस्स ऑन नॉन-कॉन्वेक्स सेट्स अॅपलाईड'', जर्नल टोपोलाजी, खंड 18, सं. 2, अक्टूबर, 2017
- **राजेश, एस.**, ''ऑन एक्सटेंस ऑफ फिक्सड प्वाइंट्स फॉर प्वाइंट्वाईज इवेंचुली नॉन-एक्सपेंसिव मैपिंग्स'', जर्नल ऑफ फिक्स्ड-प्वाइंट थ्योरी एंड एप्लीकेशन, खंड 19, सं. 3, सितम्बर, 2017

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान

- **बाहिनिपति, सी. एस.**, ''इकोनॉमिक एंड नॉन-इकोनॉमिक लॉस एंड डैमेज फ्राम ड्राट्स इन वेर्स्टर्न इंडिया: द रोल ऑफ एडेप्शन मेसर्स'', ऐड्रिसिंग नॉन-इकोनॉमिक लॉसेस एंड डैमेज एसोसिएटेट विथ क्लाइमेट चेंज: लर्निंग फ्राम रिसेंट पास्ट एक्ट्रीम क्लाइमेट इवेंट्स फॉर फ्यूचर प्लानिंग'', ईझस, चिबा वाई, एंड एस.वी.आर.के. प्रभास्कर, एशिया पैसिफिक नेटवर्क फॉर ग्लोबल चेंज रिसर्च एंड इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल एनवायरनमेंट स्ट्रेटजिस, सितम्बर, 2017, पेज नं. 53-74
- **बाहिनिपति, सी. एस.** एंड पी. के. विश्वनाथन, ''एडोप्शन एंड डिफ्यूशन ऑफ माइक्रो-इरिगेशन इन गुजरात, वेर्स्टर्न इंडिया: द्वू इंस्टीट्यूशन एंड पॉलिसिज मेटर? ग्लोबल चेंज इकोसिस्टम एंड सस्टेनबिलिटी, ईझस, पी. मुखोपाध्याय, एन. नॉन एंड के. दास, सेज पब्लिकेशन, सितम्बर, 2017, पेज नं. 204-224
- **बाहिनिपति, सी. एस.**, यू. राजशेखर, ए. आचार्य एंड एम. पटेल, ''फूड-इंडूसेड लॉस एंड डैमेज टू टेक्स्टाईल इंडस्ट्री इन सूरत सिटी, इंडिया'', इनवायरनमेंट एंड अर्बनाइजेशन एशिया, सेज पब्लिकेशन, खंड.8, सं.2, सितम्बर, 2017, पेज नं. 170-187
- **द्विवेदी, पी. एस.**, ''ए स्टडी ऑफ काम्पेरेटिव लिंग्यूस्टिक-फिलोसिफिकल फाउंडेशन थ्रू द ट्रासलेशन ऑफ भर्तहरि एंड सौसुरे'', इंटरनेशनल जनरल ऑफ ट्रासलेशन, खंड. 29, सं. 1, दिसम्बर 2017, पेज नं. 59-72
- पटनायक, यू., पी. के. दास, **सी. एस. बाहिनिपति**, एंड ओ. एन. त्रिपाठी, ''केन डवलपमेंटल इंटरेक्टिव रेझूस हाउसहोल्ड्स' वल्नरविलिटी? इम्पीरिकल इविंडेंस फ्राम रूरल इंडिया'', करंट साईंस, खंड. 113, सं. 10, नवम्बर 2017, पेज नं. 2004-2013
- वर्मा, पी. के., **पी. एस. द्विवेदी** एंड वी. वाम्शी कृष्णा रेड्डी, ''द भागवत गीता एंड कादम्बरी: डिसइन्टरिंग द फिलांसिफिको-कल्चरल फाउंडेशन ऑफ लांगिग एंड रिबर्थ'', साइंस, स्प्रिचुयलिटि एंड सिविलाइजेशन प्रोसिडींग, खंड 2, सं.1, टीबीएस प्लानेटकॉमिक्स, मई 2018, पेज नं. 307-314

पुस्तक

- **रघुरामराजु. ए.**, डिजायर एंड लिबरेशन: बायोग्राफी ऑफ ए टेक्स्ट वाई वडेरा चंडीदास, संपादित इंट्रोडक्शन, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2018

5.2 सम्मेलन

सिविल अभियांत्रिकी

- ए.के. चंद्रप्पा, एंड **के. पी. बिलिगिरी**, ''लेबोरटरी-फिल्ड इंवेस्टीगेशन ऑफ प्रीवियस कांक्रेट पावर्मेंट्स: ए स्मार्ट सिटी इनिशियटिव'', 5वां आईआरएफ मिडल ईस्ट रीजनल कांग्रेस एंड एक्जीवीशन, दुबई, यूएई, 29-31 अक्टूबर, 2017
- देवोपम रॉय, **के. एन. सत्यनारायण**, एंड अरुण मेनन, ''ओवरव्यू ऑफ प्रोजेक्ट गवर्नेंस फ्रेमवर्क फॉर हेरिटेज कंजरवेशन इन इंडिया'', इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन प्रोफेशनेलिज्म इन बिल्ट हेरीटेज सेक्टर, आरएलआईसीसी थेमेटिक वीक ल्यूवेन, बेल्जियम, 5-8 फरवरी, 2018
- देवोपम रॉय, **के. एन. सत्यनारायण**, एंड अरुण मेनन, ''कंट्रक्चुरल फ्रेमवर्क फॉर स्टेकहोल्डर इंटरेक्शन फॉर हेरिटेज कंजरबेशन प्रोजेक्ट्स इन इंडिया'', साईटिफिक सिम्पोजियम ऑफ 19वां आईसीओएमओएस जनरल असम्बेली, नई दिल्ली, इंडिया, 13-14 दिसम्बर, 2017
- डी. घोष, राहुल डी. रॉय, **ए. गांगुली**, एस. दुली, एंड ए. मुखर्जी, ''कांम्बीनेशन ऑफ थर्मल एंड इलास्टिक वेव इमेजिंग टेक्निक्स फॉर डिटेक्शन ऑफ सबसरफेस डिफेक्ट्स इन कांक्रीट'', एनडीई 2017 कांफ्रेंस एंड एक्जीविशन ऑफ द इंडियन सोसायटी फॉर एनडीटी (आईएसएनटी), चैन्नई, दिसम्बर, 2017
- जी. साहा, एंड **के. पी. बिलिगिरी**, ''कांसेप्चुअल डवलपमेंट ऑफ नोमोग्राफ टू ईस्टीमेट माइल्स विथ प्रोग्रेसिव फेटीयू: एन इंक्लुसिव एप्लीकेशन ऑफ डायनामिक सेमी-सर्कुलर बेडिंग टेस्ट'', 97वां ऐनुअल मीटिंग ऑफ द ट्रांसपोर्टेशन रिसर्च बोर्ड, नेशनल अकेडेमिक्स ऑफ इंजिनियरिंग, वाशिंगटन, डीसी, यूएसए, 7-11 जनवरी, 2018

- जी. साहा, एंड के. पी. बिलिगिरी, ''क्रेक ग्रोथ एसेसमेंट ऑफ अस्फाल्ट मिक्चरर्स यूसिंग डायनामिक सेमी-सर्कुलर बेंडिंग टेस्ट'', फोर्थ कांफ्रेंस ऑफ ट्रांसपोर्टेशन रिसर्च ग्रुप ऑफ इंडिया, मुम्बई, 17-20 दिसम्बर, 2017
- जी. साहा., एंड के. पी. बिलिगिरी, ''इंवेस्टीगेशन ऑफ क्रेक इनिसिएशन बिहेवियर ऑफ अस्फाल्ट ऑफ मिक्सर: फेटीग्यू स्टडी थो डायनामिक एससीबी टेस्ट'', इन इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन एडवांस्ड इन कंस्ट्रक्शन मटेरियल्स एंड सिस्टम, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी मद्रास, चैन्नई, आरआईएलईएम 2017, 3-8 सितम्बर 2017
- एच. एन विनय, फ्रांसिस्को सिल्वा, जॉर्ज बी, सॉउसा, जॉर्ज बी, वेय, एंड के. पी. बिलिगिरी, ''एसेसमेंट ऑफ थेसोल्ड फिल्म थिकनैस यूजिंग सरफेस एरिया फॉर आरएआर मॉडीफिल्ड एस्फाल्ट मिक्चर्स'', रबरजाइज्ड एस्फाल्ट-एस्फाल्ट रबर 2018 कांफ्रेंस, क्रुगर पार्क, साउथ अफ्रीका, 25-28 सितम्बर, 2018
- के. पी. बिलिगिरी, ''क्रेकिंग परफॉर्मेंस इंवेस्टीगेशन ऑफ अस्फाल्ट-रबर गेप ग्रेडेड मिक्सर: इम्फेसिस ऑन एप्रेसन ग्रेडेशन'', पांचवां आईआरएफ मिडल ईस्टल रीजनल कांप्रेस एंड एकजीविशन, दुबई, यूएई, 29-31 अक्टूबर 2017
- के. पी. बिलिगिरी, ''सस्टेनेबल रोडवे इंफ्रास्ट्रक्चर-सोल्यूशन फॉर स्मार्ट सिटिज'', इंडिया-ईयू डॉयलाग स्मार्ट सिटीज: सस्टेनेबल उर्बेनिस्टेशन आर्गेनाईसिड वाई हिलबर्ग यूनिवर्सिटी, ताज गेटवे होटल, बंगलौर, 14 अक्टूबर, 2017
- एम. मोहनदास, एस. नैल्लेरी, एंड एस. एम. मेलिएक्कल, ''ऑप्टिकल प्रोपर्टीज ऑफ सनलाईट रिडियूस्ड ग्राफेन आक्साइड'', इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन नैनोटैक्नोलॉजी: आईडियास, इनोवेशन एंड इनिशियटिव-2017, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी, रुड़की, 6-8 दिसम्बर, 2017
- एम. राजमनि, एस. के. मोडाक, आर. कन्नापिरन, एंड एस. एम. मेलिएक्कल, ''अपप्रीसेंडेटेड सीआर (VI) उपटक कैपिसिटी ऑफ ग्रेनुलेटेड बोहिमाईट नैनो आर्किटेक्चर'', इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन नैनोटैक्नोलॉजी: आइडियाज़, इन्नोवेशन एंड इनिशियटिव-2017, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी, रुड़की, 6-8 दिसम्बर, 2017
- एन. नीथू टी. चौधरी, एंड एस. एम. मेलिएक्कल, ''एफई (III) एमएन (III) एम्बेडिड आक्साइड एडजोर्वेंट मटेरियल फॉर इफेक्टिव आर्सेनिक रिमुवल फ्रारम वाटर'', प्रोसीडिंग ऑफ द इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट, एंड इंस्डस्ट्रियल सेफ्टी, एसी टेक, अन्ना यूनिवर्सिटी, चैन्नई, 22-23 फरवरी, 2018
- एस. कुमार, वी. वेनुधरम, के. पी. बिलिगिरी, एंड. जे. बी. साउसा, ''परफॉर्मेंस केरेक्टरीजेशन ऑफ रिएक्टेड एंड एकटीवेट रबर मॉडीफिड गेप ग्रेडेड अस्फाल्ट मिक्सर'', रबरिजेड अस्फाल्ट-अस्फाल्ट रबर 2018 कांफ्रेंस, क्रुगर पार्क, साउथ अफ्रीका, 25-28 सितम्बर, 2018
- यू. कन्नन, ए. गर्ग, ए. श्रीवास्तव, पी. सी. सबुमोन, एंड एस. एम. मेलिएक्कल, ''ग्राफेन-सिल्वर कोटेड सूपर सेंड (जीएससीएस) फॉर डिसइन्फेक्शन ऑफ वाटर'', इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन नैनोटैक्नोलॉजी: आइडियाज़, इन्नोवेशन एंड इनिशियटिव-2017, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी, रुड़की, 6-8 दिसम्बर, 2017
- वी. वेनुधरन एंड के. पी. बिलिगिरी, ''इफेक्ट ऑफ एप्रेट ग्रेडेशन ऑन रूटिंग परफॉर्मेंस ऑफ अस्फाल्ट-रबर गेड ग्रेडेड मिक्सर'', एन इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन एडवांस्ड इन कंस्ट्रक्शन मटेरियल्स एंड सिस्टम, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी मद्रास, चैन्नई, आरआईएलईएम 2017, 3-8 सितम्बर 2017
- वी. वेनुधरन एंड के. पी. बिलिगिरी, ''इंवेस्टीगेशन ऑन रूटिंग परमफार्मेंस ऑफ गेप-ग्रेडेड अस्फाल्ट मिक्सर: स्टडी ऑन एप्रेगेट ग्रेडेटेशन'', चौथा कांफ्रेंस ट्रांसपोर्टेशन रिसर्च ग्रुप ऑफ इंडिया, मुम्बई, सीटीआरजी 2017, 17-20 दिसम्बर, 2017
- वी. वेनुधरम, के. पी. बिलिगिरी, आशिश कुमार, उज्जवल मुखर्जी एंड राजीब चटराज, ''फील्ड इंवेस्टीगेशन ऑन अस्फाल्ट-रबर गेप ग्रेडेड (एआर-गेप) पेवमेंट्स प्लेस्ड ऑन हाईवे इन इंडिया'', रबरिजेड अस्फाल्ट-अस्फाल्ट रबर 2018 कांफ्रेंस, क्रुगर पार्क, साउथ अफ्रीका, 25-28 सितम्बर, 2018
- वी. जी. राम, के. एन. सत्यनारायण, एंड एच. के. नंदुरु, ''इफ्लुएंस ऑफ इंस्टीट्यूशनल अरेंजमेंट्स ऑन ऑन साईट रिसाईक्लिंग एंड रियूज प्रक्रिट्स ऑफ सीएंडडी वेर्स्ट'', प्रोसिडिंग्स ऑफ द इंटरनेशनल एचआईएसईआर कांफ्रेंस ऑन एडवांस्ड

इन रिसाईकिलंग एंड मैनेजमेंट ऑफ कंस्ट्रक्शन एंड डिमोलियशन वास्ट, डेल्फिट यूनिवर्सिटी ऑफ टैक्नोलॉजी, डेल्फिट, द नीदरलैंड, 21-23 जून, 2017, पेज नं. 327-331

- वी. जी. राम. ए. महालिंगम, एंड **के. एन. सत्यनारायणा**, ''इंस्टीट्यूशनल बिहांड द डिफयुजन ऑफ सीएंडडी वास्ट रिसाईकिलंग प्रेक्टिस'', प्रोसिडिंग्स ऑफ द 15वां इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट आर्गेनाइजेशन कांफ्रेंस विथ 5वां इंटरनेशनल मेगाप्रोजेक्ट वर्कशॉप, स्टेनफोर्ड सिरिया कैम्प, कैलीफोर्निया, 5-7 जून, 2017

कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी

- वी. भला, के. गर्ग, एस. एस. सेल्वी, **वी. बादरला**, डी. फुल्वानी, वी. खुल्लर, एम.एम. राव, ए. चक्रपानी. एस. कृष्णन एंड एच. त्यागी., ''यूटीलिजेशन ऑफ नैनोप्रॉटिस-बेस्ड सोलर एनर्जी सिस्टम फॉर इम्प्रिंग द ओवरऑल एनर्जी इफिसियेंसी ऑफ ब्लिडिंग्स'', सेकेण्ड इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन सस्टेनेबल एनर्जी एंड एनवायरनमेंटल चैलेंज (एसईसी-2018), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साईंस (आईआईएस), बंगलौर, 1-3 जनवरी 2018
- जी. वी. आर. जे. साई प्रसाद, **एस. चिमलकोंडा**, एंड वेंकेटेस चौप्पेला, ''टोवाईस ए डोमेन-स्पेसिफिक लैंग्वैज फॉर द रिनरेशन ऑफ वेब पेज'', इन प्रोसिडिंग्स ऑफ द 11वां इन्नावेशन इन साफ्टवेयर इंजीनियरिंग कांफ्रेंस, एसीएम, 9-10 फरवरी 2018
- जी. वी. आर. जे. साई प्रसाद, **एस. चिमलकोंडा**, एंड वेंकेटेस चौप्पेला, ''ए स्टाइल सीट्स बेस्ड एप्रोच फॉर सेमेंटिक ट्रॉसफोर्मेशन ऑफ वेब पेज्स'', इन प्रोसिडिंग्स ऑफ द इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन डिस्ट्रिब्यूटेड कम्प्यूटिंग एंड इंटरनेट टैक्नोलॉजी, स्प्रिंगर, 11-13 जनवरी 2018
- वी. निधिन, एवन राठौड़, **वी. बादरला**, टिम हुमेनवर्म, एंड सेरेज गोरलाच, ''इफिसियेंट लोड बैलेंसिंग फॉर मल्टीकास्ट ट्रैफिक इन डाटा सेंटर नेटवर्क यूजिंग एसडीएन'', 10वां आई इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन कम्युनिकेशन सिस्टम एंड नेटवर्क (काम्सनेट), 3-7 जनवरी, 2018
- वी. शर्मा, आर. मुसारत, **एस. चिमलकोंडा**, एंड वाई. आर. रेड्डी, ''म्यूस: ए म्यूसिकली इंस्पायर्ड गेम टू टीच ऐरेयज एंड लिकड लिस्ट'', इन चेन, डब्ल्यू ईटी एशल ईड्स, 25वां इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन कम्प्यूटर्स इन एजुकेशन, एशिया-पैसिफिक सोसायटी फॉर कम्प्यूटर्स इन एजुकेशन, न्यूजीलैंड, 4-8 दिसम्बर, 2017

विद्युत अभियांत्रिकी

- अपर्णा, राहुल, एम. दीपक, एंड **आर. के. साई एस. गोर्थी**, ''इफेक्टिव डियोनाइजिंग विद नॉन-लोकल मीन्स फिल्टर फॉर रिलायबल अनरैपिंग ऑफ डिजिटल होलोग्राफिक इंटरफैरोमैट्रिक फ्रिग्स'', इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन कंप्यूटर विजन एंड इमेज प्रोसेसिंग' (सीवीआईपी-2017), आईआईटी रुड़की, 10-12 सितम्बर, 2017
- ए. जैन, दीपक एम. एंड **आर. के. साई एस. गोर्थी**, ''रोटेशन इवैरियंट डिजिट रिकोनिशन यूजिंग कॉनवाल्यशनल न्यूरल नेटवर्क'', इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन कंप्यूटर विजन एंड इमेज प्रोसेसिंग' (सीवीआईपी-2017), 10-12 सितम्बर, 2017
- ए. जैन, दीपक एम. एंड **आर. के. साई एस. गोर्थी**, ''स्टेकड फिचर्स बेस्ड सीएनएन फॉर रोटेशन इवैरियंट डिजिट क्लासीफिकेशन'', एन इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन पैटर्न रिकॉग्निशन एंड मशीन इंटैलीजेंस (पीआरईएमआई-2017), आईएसआई कोलकाता, 6-8 दिसम्बर, 2017
- बी. राजेश्वरी, श्रीवाल्सन, एन. आर. राव, एंड **आर. के. साई एस. गोर्थी**, ''बैच मोड एक्टिव लर्निंग बेस्ड सूपरपिक्सल लायब्रेरी जेनरेशन फॉर वेरी हाई-रिसोल्यूशन एरियल इमेज क्लासीफिकेशन'', आई वर्कशॉप ऑन इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन कम्प्यूटेशनल इंटैलीजेंस (आईसीसीआई), आईआईटी कानपुर, 5-6 दिसम्बर, 2017
- के. एस. काल्मडी, ए. एस. कामथ, जी. गोपाकुमार, **आर. के. साई. एस. गोर्थी** एंड गोर्थी साई सिवा, ''इम्प्रूव्ड ट्रांसफर लर्निंग थ्रू शैलो नेटवर्क इम्बेडिंग फॉर क्लासीफिकेशन ऑफ ल्यूकीमिया सेल्स'', 9वां इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन एडवांस इन पैटर्न रिकॉग्निशन, आईएसआई बंगलौर, 27-30 दिसम्बर, 2017

- एल. राजत, सिद्धार्थ, **आर. के. साई. एस. गोर्थी** एंड एम. दीपक, ''रोटेशन एडेप्टिव विजुअल ऑब्जेक्ट ट्रैकिंग विथ मोशन कॉन्सिस्टेंशी'', 8 आई विंटर कांफ्रेस ऑन एप्लीकेशन ऑफ कंप्यूटर विजन (डब्ल्यूएसीवी), हार्वेस केसिनो इन लेक थाओइ, एनवी/सीए, यूएसए मार्च, 2018
- एम. मडालसा, एम. टापस, एन. आर. राव, एम. दीपक, एंड **आर. के. साई एस. गोर्थी**, ''बायसिन एप्रोच फॉर लैंडस्लाइड आइडेंटिफिकेशन फ्राम हाई रेजोल्यूशन सेटेलाइट इमेज'', इंटरनेशनल कांफ्रेस ऑन कम्प्यूटर विजन एंड इमेज प्रोसेसिंग (सीवीआईपी-2017), 10-12 सितम्बर, 2017
- के. मोनिका, आर. शिवा, एंड **आर. के. साई एस. गोर्थी**, ''स्टोचेस्टिक एसिमिलेशन टेक्निक फॉर क्लाउड मोशन एनालियसिस'', इंटरनेशनल कांफ्रेस ऑन कम्प्यूटर विजन एंड इमेज प्रोसेसिंग' (सीवीआईपी-2017), आईआईटी रुड़की, 10-12 सितम्बर, 2017
- वी. पल्लवी, एम. दीपक, एंड **आर. के. साई एस. गोर्थी**, ''द विजुअल ऑब्जेक्ट ट्रैकिंग वीओटी 2017 चैलेंज रिजल्ट्स'', आई इंटरनेशनल कांफ्रेस ऑन कम्प्यूटर विजन (आईसीसीवी) वर्कशॉप, 22-29 अक्टूबर 2017, पीपी 1949-1972
- एस. पिनाकी, एम. दीपक, एंड **आर. के. साई एस. गोर्थी**, ''क्लासीफिकेशन ऑफ ब्रेस्ट मेसस यूजिंग कॉनवाल्यूशनल न्यूरल नेटवर्क एंड फीचर एक्ट्रैक्टर एंड क्लासीफायर'', इंटरनेशनल कांफ्रेस ऑन कम्प्यूटर विजन एंड इमेज प्रोसेसिंग' (सीवीआईपी-2017), आईआईटी रुड़की, 10-12 सितम्बर, 2017
- एस. पिनाकी, एम. दीपक, एंड **आर. के. साई एस. गोर्थी**, ''इम्प्रविंग आइसोलेटेट बांग्ला कम्पाउंड कैरेक्टर रिकोकीनेशन थू फीचर-मैप एलाईगमेंट'', 9वां इंटरनेशनल कांफ्रेस ऑन एडवांस इन पैटर्न रिकोग्निशन, आईएसआई बंगलौर, 27-30 दिसम्बर, 2017
- पिनाकी एस., एम दीपक एंड **आर. के. साई एस. गोर्थी**, ''ऑटोमेटिक एटेंडेंस सिस्टम यूजिंग डीप लर्निंग फ्रेमवर्क'', इंटरनेशनल कांफ्रेस ऑन मशीन इंटेलीजेंस एंड सिग्नल प्रोसेसिंग, आईआईटी इंदौर, 22-24 दिसम्बर, 2017
- बी. राजेश्वरी, एन. आर. राव एंड **आर. के. साई एस. गोर्थी**, ''लर्निंग बेर्स्ड फज्जी फ्यूसन ऑफ मल्टीपल क्लासीफायर फॉर आब्जेक्ट ओरियेंटेड क्लासीफिकेशन ऑफ हाई रेजोल्यूशन इमेज'', इंटरनेशनल कांफ्रेस ऑन कम्प्यूटर विजन एंड इमेज प्रोसेसिंग' (सीवीआईपी-2017), आईआईटी रुड़की, 10-12 सितम्बर, 2017
- एन. मुखर्जी, एन. सुदर्शन, **के. पी. नवीन** एंड बी. रविन्द्रन, ''इफिसियेंट-यूसीबीवी: एन अल्मोस्ट आप्टिमल एल्गोरिद्धम यूसिंग वैरियंस एस्टीमेट्स'', एएआई'18, द 32वां एएआई कांफ्रेस ऑन आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, न्यू आर्लन्स, यूएसए, 02-07 फरवरी 2018

यांत्रिक अभियांत्रिकी

- **ई. अनिल कुमार**, धन्नजय मिश्रा, एंड वी. के. शर्मा, ''इस्टीमेशन ऑफ इंथलपे ऑफ फोर्मेशन ऑफ मेटल हाइड्राइड्स- इफेक्ट ऑफ डिफरेंट मेजरमेंट पैरामीटर'', 6ठा इंटरनेशनल कांफ्रेस आन एडवांस इन एनर्जी रिसर्च, आईआईटी बाम्बे, मुम्बई, 12-14 दिसम्बर 2017
- एस. के. सिंह एंड **ई. अनिल कुमार**, ''सरफेस रिमॉडलिंग ऑफ जियोलाइट 5ए फॉर सीओ₂ केप्चर: ए केस स्टडी'', 6ठा इंटरनेशनल कांफ्रेस आन एडवांस इन एनर्जी रिसर्च (आईसीईआर 2017) आईआईटी बाम्बे, मुम्बई, 12-14 दिसम्बर 2017
- टी. कुमार, **डी.वी. किरन**, एंड नवनीत एरोरा, ''प्रोविंग द इंल्फ्यूंस ऑफ वेल्डिंग करंट एंड फिलर वायर इंक्लाइनेशन ऑन द टेम्प्रेचर डिस्ट्रीब्यूशन इन एल्युमिनियम एंड स्टील जोइनिंग'', इंटरनेशनल कांफ्रेस ऑन एडवांस्ड इन मटेरियल्स एंड प्रोसेसिंग: चैलेंज एंड आपूच्यूनिटिज, आईआईटी रुड़की, 1 दिसम्बर 2017
- वी.के सिंह, एंड **ई. अनिल कुमार**, ''ईस्टीमेशन ऑफ थर्मोडायनामिक प्रोपर्टिज ऑफ सीओ₂ एब्जॉर्प्शन ऑन एक्टीवेटेड कार्बन'', 6ठा इंटरनेशनल कांफ्रेस आन एडवांस इन एनर्जी रिसर्च (आईसीईआर 2017) आईआईटी बाम्बे, मुम्बई, 12-14 दिसम्बर 2017

रसायन विज्ञान

- **ए.के. मना,** एस. आर. अबरामसन, ए.एम. रिले, ए. काटचेंको, जे.बी. नियेटन, एंड एल. क्रोनिक, ''व्हानटिटिव प्रिडिक्शन ऑफ ऑप्टिकल एबजोर्पेशन इन मॉल्युकुलर सोलिङ्स फ्राम एन ऑप्टिमली-ट्यून्ड स्क्रीन्ड रेंज-सेपरेटड हाइब्रिड फक्शनल'' जेएनसीएसआर-12सीएम एनर्जी स्कूल, बंगलौर, 27 नवम्बर-2 दिसम्बर, 2017

भौतिकी

- ए. गणेशन, **पी. सी. देशमुख,** ए. एस. खेफट्स वी. के. डोलमोटोव, एंड एस. टी मॉनसन, ''फोटोनाइजेशन टाइम डिले इन एटॉमिक बैरियम'', 30वां इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन फोटोनिक, इलैक्ट्रानिक एंड एटॉमिक कोलिसन (आईसीपीईएसी एक्सएक्सएक्स) कैरिन्स, आस्ट्रैलिया, 26 जुलाई-1 अगस्त, 2017
- ए. मंडल, **पी. सी. देशमुख,** ए. एस. खेफट्स वी. के. डोलमोटोव, एंड एस. टी मॉनसन, ''एंगुलर डिपेंडेंस ऑफ विग्रेर-इसेनवड-स्मिथ टाइम डिले इन फोटोनाइजेशन: ए केस स्टडी ऑन 4एफ सबशैल ऑफ एटॉमिक मरकरी'', 30वां इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन फोटोनिक, इलैक्ट्रानिक एंड एटॉमिक कोलिसन (आईसीपीईएसी एक्सएक्सएक्स) कैरिन्स, आस्ट्रैलिया, 26 जुलाई-1 अगस्त, 2017
- ए. मंडल, **पी. सी. देशमुख,** ए. एस. खेफट्स वी. के. डोलमोटोव, एंड एस. टी मॉनसन, ''कन्फाईनमेंट इफेक्ट्स एंड एंगुलर डिपेंडेंस ऑफ विग्रेर-इसेनवड-स्मिथ टाइम डिले'', 30वां इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन फोटोनिक, इलैक्ट्रानिक एंड एटॉमिक कोलिसन (आईसीपीईएसी एक्सएक्सएक्स) कैरिन्स, आस्ट्रैलिया, 26 जुलाई-1 अगस्त, 2017
- एस. बनर्जी, **पी. सी. देशमुख,** ए. एस. खेफट्स, वी. के. डोलमोटोव, एंड एस. टी मॉनसन, ''स्टडी ऑफ एंगुलर डिपेंडेंस ऑफ फोटोनाइजेशन टाइम डिले इन एनडी एफ चैनल जिंक कैडमियम एंड पारा युजिंग आरआरपीए'', 30वां इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन फोटोनिक, इलैक्ट्रानिक एंड एटॉमिक कोलिसन (आईसीपीईएसी एक्सएक्सएक्स) कैरिन्स, आस्ट्रैलिया, 26 जुलाई-1 अगस्त, 2017

गणित

- **श्रीजननी ए. पी.** एंड जी.पी. कपूर, ''इंटरपोलेशन ऑफ हाइब्रिड स्ट्रक्चर यूजिंग फ्रेक्टल थ्योरी'', 83वां ऐन्युल कांफ्रेंस ऑफ आईएएस-एन इंटरनेशनल मीट, श्री वैकेटश्वरा यूनिवर्सिटी, तिरुपति, 12-15 दिसम्बर 2017
- एस. मुखोपाध्याय, एंड **आई. दास,** ''रोबस्ट डिजाइन फॉर मल्टीनोमियल रेसपोंस मॉडल: ए मेथड ऑफ सलेक्टिंग ऑप्टिमल डिजाइन फॉर मल्टीवेरियट सेप्यियल एक्सप्रेरीमेंट्स'', इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन चेंजिंग पैराडाइम एंड इमर्जिंग चैलेंज इन स्टेटिस्टिकल साईंस (आईपीईसीएस-2018), डिपार्टमेंट ऑफ स्टैटिस्टिक्स, पांडीचेरी यूनिवर्सिटी, पांडीचेरी, 29-31 जनवरी 2018

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान

- **ए. रघुरामराजू,** ''एल्टरेनेटिव मॉडरनिटी एंड रेलिजिओ-पॉल्टीकल फिलोसफी ऑफ एम.के. गांधी'', एन इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑफ सेक्यूलर रिलिजिओस्टी एंड रिलिजियस सेक्यूलैरिटी: रिथिकिंग द एशियन एजेंसी इन द शैपिंग ऑफ मॉडरनिटी, आर्गेनाइज्ड वाई यू-पीएआरएल, यूनिवर्सिटी आफ टोक्यो, जापान, 09 मार्च, 2018
- **ए. रघुरामराजू,** ''कम्यूनेटिंग डेथ: डेलेयूज गुट्टारी एंड श्री अरविन्दोज़ सावित्री'', प्लीनरी लेक्चर ऐट एन इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन कंटम्परेरी कम्युनिकेशन कल्चर: कंट्रोल एंड बिकमिंग, यूनिवर्सिटी ऑफ मद्रास, चैन्नई, 16-17 फरवरी, 2018
- **सी. एस. बाहिनीपति** एंड पी.के. विश्वनाथन, ''केन वाईड डिफ्यूसन ऑफ रिसोर्स इफिसियेंट टेक्नोलॉजिज रेड्यूस ग्राउंडवाटर यूटेलाइजेशन? इविडेंस फ्राम वाटर स्केयर्स रिजन ऑफ गुजरात, इंडिया'', 15वां जीएलओबीईएलआईसीएस इंटरनेशनल कांफ्रेंस, एथेंस, ग्रीस, 11-13 अक्टूबर, 2017
- **सी. एस. बाहिनीपति** एंड पी.के. विश्वनाथन, ''इंसेंटीवाइजिंग रिसोर्स इफिसियेंट टेक्नोलॉजिज इन इंडिया: इविडेंस फ्राम एडोप्शन ऑफ माइक्रो-इरिगेशन इन डार्क-जोन रिजन ऑफ गुजरात'', नाबार्ड चेयर इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनोमिक ग्रोथ सेमीनार, दिल्ली, 8-9 मार्च 2018

- **सी. एस. बाहिनीपति** एंड यू. पटनायक, ''केन इनक्रिजिंग हूमन डेवलपमेंट एंड इनकम रेझूस इम्पैक्ट फ्राम नेचुरल डिजास्टर ? इम्पीरिकल इविंडेंस फॉर फ्लयूइस इन इंडिया'', आईएनएसई-केआईएलए, एन इंटरनेशनल कांफ्रेंस, केरल इंस्टीट्यूट ऑफ लोकल एडमिनिस्ट्रेशन (केआईएलए), थिरुस्सुर, 8-10 नवम्बर 2017
- **सी. एस. बाहिनीपति**, ''लॉस एंड डेमेज फ्राम क्लार्इमेट रिलेटेड इवेंट्स इन ओडिशा: स्टेट्स, इस्यूस एंड चैलेंज'', नेशनल कांफ्रेंस ऑन 'ट्रांसफोर्मिंग ओडिशा: पॉलिसीज, इंस्टीट्यूशन एंड इन्नोवेशन', भुवनेश्वर, 3-4 मार्च 2018
- के.एस.के. कुमार, एंड **सी.एस. बाहिनीपति**, ''लॉस डेमेज फ्राम क्लार्इमेट-रिलेटेड इवेंट्स: केस स्टडी ऑफ तमिलनाडु, इंडिया'', छठा मद्रास स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स सेमिनार रीट्रीट, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ तमिलनाडु, थिरुवरुर, 17-18 जनवरी, 2018
- **पी. एस. द्विवेदी**, ''इनवायरनमेंटल फिलोसफी एंड उत्तररामचरित'', आईसीपीआर स्पोन्सर्ड नेशनल कांफ्रेंस ऑन फिलॉसॉफिकल थॉट्स इन संस्कृत ड्रामा लिटरेचर, कर्नाटक संस्कृत यूनिवर्सिटी, बंगलौर, 27-28 मार्च, 2018
- **पी. एस. द्विवेदी**, ''हिन्दुइज्म एंड कंटम्परेरी इंडिया: टूर्वर्ड डाइलेक्टिक्स ऑफ ट्रैडेशन, मॉडरनिटी एंड वेस्टरनाइजेशन'', इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन आईडिया ऑफ हार्मोनियस कोएग्जिस्टेंस: रिलेजन एंड फिलोसिफीज ऑफ इंडिया, आर्गेनाइज्ड वाई जेएनयू इन कोलाबोरेशन विथ क्यूजेएसपी ऐट जेएनयू, नई दिल्ली, 27-28 दिसम्बर, 2017
- **पी. एस. द्विवेदी**, ''मैटाफिजिक्स ऑफ क्लेश्चन: ए स्टडी इन रिलेशन टू कैनापनिषद, प्रश्नोपनिक, बर्गसन, एंड डेलेयूज'', इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन कंटम्परेरी कल्चर, कंट्रोल्स एंड बिकमिंग्स, यूनिवर्सिटी ऑफ मद्रास, चैन्नई, 16-17 फरवरी, 2018
- **पी. एस. द्विवेदी**, ''वर्चुअल रियालिटी वर्सस रियल वर्चुअल्टी: ए स्टडी इन रिलेशन टू कन्करेंस, कस्टेमाइजेशन एंड कोरेलेशन'', इंटरनेशनल सेमिनार ऑन टैक्नोलॉजी, रिलेजन एंड कल्चरल आईडेंडिटी: एन एक्सप्लोरेशन फ्राम कम्परेटिव मल्टी-पोलर पर्सपेक्टिव, आर्गेनाइज्ड वाई द यूनिवर्सिटी ऑफ मद्रास इन कोलाबोरेशन विथ युनिवर्सिटी ऑफ बेलग्रेड, सर्बिया, ऐट यूनिवर्सिटी ऑफ मद्रास, चैन्नई, 13-14 दिसम्बर, 2017
- यू. पटनायक, पी. के. दास एंड **सी. एस. बाहिनीपति**, ''इफैक्ट ऑफ रूरल लिवलिहुड प्रोजेक्ट ऑन एडेप्शन डिसिजन एंड फॉर्मर्स' वेलबिंग इन वेस्टर्न ओडिशा, इंडिया, एप्लीकेशन ऑफ एन इंडोजिनियस स्विचिंग रिप्रेशन'', पांचवां नेशनल कांफ्रेंस ऑफ नेटवर्क ऑफ रूरल एंड एग्रियन स्टेडीज ऑन एग्रियन ट्रांसिशन एंड रूरल-अर्बन लिंकेज इन इंडिया इन 21वीं सेंचुरी, नबाकुशना सेंटर फॉर डवलपमेंट स्टेडीज, भुवनेश्वर, 27-29 अक्टूबर 2017

5.3 आईआईटीटी के प्राध्यापक सदस्यों द्वारा प्रदत्त व्याख्यान

सिविल अभियांत्रिकी

- **ए. गांगुली**: ''नॉन-डेस्क्राक्टिव एवेल्युशन ऑफ कॉकीरिट थू अल्ट्रासोनिक एरे-बेस्ड इमेजिंग'' लूँगा बिंदा मेमोरियल वर्कशॉप ऑन नॉन डेस्क्राक्टिव टेस्टिंग एंड सेफ्टी एसेसमेंट ऑफ आरसी एंड मेसोनरी स्ट्रक्चर, आरआईएलईएम वीक, आईआईटी मद्रास, चैन्नई, 3-8 सितम्बर, 2017
- **के. पी. बिलिगिरी**: ''इफैक्ट ऑफ एग्रेट ग्रेडेशन ऑन रूटिंग परफॉर्मेंश ऑफ अस्फाल्ट-रब्बर गेप ग्रेडेड मिक्सर'' इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन एडवांस इन कंस्ट्रक्शन मटेरियल्स एंड सिस्टम, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी मद्रास, चैन्नई, आरआईएलईएम 2017, 5-6 सितम्बर, 2017
- **के. पी. बिलिगिरी**: ''एनर्जी इफिसियेंट एंड क्लार्इमेट रेसिलियेंट मटेरियल्स एंड प्रोडक्ट्स'' सेमिनार ऑन सस्टेनेबल डवलपमेंट ऑफ रोड इंफ्रास्ट्रक्चर आर्गेनाइज्ड वाई रोड्स एंड बिलिंग्स डिपार्टमेंट, गवर्नेंमेंट ऑफ गुजरात, इन कोलाबोरेशन विथ डिलोइट टच थोमात्सु इंडिया एलएलपी, सपोर्टेड बाई द वर्ल्ड बैंक, होटल नारायणी, गांधीनगर, गुजरात, 18-20 जनवरी, 2018
- **के. पी. बिलिगिरी**: ''रेलीवेंस एंड नीड फॉर एक्सपैडिंग यूस ऑफ ओल्ड टायर्स इन रोड्स'' पेनल डिस्कसन आर्गेनाइज्ड वाई चिंतन एनवायरोमेन्टल रिसर्च एंड एक्शन ग्रुप, इंडियन इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली, 28 फरवरी, 2018

- **के. पी. बिलिगिरी:** ''स्मार्ट पेवमेंट टैक्नोलॉजीज – विजन फॉर सस्टेनेबल ट्रांसपोर्टेशन इंफ्रास्ट्रक्चर'' स्पोन्सर्ड वाई म्यूनिसिपल कारपोरेशन ऑफ तिरुपति एंड स्मार्ट सिटी कांउसिल, म्यूनिसिपल कारपोरेशन ऑफ तिरुपति, तिरुपति, 11 अक्टूबर, 2017
- **के. पी. बिलिगिरी:** ''स्मार्ट पेवमेंट टैक्नोलॉजीज – विजन फॉर सस्टेनेबल ट्रांसपोर्टेशन इंफ्रास्ट्रक्चर'' स्पोन्सर्ड वाई आंध्र प्रदेश रोड ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन, एपीआरटीसी रोड्स एंड बिल्डिंग्स डिपार्टमेंट, विजयवाडा, 9 अक्टूबर 2017
- **के. पी. बिलिगिरी:** ''सस्टेनेबल एंड स्मार्ट पेवमेंट टैक्नोलॉजीज: विजन फॉर फ्यूचर'' टू-डे वर्कशॉप ऑन रिसेंट ट्रैड्स इन द फील्ड ऑफ ट्रांसपोर्टेशन इंजीनियरिंग, आर्गेनाइज्ड वाई डिपार्टमेंट ऑफ सिविल इंजीनियरिंग, बाप्टला इंजीनियरिंग कॉलेज, आंध्र प्रदेश, 17 फरवरी, 2018
- **के. पी. बिलिगिरी:** ''सस्टेनेबल रोडवे इंफ्रास्ट्रक्चर-सोल्यूशन फॉर स्मार्ट सिटिज'' इंडिया-ईयू डॉयलॉग स्मार्ट सिटिज: सस्टेनेबल अर्बनाइज़ेशन, आर्गेनाइज्ड बाई हीडिलबर्ग यूनिवर्सिटी, डेलीगेशन ऑफ द ईयू टू इंडिया, ओआरएफ, बैइंड इन कोलाब्रेशन विथ एसपीए, सीएनआरएस, जीआईजेड एंड इंडो-जर्मन चैम्बर ऑफ कॉमर्स, सपोर्टेड वाई फ्रेडरिच नौमन्न स्टिफिंग फुर डाई फेरीहेट, ताज गेटवे होटल, बंगलौर, 14 अक्टूबर 2017
- **प्रसन्ना वी. संपथ:** ''अंडरस्टैंडिंग फैन हाइड्रोलॉजी: ए डाटा-इंटेनसिव ग्राउंडवाटर मॉडलिंग एप्रोच'' आईआईएसईआर तिरुपति, 6 सितम्बर, 2017
- **एस. एम. मेलिएक्कल:** ''ए सस्टेनेबल सोल्यूशन फॉर प्वाइंट ऑफ यूस ट्रीटमेंट ऑफ वाटर'' ए नेशनल कांफ्रेंस ऑन सस्टेनेबल क्लीन वाटर टैक्नोलॉजी, एससीडब्लयूटी17, बी.एस. अब्दुर रहमान क्रीसेंट यूनिवर्सिटी, चैन्नई, तमिलनाडु, 21 सितम्बर, 2018

कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी

- **जी. रामकृष्णा:** ''डिजाईन एंड एनालिसिस ऑफ एल्गोरिदम्स्'' चाडालवाडा रमनमा इंजिनियरिंग कॉलेज, तिरुपति, 3 मार्च, 2018
- **जी. रामकृष्णा:** ''ग्राफ एल्गोरिथम्'' नारायण इंजीनियरिंग कॉलेज, नैलोर, 23 दिसम्बर, 2017
- **वी. महेन्द्रन:** ''बफर डिमनसिनिंग ऑफ रॉउटिंग नोड्स इन डिले-टोलरेंट नेटवर्क'' आई डे सेलीबेशन, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टैक्नोलॉजीज, त्रिवेंद्रम, 13 अक्टूबर, 2017
- **वी. आर. बादरला:** ''साफ्टवेयर डिफाईड नेटवर्किंग'' आईआईटी मंडी, 3 अक्टूबर, 2017
- **वी. आर. बादरला:** ''द इस्यूज ऑफ पीएच.डी स्टूडेंट्स- सूपरवाइजर पर्सपेक्टिव'' एनआईटी त्रिची, 27 दिसम्बर, 2017
- **वाई. कालीदास:** आर्टिफिशयल इंटेलीजेंस एल्गोरिथम एंड एप्लीकेशन फॉर बॉयोइंफोमेटिक्स'' 7वां नेशनल सेमीनार ऑन बॉयोइंफोमेटिक्स, एसवीआईएमएस, तिरुपति, 15 मार्च, 2018
- **वाई. कालीदास:** ''आर्टिफिशयल इंटेलीजेंस एप्लीकेशन इन बॉयोमेडिकल इमेज प्रोसेसिंग एंड हैन्डसऑन वर्कशॉप'' आईसीएमआर-स्पोन्सर्ड नेशनल वर्कशॉप ऑन बॉयो-मेडिकल इमेजिंग एंड एनालिसिस विथ डीप लर्निंग टेक्निक, एसवीसीई, तिरुपति, 6 मार्च 2018
- **वाई. कालीदास:** ''इंट्रोडक्शन टू आर्टिफिशयल इंटेलीजेंस एल्गोरिथम एंड रिसर्च टोपिक्स'' साइनोस्योर टेक्निकल सिम्पोजियम, श्री वेंकेटेश्वर यूनिवर्सिटी, तिरुपति, 9 मार्च, 2018

विद्युत अभियांत्रिकी

- **के. पी. नवीन:** ''कोरगक्किसटेंस ऑफ एलटीई-अनलाइसेंस्ड एंड वाईफाई: एन ऑक्शन थ्योरिटिक एप्रोच'' प्रथम यूके-इंडिया डीएसटी- यूकेआईआरआई वर्कशॉप ऑन 5जी एंड वियोंड वॉयरलैस नेटवर्क, इंदौर, 05 जनवरी 2018
- **आर. के. साई एस. गोर्थी:** ''आर्टिफिशयल न्यूरल नेटवर्क'' चाडालवाडा रमनमा इंजिनियरिंग कॉलेज, तिरुपति, 12 मार्च 2018

- **आर. के. साई एस. गोर्थी:** ''नॉन-डेस्ट्रक्टिव इवाल्युशन ऑफ कंक्रीट थू अल्ट्रासोनिक एरे बेस्ड इमेजिंग'' ल्युगिया बिंदा मेमोरियल वर्कशॉप ऑन नॉन-डिस्ट्रक्टिव टेस्टिंग एंड सेफ्टी असेसमेंट ऑफ आरसी एंड मासोनरी स्ट्रक्चर, आरआईएलईएम वीक, आईआईटी मद्रास, चैन्नई, 3-8 सितम्बर 2017
- **आर. के. साई एस. गोर्थी:** ''रिसेंट ट्रेंज़स इन मेडिकल इमेज अनालिसिस एंड पैटर्न कलासीफिकेशन'' टू डेज' वर्कशॉप ऑन द मॉडलटीज एंड एनालिसिस ऑफ मेडिकल, श्री विद्यानिकेतन इंजीनियरिंग कॉलेज, तिरुपति, 23 फरवरी 2018

यांत्रिक अभियांत्रिकी

- **ई. अनिल कुमार:** ''इफैक्टिव थर्मल कंडक्टिविटी ऑफ मेटल हाइड्राईड बेझ्स: मेजरमेंट, सिमुलेशन एंड ऐयूमैटेशन'' हाइड्रोजीनियए एंड आईसीएनईआर थर्मल साइंस एंड इंजीनियरिंग डिविजन ज्याइंट रिसर्च सिम्पोजियम, क्यूसु यूनिवर्सिटी, फुक्यूका, जापान 2 फरवरी 2018
- **ई. अनिल कुमार:** ''मेटल हाइड्राइझस फॉर हाइड्रोजेन स्टोरेज एंड रिलेटेड एप्लीकेशन'' प्रीकांफ्रेंस वर्कशॉप ऑन हाइड्रोजेन स्टोरेज एज ए पार्ट ऑफ 6वां इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन एडवांस्ड इन एनर्जी रिसर्च, आईआईटी बाम्बे, मुम्बई, 11 दिसम्बर 2017

भौतिकी

- **आर. एस. मन्ना:** ''लॉ-डिमिनिसिनल फ्रस्ट्रेरड क्राण्टम मेग्रेट्स इन ट्राइएंगुलर एंड हनिकाम्ब लेटिक्स'', इंडियन एसोसिएशन ऑफ कल्टीवेशन साइंस (आईएसीएस), 18 दिसम्बर 2017

गणित

- **आई. दास:** ''स्टेटिक्स इन रियल लाईफ: प्रीडिक्ट योर हैपीनेंस'' ऑन द ओकेशन ऑफ द बथडि सेलीब्रेशन ऑफ द फादर ऑफ मॉर्डन स्टेटिस्क प्रो. आर. ए. फिशर, डिपार्टमेंट ऑफ स्टेटिस्क, री वेकेटेश्वरा यूनिवर्सिटी, तिरुपति, 17 फरवरी 2018
- **श्रीजननी अनुराग प्रसाद:** ''स्टेबिलेटी ऑफ कोलस्केन हिड्डन-वेरयेबल इंटरपोलेशन सरफेस'' नेशनल मेथमेटिक्स डे, डिपार्टमेंट ऑफ मेथमेटिक्स, श्री वेकेटेश्वरा यूनिवर्सिटी, तिरुपति, 22 दिसम्बर, 2017
- **वी. राघवेंद्र:** ''पीयॉनस अक्सिम'' एंड ''भेन ऑल मैप्स आर 1:1 इफ एंड ओनली ओनटू'' बिट्स पिलानी, हैदराबाद कैम्पस, 14-15 सितम्बर, 2017

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान

- **ए. रघुरामराजू:** ''फ्राम नो वायलेंस टू नॉन-वॉयलेंस: इंडिया एप्रोप्रेट आंसवर टू यूनिक क्यूस्चन सेट वाई ब्रिटिश कोलोलिज्म'' एमआईएनडीएस, ओसाका, जापान, 6 मार्च 2018
- **ए. रघुरामराजू:** ''स्टेट ऑफ फिलोसफी इन इंडिया टूडे'' टू डेज नेशनल सेमिनार ऑन फिलोसफी: द इंटरनल अवॉकनर ऑफ हयुमिनेटी, डिपार्टमेंट ऑफ फिलोसफी, ओस्मानिया यूनिवर्सिटी, 29 मार्च 2018
- **ए. रघुरामराजू:** ''द इम्पैक्ट ऑफ हीलियोसेंट्रीक व्यू ऑन द राईस ऑफ एंथ्रोपोसेंट्रीक व्यू इन हयुमेनिटिस'' इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च, तिरुपति, 9 फरवरी 2018
- **ए. रघुरामराजू:** ''राइटिंग इंडिया'' एकेडमिक राइटिंग वर्कशॉप, डिपार्टमेंट ऑफ सोसियोलॉजी, यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद, 5-9 फरवरी 2018
- **सी. एस. बाहिनिपति:** ''इंट्रोडक्शन टू एनवायरनमेंटल इकोनोमिक्स'' डिपार्टमेंट ऑफ इकोनोमिक्स, नयागृह ऑटोनॉमस कॉलेज, ओडिशा, 3 मार्च 2018
- **सी. एस. बाहिनिपति:** प्रो. चंद्रशेखरन इंडोमेंट लेक्चर ऑन 'द इकोनोमिक्स ऑफ क्लाइमेंट चेंज' डिपार्टमेंट ऑफ इकोनोमिक्स, गर्वेनमेंट कॉलेज कासरगोड, केरल, 15 जनवरी, 2018

- **सी. एस. बाहिनिपति:** “द इफैक्ट्स ऑफ डबलपर्मेंट इंटरवेंशन ऑन एडेप्शन डिसिजन एंड फार्मरस वेलविंइग: इविंडेंस फ्रारम ड्राउट-प्रोन हाउसहोल्ड्स इन रुरल इंडिया” फ्लेम यूनिवर्सिटी, पुणे, 21 फरवरी 2018
- **पी. एस. द्विवेदी:** “लैग्वेज, लिग्युस्टिक एंड कम्युनिकेशन: टोवाईस अंडरस्टेडिंग द इंटेरेलेशन, कांकोमिटेंश, एंड सिमुलटेंटि” रिफेशर कोर्स इन हयुमेनेटिज, एचआरडीसी, एसवी यूनिवर्सिटी, तिरुपति, 12 जनवरी 2018
- **पी. एस. द्विवेदी:** “थ्योरी ऑफ रास: ए नोट थ्योरी एंड प्रेक्टिस” रिफेशर कोर्स इन हयुमेनेटिज, एचआरडीएस, एसवी यूनिवर्सिटी, तिरुपति, 13 जनवरी 2018
- **वी. वाम्शी के. रेड्डी:** “सिनेमा एज ए टेक्स्ट” रिफेशर कोर्स इन हयुमिनेटिज, एचआरडीसी, एसवी यूनिवर्सिटी, तिरुपति, 12 जनवरी 2018
- **वी. वाम्शी के. रेड्डी:** “कल्वरल स्टडिज् ऑज अ डिसिप्लीन” रिफेशर कोर्स इन हयुमिनेटिज, एचआरडीसी, एसवी यूनिवर्सिटी, तिरुपति, 13 जनवरी 2018

5.4 स्वीकृत परियोजनाएं

- **अभिजीत गांगुली:** मानव संसाधन विकास मंत्रालय और भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित “स्ट्रक्चर इंटीग्रेटिड सेंसर एंड एक्टुएटर टू मॉनीटर एंड रिन्यू मशीन टूल परफोर्मेंस” स्वीकृत राशि-24 लाख रुपए, मार्च 2017-फरवरी, 2020
- **ई. अनिल कुमार:** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्तपोषित, आईआईटी तिरुपति के नेतृत्व में और आईआईटी मुम्बई, आईआईटी गुवाहाटी और आईआईटी इंदौर के अंशदान द्वारा “रिवर्सीवल एल्कली मेटल बेर्स्ड हाइड्राइड्स फॉर हाई टेम्प्रेचर थर्मल एनर्जी स्टोरेज” स्वीकृत राशि-144.44 लाख रुपए, तीन वर्ष की अवधि के लिए, मार्च 2018
- **ई. अनिल कुमार:** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, एमएचआरडी तथा एमएनआरई द्वारा वित्तपोषित, आईआईटी मुम्बई के नेतृत्व में, आईआईटी तिरुपति, आईआईटी गुवाहाटी और आईआईटी रोपड़ के अंशदान द्वारा “डिजाइन, डबलपर्मेंट एंड डिमोन्स्ट्रेशन ऑफ इंडीजीनियस हाइड्रोजन स्टोरेज एंड फ्यूल शैल सिस्टम फॉर मोबाइल एंड स्टेशनरी एप्लीकेशन ऑफ 5केडब्ल्यू केपिसिटी” स्वीकृत राशि-400 लाख रुपए, 3 वर्ष के लिए, दिसम्बर, 2017
- **अरुण के. मन्ना:** डीएसटी इंस्पायर फैकल्टी प्रोग्राम द्वारा वित्तपोषित “मॉडलिंग हाई-थ्रूपुट मटिरियल फॉर ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक एंड चार्ज ट्रांसपोर्ट एप्लीकेशन: ट्रॉवर्ड बेटर सौलर सैल” स्वीकृत राशि-35 लाख रुपए, अवधि-अप्रैल 2017-मार्च, 2022
- **बी. कोटेश्वर राव:** डीएसटी इंस्पायर फैकल्टी प्रोग्राम द्वारा वित्तपोषित “इंवेस्टीगेशन ऑफ क्रांप्टम स्पिन लिक्षित एंड मल्टीफेराइक इन जियोमेट्रीकली फ्रेस्टरेटिड मेग्रेट” स्वीकृत राशि-35 लाख रुपए, अवधि-21 जनवरी, 2015-20 जनवरी, 2020 (टिप्पणी: यह हैदराबाद विश्वविद्यालय से आईआईटी तिरुपति को 3 जुलाई, 2017 से अंतरित परियोजना है)

5.5 पुरस्कार और उपलब्धियां

- **के. पी. बिलिगिरी:** प्रमुख अतिथि संपादक, परीक्षण एवं मूल्यांकन जर्नल, अमेरिकी परीक्षण एवं सामग्री अंतर्राष्ट्रीय सोसायटी, यूएसए में प्रमुख अतिथि संपादक, अक्टूबर 2017-वर्तमान
- **एस. चिमलकोंडा:** सह-संपादक, आई साफ्टवेयर ब्लॉग, सॉफ्टवेयर क्लालिटी एंड सॉफ्टवेयर रियूज
- **डी. पी. चल्ला:** “वेव प्रोपेगेशन वाई स्मॉल इन होमोजेनेटिक्स, एप्लीकेशन टू मेडिकल इमेजिंग, इफैक्टिव मिडियम थ्योरी एंड द थ्योरी ऑफ मेटा-मेटिरियल के संबंध में तीन वर्ष की अवधि के लिए डीएसटी एसईआरबी मैट्रिक्स (गणितीय शोध प्रभाव केंद्रित सहायता) प्रदत्त, दिसम्बर, 2017
- **ए. रघुरामराजु:** रिचर्ड मार्शल द्वारा थ्री: एम मैगजीन, रामचंद्र गांधी एंड कंटम्परेरी इंडियन फिलोसफी हेतु साक्षात्कार, 24 फरवरी, 2018

5.6 व्यावसायिक निकायों की सदस्यता

- **के. पी. बिलिगिरी:** अकादमिक सदस्य, पेमेंट विज्ञान एवं इंजीनियरिंग अकादमी, अक्टूबर, 2017-वर्तमान
- **के. पी. बिलिगिरी:** अंतराष्ट्रीय सदस्य, केमेटी एएफके50, अस्फाल्ट मिक्सचर की स्ट्रक्चरल आवश्यकताओं संबंधी स्थायी समिति, ट्रांसपोर्टेशन रिसर्च बोर्ड ऑफ द नेशनल अकेडमीज वाशिंगटन, डीसी, यूएस मार्च 2018-2021
- **के. पी. बिलिगिरी:** सदस्य, अमेरिकन सोसायटी ऑफ सिविल इंजीनियर्स, जनवरी, 2018-वर्तमान
- **के. पी. बिलिगिरी:** सदस्य, आरआईएलईएम, इंटरनेशनल यूनियन ऑफ लेब्रोरेटरीज एंड एक्सपर्ट इन कंस्ट्रक्शन मटेरियल, सिस्टम एंड स्ट्रक्चर, फ्रांस, सितम्बर, 2017-वर्तमान
- **एस. चिमलकोंडा:** सह-संपादक, आई साफ्टवेयर ब्लॉग, साफ्टवेयर क्लालिटी एंड साफ्टवेयर रियूज

5.7 विस्तार/पाठ्येतर गतिविधियां

- **एस. एम. मेलिएक्कल:** एम. टेक पदार्थण अभियांत्रिकी छात्रों, एनआईटी त्रिची के लिए मौखिक परीक्षा के संचालन हेतु बाह्य परीक्षक, 11 जनवरी, 2018
- **एस. एम. मेलिएक्कल:** विभागीय सलाहकार समिति, सिविल अभियांत्रिकी विभाग, कृष्णपुंम इंजीनियरिंग कॉलेज (केर्झी) की सदस्य, 7 दिसम्बर 2017
- **वी. बादरला, डॉ. वाई कालीदास और एस. चिमलकोंडा:** कम्प्यूटर विज्ञान और उत्साहवर्धक क्या बनाता है? आईआईटी तिरुपति में लगाभग 50 नवोदय स्कूल छात्रों के साथ एक इंटरेक्टिव सत्र, 29 जनवरी, 2018
- **एस. चिमलकोंडा:** कोर समिति, एशियन आईएसआईजीसीएसई का भाग हैं, विशेष रूचि समूह, कम्प्यूटर विज्ञान शिक्षा, अक्टूबर, 2017
- **एस. चिमलकोंडा:** वाईस चेयर (सोशल मीडिया एंड ग्लोबल आउटरीच), एशियन एसआईजीएसओएफटी के लिए, साफ्टवेयर इंजीनियरिंग में रूचि समूह, अप्रैल 2017
- **एस. चिमलकोंडा और वाई कालीदास:** टेक-2011: डिजिटल पेडागोगीज फॉर बिल्डिंग पीसफुल एंड सेस्टनेबल सोसायटीज, विशाखापट्टनम में भाग लिया, 16-18 दिसम्बर, 2017
- **आर. के. साई एस. गोर्थी:** आईआईएससी में ईसीई विभाग के ''डिजाइन डवलपमेंट, डिप्लोयमेंट एंड परफोर्मेंस इवेल्यूशन ऑफ पायरोइलैक्ट्रिक इंफ्रा-रेड ऑप्टीकल कैमरा बेस्ड इंट्रसन डिटेक्सन सिस्टमस इन ऐन ऑउटडोर सेटिंग'' पीएच.डी थिसीस के समीक्षक
- **आर. के. साई एस. गोर्थी:** आईआईएसटी में ''मशीन लर्निंग एंड कंप्यूटिंग'' विषय पर एम.टेक थीसिस मूल्यांकन हेतु बाह्य परीक्षक
- **आर. के. साई एस. गोर्थी:** जियो साईंस एंड रिमोट सेंसिंग, पेटर्न रेकग्रेशन लेटर संबंधी आई ट्रांजेक्शन के लिए समीक्षक, एलसी वियर, आई एक्सेस, आई सेंसर जर्नल, एप्लायड ऑप्टिक्स
- **आर. के. साई एस. गोर्थी:** एसपीसीओएम सम्मेलन के लिए समीक्षक, मार्च, 2018
- **दुर्गा प्रसाद चला:** इंवर्स प्रोबल्म ग्रुप, रेडॉन इंस्टीट्यूट (आरआईसीएम), लिंज, ऑस्ट्रिया में आंमत्रित शोधकर्ता, जून, 2017
- **ए. रघुरामराजु:** इथिक्स समिति, आईआईएसईआर तिरुपति के सदस्य, मार्च, 2018-फरवरी, 2019
- **चंद्रशेखर बाहिनिपति:** 15वें अंतराष्ट्रीय ग्लोबेलिक्स सम्मेलन, एथेंस, ग्रीस, के लिए समीक्षक, 11-13 अक्टूबर, 2017
- **चंद्रशेखर बाहिनिपति:** डाक्टोरल सलाहकार समिति, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण में शोध हेतु अशोका ट्रस्ट के सदस्य, बंगलौर, 27 सितम्बर, 2017

6.

आईआईटी तिरुपति द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन

पारस्परीक शैक्षणिक सहयोग एवं शोध गतिविधियों के पोषण के लिए अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विश्वविद्यालयों, शोध संस्थाओं और प्रयोगशालाओं तथा औद्योगिक संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापनों और शैक्षिक सहयोग को वरीयता दी जाती है। आईआईटी तिरुपति ने भारत और विदेशों में कई संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं जिनका उद्देश्य विभिन्न स्तरों पर पारस्परिक हितों हेतु जैसे कि प्राध्यापक सदस्यों, छात्रों और शोध कर्मचारियों के आदान-प्रदान दौरे, संयुक्त सम्मेलन और कार्यशालाएं तथा छात्र इंटर्नशिप संस्थागत सहयोग करना है।

नागाओका यूनिवर्सिटी ऑफ टैक्नोलॉजी, जापान

आईआईटी तिरुपति और डिपार्टमेंट ऑफ मैकेनिकल इंजीनियरिंग एंड डिपार्टमेंट ऑफ न्युक्लियर सिस्टम सेफ्टी इंजीनियरिंग, नागाओका यूनिवर्सिटी ऑफ टैक्नोलॉजी (एनयूटी), जापान ने 24 जनवरी, 2018 को परस्पर हित के क्षेत्रों में शैक्षिक एवं शोध गतिविधियों की उन्नति में योगदान देने के लिए दोनों संस्थाओं के बीच पारस्परिक समझ में वृद्धि करने हेतु एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू का उद्देश्य दोनों संस्थाओं के बीच शैक्षिक एवं शैक्षणिक सहयोग का संवर्धन करना तथा छात्रों, अकादमिक और शोध कर्मचारियों का आदान-प्रदान करना है।

वीनसजीओ/7आईक्यू

आईआईटी तिरुपति ने उत्पादन अभियांत्रिकी और आईओटी के लिए उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना हेतु वीनसजीओ/7आईक्यू के साथ 7 फरवरी, 2018 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। जिसमें स्मार्ट अवसंरचना, ऊर्जा, खाद्य विज्ञान और अभियांत्रिकी को शामिल करते हुए संस्थान द्वारा पहचाने गए कुछ प्रमुख क्षेत्रों में प्रयोग शामिल हैं। यह उत्कृष्टता केंद्र आईओटी के क्षेत्र में छात्रों को उत्पादों के डिजाइन, विकास और विनिर्माण में प्रशिक्षित करेगा।

सड़क एवं भवन विभाग, आंध्र प्रदेश सरकार

आईआईटी तिरुपति ने परिवहन अवंसरचना के पारस्परिक हित एवं संपर्कों के संवर्धन हेतु तथा सड़क एवं भवन विभाग तथा आईआईटी तिरुपति के बीच शोध एवं विकास हितों में वृद्धि के लिए 15 मार्च 2018 को सड़क एवं भवन (आर एंड बी) विभाग, आंध्र प्रदेश सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। सहयोग के मुख्य क्षेत्रों में शामिल परंतु इन तक सीमित नहीं: सेस्टनेबल रोडवे इंफ्रास्ट्रक्चर एवं सिस्टम इंजीनियरिंग।



शैक्षिक आयोजन

आईआईटी तिरुपति ने एक राष्ट्र स्तरीय कार्यशाला और एक सम्मेलन का आयोजन किया ताकि वे संस्थान के प्राध्यापक और छात्रों के समूचे भारत के विद्वानों के साथ संपर्क को सुकर बना सके। इसके अतिरिक्त आईआईटी तिरुपति के प्राध्यापक सदस्यों एवं छात्रों को लाभ हेतु संस्थान ने एक 3 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन किया। संस्थान ने नये शैक्षिक वर्ष के आरंभ में छात्रों के दूसरे बैच के संस्थान एवं पाठ्यचर्चा का सिंहावलोकन प्रदान करने हेतु एक शैक्षिक उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया।

7.1 शैक्षिक उन्मुखीकरण कार्यक्रम

संस्थान ने बी.टेक छात्रों के 2017–21 बैच के प्रवेश हेतु 31 जुलाई, 2017 को अपने तीसरे उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया। छात्रों और उनके अभिभावकों को शैक्षणिक कार्यक्रम तथा आईआईटी तिरुपति में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में बताया गया। इसके पश्चात संस्थान के निदेशक और अधिष्ठाता के साथ अभिभावकों के लिए इंटरेक्टिव सत्र का आयोजन किया गया।

छात्रों और उनके अभिभावकों को संबोधित करते हुए अधिष्ठाता, शैक्षिक मामले



7.2 फैकल्टी डिवेलपमेंट प्रोग्रेम

आईआईटी तिरुपति ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सहयोग से 3 से 6 दिसम्बर, 2017 तक एक फैकल्टी विकास कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन और शुभारंभ प्रो. राजीव संघल (निदेशक, आईआईटी बीएचयू) द्वारा किया गया और इसका संचालन प्रो. प्रदीप के. रमनचरला (आईआईआईटी हैदराबाद) द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में अन्य नए आईआईटी जैसे कि पालककड़, गोवा, भिलाई, के प्राध्यापक सदस्यों और साथ ही आईआईएसईआर तिरुपति, एनआईटी सूरतकल तथा अन्य विश्वविद्यालयों के प्राध्यापक सदस्यों ने भाग लिया।



प्राध्यापक विकास कार्यक्रम में उद्घाटन भाषण देते हुए प्रो. राजीव संघल (निदेशक, आईआईटी बीएचयू)

7.3 आयोजित कार्यशालाएं, सम्मेलन और संगोष्ठी

फंक्शनल विश्लेषण पर कार्यशाला

गणित विभाग, आईआईटी तिरुपति ने 11-23 दिसम्बर, 2017 को 'राष्ट्रीय उच्च गणित बोर्ड' के सहयोग से ''एडवान्स्ड ट्रेनिंग स्कूल ऑन फंक्शनल विश्लेषण फॉर टीचर्स एंड रिसर्च स्कॉलर्स'' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। कई प्रख्यात प्राध्यापकों को उनके व्याख्यान और वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया। आईआईटी मद्रास के प्रो. एस. एच. कुलकर्णी, प्रो. पी. वीरामणि और प्रो. एम. थम्मन नायर, रामानुजन गणित प्रोन्नत संस्थान, मद्रास विश्वविद्यालय के प्रो. के. पार्थसारथी; गणित विज्ञान संस्थान, चैन्नई के प्रो. एच. केशवन और आईआईटी हैदराबाद के डॉ. डी. सुकुमार ने फंक्शनल विश्लेषण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान दिये। आईआईटी तिरुपति के प्रो. वी. राघवेंद्र और डॉ. एस. राजेश ने भी कुछ व्याख्यान दिये।



कार्यशाला में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रो. वी. राघवेंद्र

आयोजित आईएसएमपी का 7वां टॉपिकल सम्मेलन

आईआईटी तिरुपति और आईआईएसईआर तिरुपति ने 6 और 8 जनवरी के बीच संयुक्त रूप से ''कंवाण्टम कोलीजन एंड कन्फाइनमेन्ट ऑफ एटोमिक एंड मालीक्यूलर स्पेसिज एंड फोटोन'' विषय पर भारतीय एटोमिक एंड मालीक्यूलर फिजिक्स सोसायटी के 7वें टॉपिकल सम्मेलन की मेजबानी की। भारत और विदेशों से लगभग 125 प्रतिनिधियों ने सम्मेलन में भाग लिया। ये सत्र आईआईटी तिरुपति और आईआईएसईआर तिरुपति दोनों में आयोजित किए गए।



सम्मेलन में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रो. पी.सी. देशमुख

7.4 वार्तालाप/आमंत्रित वार्ताएं

संस्थान अपने प्राध्यापक सदस्यों और छात्रों के लाभ हेतु विश्व भर से विद्वानों को विभिन्न विषयों पर विशेष वार्ताएं प्रदान करने के लिए आमंत्रित करता है। ऐसी आमंत्रित वार्ताओं की सूची नीचे दी गई है:

- **प्रो. जे. एन. रेड्डी,** टेक्सास ए. एंड एम. यूनिवर्सिटी में मैकेनिकल इंजीनियरिंग के रिजेंट प्रोफेसर ने 8 अगस्त, 2017 को ''न्यूमेरीकल सिमुलेशन इन इंजीनियरिंग: द थर्ड साइंटीफिक मेथडोलॉजी'' संबंधी एक वार्ता प्रदान की।



वार्ता प्रदान करते हुए प्रो. जे. एन. रेड्डी

■ **प्रो. रानी सदाशिवमूर्ति**, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति ने 9 अगस्त, 2017 को ''मैनेजमेंट इथोस-एनसिएंट इंडियन नॉलेज परस्पेक्टिव'' संबंधी एक विशेष व्याख्यान दिया।

- **चाजा मक्की**, कला स्नातक, अंतर्राष्ट्रीय संबंध और **एलिसा जेरेमिआ**, संचार, सार्वजनिक संबंध स्नातक, यूनिवर्सिटी ऑफ टैक्सास, ऑस्टिन ने 16 अगस्त, 2017 को ''एक्सएलआरएपी, ग्लोबल टेक्नोलॉजी बिजनेस एक्सीलिरेटर-शैक्षणिक, सांस्कृतिक और उद्यमिता पहलू में इंटरनॉशिप'' के बारे में अपना अनुभव साझा किया।
- **डॉ. बालाजी सुब्रह्मण्यम**, कैलीफोर्निया सांटा बारबरा यूनिवर्सिटी (यूसीएसवी) ने 28 अगस्त, 2017 को ''ड्रोन बेर्स्ट एक्सप्रेरीमेंटल इंवेस्टीगेशन ऑफ फ्लो राउंड मल्टी-एम्डब्ल्यू विंड फार्म इन फ्लैट एंड कंम्प्लैक्स टेरेन'' संबंधी एक वार्ता प्रदान की।
- **श्री एस. शंकरराज**, प्रॉम्पट इंफोटेक के एक प्रमाणित इथिकल हैकर, ने 30 अगस्त, 2017 को ''डिजिटल इंडिया जागरूकता कार्यक्रम'' संबंधित एक वार्ता प्रदान की।
- **डॉ. प्रवीनथन अरूमुगुम**, अरनेट, इंडिया के अपर निदेशक (आरएंडी) ने 9 सितम्बर, 2017 को ''इर्मिंग आईओटी ओपन स्टेंडर्ड और प्रोटोकॉल'' संबंधी एक वार्ता प्रदान की।
- **श्री एम. देशन्ना**, केंद्रीय शोध प्रयोगशाला (सीआरएल), भारत इलैक्ट्रॉनिक्स (बीईएल) बैंगलोर के एक वरिष्ठ शोध कर्मचारी, ने 11 अक्टूबर, 2017 को ''इंट्रोडक्शन टू टेक्निकल कम्युनिकेशन सिस्टम'' संबंधी एक वार्ता प्रदान की।
- **प्रो. ए. रघुरामराजु**, दर्शन विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय और आमंत्रित प्राध्यापक मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, आईआईटी तिरुपति ने 15 नवम्बर, 2017 को ''द आईडिया ऑफ महात्मा: इम्पिरियलिज्म टू इंडीपेंडेंस'' संबंधित एक वार्ता प्रदान की।
- **प्रो. मुडप्पा सीथारामागोडा**, गणित एवं सांख्यिकी विभाग, मेरीलैंड विश्वविद्यालय, बाल्टीमोर काउंटी ने 30 नवम्बर, 2017 को ''फाइनाईट डाइमेंशनल वेरिएशनल इक्वेलटीज



■ चाजा मक्की और एलिसा जेरिमिआ एक्सएलआरएपी के साथ अपनी इंटरनॉशिप के बारे में विचार-विमर्श करते हुए

एंड कंपलीमेंटरीटी प्राब्लम्स एंड एप्लीकेशन'' पर एक विशेष व्याख्यान दिया।

■ **प्रो. सुमन चक्रबर्ती**, यांत्रिकी अभियांत्रिकी, आईआईटी खड़गपुर ने 24 जनवरी, 2018 को ''माइक्रो फ्ल्यूड फॉर हैल्थ केयर'' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

■ **प्रो. जे. सेथुरमन**, सांख्यिकी विभाग, फ्लोरिडा विश्वविद्यालय ने 1 फरवरी, 2018 को ''स्टार्ट-ओवर-आफ्टर-प्री-ऐप्स्ट (एसओएपी) रिपेयर'' संबंधित एक वार्ता प्रदान की।

■ **प्रो. के. श्रीनिवासराव**, श्रीनिवासरामानुजन केंद्र, शस्त्र विश्वविद्यालय, तंजावुर में गणितीय विज्ञान के पहले प्रख्यात डीएसटी-रामानुजन प्राध्यापक ने 1 मार्च 2018 को ''रमन एंड रामानुजन'' संबंधी एक वार्ता प्रदान की।

■ **प्रो. बिस्वा दत्ता**, प्रख्यात शोध प्रध्यापक, नॉर्डन इलिनोई यूनिवर्सिटी, इलिनोई, यूएसए ने 18 जनवरी, 2018 को ''कम्प्यूटेशनल एंड ऑप्टीमाइजेशन मेथड्स फॉर क्रांडिक इंवर्स इजिनवेल्यू प्रोब्लम्स एराइजिंग इन मैकेनिकल वाइब्रेशन एंड स्ट्रक्चरल डायानामिक्स: लिकिंग मैथमेटिक्स टू इंडस्ट्री'' संबंधी एक वार्ता प्रदान की।

■ **प्रो. एस. लक्ष्मीवाहन**, जॉर्ज लेलिन क्रास रिसर्च प्रोफेसर, कम्प्यूटर विज्ञान, यूनिवर्सिटी ऑफ ओकलाहोमा, यूएसए ने 24 जनवरी, 2018 को ''डाटा माइनिंग, डाटा एसिमिलेशन एंड प्रीडिक्शन-पार्ट्स ऑफ ए कुंटीनम'' संबंधी एक वार्ता प्रदान की।

- **प्रो. एस. मोहन,** नैनो विज्ञान एवं अभियांत्रिकी केंद्र (सीईएनएसई) आईआईएससी बंगलौर ने 21 फरवरी, 2018 को “आईआईएससी बंगलौर में सीईएनएसई की सुविधाओं और आईआईटीटी के प्राध्यापक सदस्यों को उनके शोध के लिए केंद्र के साथ कैसे जोड़ा जा सकता है” के संबंध में प्राध्यापक सदस्यों के साथ वार्ता की।

7.5 इंडस्ट्रियल एवं फील्ड विजिट्स

ईसुजु और डेनिली का दौरा

तृतीय वर्ष, यांत्रिक अभियांत्रिकी के छात्रों ने 6 मार्च, 2018 को दो कंपनियों ईसुजु और डेनिली, श्रीसिटी का दौरा किया। डेनिली इंडिया लिमि. एक इस्पात उपकरण निर्माण उद्योग है जो मशीनरी एवं स्प्यर्स पार्ट्स का उत्पादन करती है। छात्रों को कुछ ऐसे महत्वपूर्ण ऑपरेशन देखने का अवसर प्राप्त हुआ जो बड़े एवं जटिल मशीन पुर्जों के फेब्रीकेशन, मशीनिंग और असम्बेली से संबंधित होते हैं।

ईसुजु मोटर्स इंडिया प्राइवेट लिमि. ऑटोमोबाइल (एयूवीएस) की प्रख्यात विनिर्माता कंपनी है। छात्रों ने उनके असम्बेली सेक्शन का दौरा किया और ईसुजु मोटर्स इंडिया लिमि. के इतिहास तथा वर्षों से लेकर अब तक इस उद्योग द्वारा निर्मित विभिन्न उत्पादों के बारे में संक्षिप्त वार्ता को सुना।



निर्माणाधीन अस्पताल का दौरा

सिविल अभियांत्रिकी के द्वितीय वर्ष के छात्रों ने 19 अगस्त 2017 को एक नेत्र अस्पताल (निर्माणाधीन) एनएच-71, तिरुपति का नींव के उपढांचे और प्रकार को समझने के लिए दौरा किया।



एयरपोर्ट का दौरा

सिविल अभियांत्रिकी के तृतीय वर्ष के छात्रों ने प्राध्यापक सदस्यों डॉ. जानकी रमेयथा और डॉ. बी. कृष्णा प्रपूर्णा के साथ 3 नवम्बर 2017 को तिरुपति अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का दौरा किया। छात्रों ने एयरपोर्ट में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं और इसके कार्यकरण के बारे में सीखा। छात्रों ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल रूम का दौरा भी किया।



■ तिरुपति हवाई अड्डे के एयर ट्रैफिक कंट्रोल रूम में आईआईटीटी के छात्र

पोलावरम परियोजना स्थल का दौरा

सिविल अभियांत्रिकी के तृतीय वर्ष के छात्रों ने प्राध्यापक सदस्यों जानकी रमेयथा और प्रसन्ना वी. सम्पत के साथ 2 दिसम्बर 2017 को राजमुंद्री के नजदीक के पोलावरम डैम परियोजना स्थल का दौरा किया। इस दौरे में छात्रों को अधोभूमि की परिस्थितियों द्वारा विभिन्न भू-तकनीकी चुनौतियों तथा अभियंताओं द्वारा अत्याधुनिक भारी उपकरणों का प्रयोग करते हुए इन चुनौतियों का सामना करने के लिए अपनाये जाने वाली पद्धतियों/तकनीकी को समझने का अवसर प्रदान किया। इसके अतिरिक्त छात्रों ने परियोजना स्थल पर निर्माणाधीन सुविधाओं अर्थात् कट-आफ-वॉल कंस्ट्रक्शन, वाइब्रोकॉम्पैक्शन तकनीक का प्रयोग करते हुए बालू का डैंसीफिकेशन और स्थल पर पोर दाब के माप के साथ कोन पेनीट्रेशन टेस्ट (सीपीटी) को समझा।



■ पोलावरम परियोजना स्थल पर आईआईटीटी के छात्र

रेलवे स्टेशन का दौरा

तृतीय वर्ष, सिविल अभियांत्रिकी के छात्रों ने प्राध्यापक सदस्यों डॉ. बी. कृष्णा प्रपूर्णा और डॉ. जानकी रमेयथा के साथ 12 फरवरी 2018 को रेनीगुंटा रेलवे स्टेशन का दौरा किया। यह पाठ्यक्रम ट्रांसपोर्टेशन इंजीनियरिंग-11 के भाग के रूप में आयोजित एक फ़िल्ड दौरा था।



वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का दौरा

सिविल अभियांत्रिकी के तृतीय वर्ष के छात्रों ने प्राध्यापक सदस्य डॉ. शिहाबूदीन एम. मेलिएक्कल के साथ 17 फरवरी 2018 को चैम्बरमबक्कम, चैन्नई में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का दौरा किया। छात्रों ने डब्ल्यूटीपी में सुविधाओं अर्थात् ऐरेशन सिस्टम क्लोरीनेशन टैंक, पल्सेटर क्लोरीफायर, सेडीमेंटेशन टैंक, सेंड बेड फॉर फिल्ट्रेशन, स्लज थिकनर, ट्रीटेड वाटर स्टोरेज टैंक, पप्पिंग ट्रीटेड वाटर हेतु पम्प हाउस का दौरा किया।



■ वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, चैम्बरमबक्कम, चैन्नई

सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का दौरा

सिविल अभियांत्रिकी के तृतीय वर्ष के छात्रों ने डॉ. शिहाबूदीन एम. मेलिएक्कल के साथ 17 फरवरी, 2018 को नेसापक्कम, चैन्नई में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का दौरा किया। उन्होंने प्लांट के निम्नलिखित घटकों को देखा और उनके कार्यकरण को समझने का प्रयास किया।

- स्क्रीन चैम्बर
- प्रिट चैम्बर
- प्राइमरी क्लोरीफायर
- ऐरेशन टैंक
- सेकेण्डरी क्लोरीफायर
- क्लोरीन कांटेक्ट टैंक
- स्लज थिकनर
- डाइजेरस्टर
- बायो गैस से सेंट्रीफ्यूज एंड पॉवर जनरेशन

यह उनके लिए सिवेज ट्रीटमेंट प्लांट और उसके विभिन्न घटकों के स्थल पर कार्यकरण की जानकारी प्राप्त करने के अवसर के रूप में एक गहन अनुभव था।



■ सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, नेसापक्कम, चैन्नई

8.

संस्थान के आयोजन

आईआईटी तिरुपति ने छात्रों को उनकी संगत शाखाओं में विशेषता के साथ उनके समग्र व्यक्तित्व का विकास करने का प्रचुर अवसर प्रदान करने के लिए कैम्पस में विभिन्न प्रकार के आयोजन किए। अपनी शुरुआत के तृतीय वर्ष में संस्थान ने बड़ी संख्या में विविध प्रकार के महत्वपूर्ण आयोजन किए। संस्थान ने 5 से अधिक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों तथा विभिन्न राज्यों के प्रतिष्ठित अभियांत्रिकी संस्थानों के पांच प्राध्यापक सदस्यों को अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विशेषज्ञों से सीखने का अवसर प्रदान करते हुए एक प्राध्यापक विकास कार्यक्रम का आयोजन और उसकी मेजबानी की। इसके अतिरिक्त संस्थान ने कैम्पस में स्पिकेट्रे के पहले प्रदर्शन का आयोजन किया। रिपोर्ट का यह खंड वर्ष 2017–18 के दौरान संस्थान द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी देता है।

द्वितीय संस्थान दिवस

आईआईटी तिरुपति ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. वी. एस. राजू (पूर्व निदेशक, आईआईटी दिल्ली) के साथ 7 अप्रैल 2017 को अपना द्वितीय संस्थान दिवस मनाया। इस आयोजन की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक द्वारा की गई। प्रतिभाशाली छात्रों को पुरस्कार दिए गए और यह इवेंट छात्रों द्वारा यादगार सांस्कृतिक प्रदर्शनों के साथ संपन्न हुआ। छात्रों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया और पुरस्कार वितरित किए गए। अंत में प्रो. के. कृष्णेय्या द्वारा धन्यवाद भाषण दिया गया।



छात्र सांस्कृतिक कार्यक्रमों और पुरस्कार वितरण का एक दृश्य

स्वतंत्रता दिवस

आईआईटी तिरुपति समुदाय ने स्वतंत्रता दिवस का आयोजन किया। ये आयोजन छात्रों द्वारा मार्च पास्ट के साथ आरंभ हुआ जिसके पश्चात निदेशक द्वारा ध्वजारोहण किया गया और राष्ट्रीय गान गाया गया। तत्पश्चात निदेशक ने छात्रों, प्राध्यापक सदस्यों और कर्मचारियों को संबोधित किया और आईआईटी की स्थापना के पीछे के दृष्टिकोण तथा राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को संपन्न बनाने में उनकी भूमिका को उजागर किया। ऑडीटोरियम में सांस्कृतिक कार्यक्रम सरस्वती वंदना के साथ आरंभ हुए। तृतीय वर्ष के छात्रों ने भ्रष्टाचार विषय पर एक व्यंग्यात्मक स्किट का प्रदर्शन किया। अभिव्यक्ति (विचार प्रस्तुति) ने प्राध्यापक सदस्यों और छात्रों को राष्ट्रीय हित के विभिन्न मुद्दों के संबंध में अपने विचारों को व्यक्त करने के लिए मंच प्रदान किया। यह कार्यक्रम प्रांजल शुक्ला, छात्र सचिव, शैक्षिक कार्य द्वारा धन्यवाद के साथ संपन्न हुआ।



■ स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

शिक्षक दिवस समारोह

प्रत्येक वर्ष के अनुसार आईआईटी तिरुपति ने प्रो. एस. राधाकृष्णन की जयंती मनाने के लिए 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस का आयोजन किया। इस आयोजन में प्रो. पी. एस. राव (पूर्व अधिष्ठाता, आईआईटी मद्रास) की उपस्थिति ने भव्यता बढ़ाई जिन्होंने आईआईटी तिरुपति के प्राध्यापक सदस्यों और छात्रों के साथ अपने गहन शैक्षिक अनुभव को साझा किया। यह इवेंट निदेशक द्वारा प्रो. पी. एस. राव को विदाई देने के साथ संपन्न हुआ।



■ प्रो. पी. एस. राव का स्वागत करते हुए निदेशक, आईआईटी तिरुपति

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

आईआईटी तिरुपति ने प्रस्ताव लेखन और पोर्स्टर मेकिंग प्रतियोगिताएं, विशेष व्याख्यान और एकता दौड़ जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करते हुए 30 अक्टूबर से 4 नवम्बर, 2017 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया। श्री ए. रविकृष्णा (आईपीएस), मुख्य सतर्कता एवं सुरक्षा अधिकारी, टीटीडी द्वारा “मेरा दृष्टिकोण-भ्रष्टाचार मुक्त भारत” विषय पर विशेष व्याख्यान दिया गया।



■ एक वार्ता प्रदान करते हुए श्री ए. रविकृष्णा (आईपीएस)

एकता के लिए दौड़-2017

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुपति ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर विभिन्न आयोजन किये, जो भारत जैसे विविधतापूर्ण देश को एकसूत्र में बांधने में सक्षम प्रयास के रूप में परिलक्षित हो रहे थे, का आयोजन करते हुए 31 अक्टूबर 2017 को राष्ट्रीय एकता दिवस (नेशनल यूनिटी डे) मनाया। संस्थान द्वारा 5 नवम्बर 2017 को रामानुजन सर्कल से आईआईटी तिरुपति के अस्थायी परिसर तक 'एकता के लिए दौड़' का आयोजन किया। प्रो. के. एन. सत्यनारायण, निदेशक, आईआईटी तिरुपति ने श्रीहरि किरण, निगम आयुक्त तिरुपति और प्रो. टी. एस. नटराजन, कुलसचिव, आईआईटी तिरुपति के साथ दौड़ का झण्डारोहण किया। निदेशक ने उत्साहित भीड़ को संबोधित किया और हर किसी को सरदार पटेल के विचारों को मजबूत बनाने के लिए आगे आने हेतु आमंत्रित किया। उनका विचार था कि भारत अकेला ऐसा देश है जहां विविधता में एकता है और आगे उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमें सरदार पटेल के सपने को क्षेत्र, भाषा, जाति और धर्म के स्तर पर विभिन्न कठिनाईयों से उभरते हुए वास्तविकता में परिवर्तित करने का प्रयास करना चाहिए। श्री हरिकिरण ने आईआईटी तिरुपति में विविधता में एकता के सही स्वरूप को देखने में हर्ष व्यक्त किया जहां छात्र देश भर से आते हैं।



■ निदेशक और निगम आयुक्त, तिरुपति द्वारा एकता दौड़ का झण्डारोहण

गणतंत्र दिवस समारोह

आईआईटी तिरुपति ने 26 जनवरी, 2018 को 69वें गणतंत्र दिवस का आयोजन किया। ये आयोजन निदेशक प्रो. के. एन. सत्यनारायण द्वारा राष्ट्रीय ध्वजारोहण के साथ आरंभ हुआ जिसके पश्चात् राष्ट्रीय गान गाया गया। निदेशक ने प्राध्यापक सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों के समूह को संबोधित किया। छात्रों ने राष्ट्र की एकता और देशप्रेम की शपथ लेते हुए कई सांस्कृतिक इवेंटों का आयोजन किया।



■ राष्ट्रीय ध्वजारोहण करते हुए निदेशक, आईआईटीटी

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह

21 जून 2017 को अतिउत्साह के साथ आईआईटी तिरुपति ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया। श्री जाम्फला श्रीनिवासराव एक योग शिक्षक को योग के संबंध में वार्ता करने के लिए और प्राध्यापक सदस्यों तथा कर्मचारियों को सही प्रकार से विभिन्न आसन करना सीखाने के लिए आमंत्रित किया गया। अनुदेशक का अनुसरण करते हुए सभी प्राध्यापक सदस्यों और कर्मचारियों ने योग आसनों के लाभ के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए विभिन्न आसन किए। योग अनुदेशक श्री जाम्फला श्रीनिवासराव ने अपनी वार्ता और प्रदर्शन के माध्यम से प्राध्यापक सदस्यों और कर्मचारियों को इस स्वस्थ आदत को अपनाने के लिए प्रेरित किया।



डिजिटल इंडिया जागरूकता कार्यक्रम

प्रोम्प्ट इंफोटेक ने 30 अगस्त 2018 को आईआईटी तिरुपति में प्रधानमंत्री के “डिजिटल इंडिया जागरूकता कार्यक्रम” का आयोजन किया। यह सत्र प्रोम्प्ट इंफोटेक के रिसोर्सपर्सन एस. शंकरराज, अपने क्षेत्र में 10 वर्ष के अनुभव के साथ एक प्रमाणित इथिकल हैकर (सीईएच) द्वारा प्रस्तुत किया गया जिन्होंने नेटवर्क सिक्योरिटी और साइबर फोरेंसिक में देश-विदेश में गहन कार्य किया है। वे केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो और भारतीय पुलिस विभाग में शामिल महत्वपूर्ण साइबर अपराधों के मुद्दों को हल करने में शामिल रहे हैं।



9.

परिसर अवसंरचना

आईआईटी तिरुपति अपनी शुरूआत से ही छात्रों की अनिवार्य आवश्यकताओं को जब भी आवश्यक हो, पूरा करने के लिए अपने अस्थायी परिसर में नई अवसंरचना सुविधाओं को जोड़ता रहा है। स्थान संबंधी अतिरिक्त आवश्यकता को पूरा करने के लिए संस्थान ने शोध विद्यार्थियों और प्राध्यापक सदस्यों की बढ़ती हुई संख्या को स्थान प्रदान करने के लिए मौजूदा भवन के नजदीक किराए पर एक और बिल्डिंग ली है। अपने संचालन के तीसरे वर्ष में ही आईआईटी तिरुपति येरपेटू-वैकंठगिरी राजमार्ग पर मेरलपका गांव में स्थित अपने 530 एकड़ के स्थायी परिसर में स्थानांतरण के लिए तैयार हैं जहां 30 एकड़ क्षेत्र में पारगमन परिसर तैयार किया गया है। पारगमन परिसर इस प्रकार तैयार किया गया है कि अपने तात्कालिक उद्देश्य को पूरा करने के पश्चात इसे स्थायी परिसर के मास्टर प्लान के साथ समेकित कर दिया जाएगा। रिपोर्ट के इस अध्याय में वर्ष 2017–18 के दौरान संस्थान के परिसरों में की गयी प्रगति का विवरण दिया गया है।

9.1 अस्थायी परिसर

शैक्षिक भवन

आईआईटी तिरुपति ने कृष्णा तेजा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में तिरुपति-रेनीगुंटा रोड पर स्थित अपने अस्थायी परिसर से कार्य आरंभ किया। थोड़े से समय में ही संस्थान ने सुकर कार्यकरण के लिए अपने अस्थायी परिसर में सभी आवश्यक अवसंरचना सृजित की है। संस्थान ने पीईबी ढांचे का प्रयोग करते हुए 45 दिन के रिकॉर्ड समय के भीतर ही अपने अस्थायी परिसर में रसोई-सह-भोजन सुविधा भी तैयार कर ली है। अस्थायी परिसर में निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध हैं:



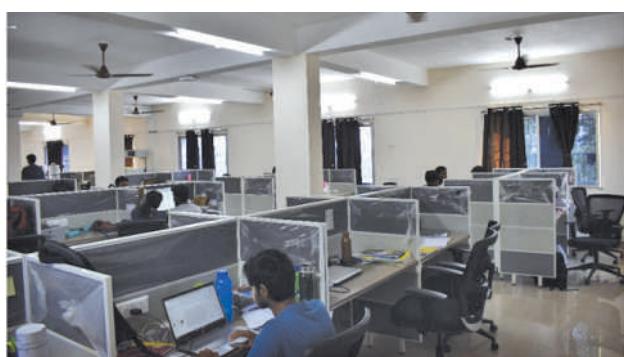
अस्थायी परिसर, आईआईटी तिरुपति का एक दृश्य

- ऑडिटोरियम – 200 सीटों वाला
- राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) वास्तविक शिक्षण – कक्ष
- 30 सीट वाला शिक्षण कक्ष – 2
- 60 सीट वालो शिक्षण कक्ष – 8
- 120 सीट वाला शिक्षण कक्ष – 1
- प्राध्यापक कैबिन और लाउंज
- अतिथि प्राध्यापक कक्ष
- कर्मचारी कक्ष
- शोध विद्यार्थी कक्ष
- बैठक कक्ष
- बोर्ड कक्ष
- केंद्रीकृत वाई-फाई
- प्रशासनिक कार्यालय

- इलैक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला
- भौतिकी प्रयोगशाला
- रसायन विज्ञान प्रयोगशाला
- कार्यशाला कम्प्यूटर प्रयोगशाला
- नवाचार प्रयोगशाला
- रसोई-सह-भोजन सुविधा
- कैफेटेरिया
- व्यायामशाला
- पैसेंजर लिफ्ट
- समूचे कैम्पस के लिए 247–365 दिन डीजी बैकअप
- आरओ सिस्टम (2500 लिटर प्रति घंटा) – पीने और भोजन पकाने के लिए
- आउटडोर एवं इनडोर खेल सुविधाएं
- शारीरिक रूप से विकलांगों के लिए पहुंच हेतु आवश्यक सुविधाएं प्रदान की गयी हैं।



■ एनेक्स बिल्डिंग का एक दृश्य



एनेक्स बिल्डिंग

प्राध्यापक सदस्यों और शोध विद्वानों की बढ़ती हुई संख्या के कारण स्थान की अतिरिक्त आवश्यकता को पूरा करने के लिए संस्थान ने मौजूदा शैक्षिक भवन के नजदीक 10,000 वर्ग फुट (लगभग) क्षेत्र की एक और जी2 तल बिल्डिंग किराए पर ली।

एनेक्स बिल्डिंग फैकल्टी चैम्बर्स और शोध छात्रों के केबिन के लिए आवश्यक सुविधाओं से भी युक्त है। समर्पित पठन और शोध को सुकर बनाने के लिए एम. एस. तथा पीएच.डी छात्रों के लिए कुल 60 वैयक्तिक क्यूबिकल्स तैयार किए गए।

■ शोध छात्रों के लिए क्यूबिकल्स का एक दृश्य

छात्रावास और अन्य सुविधाएं

आईआईटी तिरुपति ने सभी तीनों वर्षों के छात्रों को आवास प्रदान करने के लिए चार भवन किराए पर लिए। छात्रावासों में आरामदायक जीवन सुनिश्चित करने के लिए संस्थान ने प्रत्येक छात्रावास में वैयक्तिक रूप से आवश्यक सभी सुविधाएं सृजित की और छात्रों को भोजन सुविधा के साथ, सुसज्जित कमरे प्रदान किए। संस्थान ने छात्रों को कैशलैस उपचार प्रदान करने के लिए शहर में एक मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल के साथ एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

आवास और परिवहन

छात्रों को चार विभिन्न छात्रावासों में आवास दिया गया। प्रथम वर्ष के लड़कियों और लड़कों को आईआईएसईआर तिरुपति के परिसर में स्थित छात्रावास में ठहराया गया था। संस्थान द्वारा श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय का 21वीं सेंचुरी गुरुकुलम छात्रावास को किराए पर लिया गया और द्वितीय वर्ष के लड़कों को उसमें ठहराया गया। तृतीय वर्ष लड़कों का छात्रावास और दूसरे तथा तृतीय वर्ष लड़कियों का छात्रावास लक्ष्मीपुरम कॉलोनी में अस्थायी क्षेत्र में किराए पर लिए गए भवनों में हैं।

संस्थान द्वारा छात्रावास तथा संस्थान के बीच आने-जाने के लिए परिवहन सुविधा का भी प्रबंध किया गया है। इस छात्रावास संस्थान के मुख्य भवन वाशिंग मशीनों, टीवी, वाटर कूलर्स, वाटर हीटर्स और कम्प्यूटर कक्षों से प्वाईट-टू-प्वाईट रेडियो के जरिए जुड़ी 247 वाई-फाई सुविधा से युक्त हैं।

स्थायी परिसर में तीन छात्रावासों प्रत्येक में लगभग 150 छात्रों को सारी अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ ठहराने के लिए निर्माण संबंधी कार्य जुलाई, 2018 तक पूरा किया जाना अपेक्षित है। जुलाई, 2018 से संस्थान कैम्पस में सभी पुरुष छात्रों को आवास प्रदान करने लगेगा।

चिकित्सा सुविधा

संस्थान ने अपने छात्रों, प्राध्यापक सदस्यों और कर्मचारियों को चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने के लिए श्री रमादेवी मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल, तिरुपति के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। वहां से एक डॉक्टर संस्थान के सभी छात्रों, प्राध्यापक सदस्यों और कर्मचारियों को इन-हॉउस परामर्श प्रदान करने के लिए संस्थान का प्रतिदिन दौरा करता है।



आईआईएसईआर तिरुपति में छात्रावास



अलीपरी में लड़कों का छात्रावास



लक्ष्मीपुरम कॉलोनी में लड़कों के छात्रावास



लक्ष्मीपुरम कॉलोनी में लड़कियों के छात्रावास

अतिथि गृह सुविधा

अतिथि गृह की बढ़ती हुई आवश्यकता को पूरा करने के लिए संस्थान ने वर्तमान में प्रयोग किए जा रहे चार अपार्टमेंटों के अतिरिक्त केसीआर टावर में एक और अपार्टमेंट किराए पर लिया। इस उद्देश्य के लिए संस्थान के पास अतिथियों के लिए 10 डबल ओकुपेंसी और 3 सिंगल ओकुपेंसी वाई-फाई तथा अन्य अपेक्षित सुविधाओं से युक्त वातानुकूलित कमरे हैं। उपरोक्त के अतिरिक्त आमंत्रित प्राध्यापकों के लिए दो पूर्णतः सुसज्जित अपार्टमेंट भी उपलब्ध कराए गए। अतिथि गृह में एक केंद्रीकृत रसोई-सह-भोजनालय है। उपरोक्त के अतिरिक्त अतिथि प्राध्यापकों के लिए दो पूर्णतः सुसज्जित अपार्टमेंट उपलब्ध करवाए गए हैं।



■ केसीआर टावर में अतिथि गृह

9.2 स्थायी परिसर

आंध्र प्रदेश सरकार ने संस्थान को मेरलपका गांव में येरपेडु वेंकटगिरि राजमार्ग पर स्थित स्थायी परिसर के विकास के लिए 530.49 एकड़ भूमि प्रदान की। स्थायी परिसर स्थल तिरुपति शहर से 24 कि.मी., रेनीगुंटा रेलवे स्टेशन से 14 कि.मी. और तिरुपति हवाई अड्डे से 13 कि.मी. दूर है। स्थल के आस-पास चारदीवारी का कार्य लगभग पूरा होने वाला है।

परामर्शदाता निदेशक के अनुमोदन से मास्टर प्लानर और आर्किटेक्ट एजेंसी का चयन करने के लिए मार्च 2016 में एक कैम्पस मास्टर प्लान सलाहकार समिति का गठन किया गया। समिति ने उपयुक्त चयन प्रक्रिया का पालन करते हुए मैसर्स सुरेश गोयल एंड एसोसिएट्स को सितंबर 2017 में कैम्पस मास्टर प्लान, शैक्षिक भवनों के डिजाइन और बाह्य सेवाओं के डिजाइन के लिए नियुक्त किया। आवासीय भवनों और खेल सुविधाओं के लिए मैसर्स आधारशिला डिजाइन्स प्रा. लि. को नियुक्त किया गया है।

12,000 छात्रों वाले परिसर के लिए मास्टर योजना पूरी कर ली गयी है। इसमें नीचे दिए गए चित्र में दर्शाए अनुसार पारगमन परिसर (जिसे बाद में स्थायी परिसर के साथ समेकित किया जाएगा) के साथ चार जोन नामतः शैक्षिक जोन, छात्रावास जोन, हाउसिंग जोन और मनोरंजन जोन शामिल हैं:



■ मास्टर प्लान, आईआईटी तिरुपति

मास्टर प्लान की मुख्य विशेषताएं:

- यह स्थल एक राष्ट्रीय राजमार्ग से बंटा हुआ है। पश्चिमी परिसर (511 एकड़ि) में शैक्षिक परिसर और पूर्वी परिसर (19 एकड़ि) में एक शोध पार्क होगा। एक अंडरपास दोनों परिसरों को जोड़ेगा।
- इस परिसर की स्मार्ट, सतत और पैदलयात्री सुलभ परिसर के रूप में योजना बनायी गयी है।
- कैम्पस स्थल की पारिस्थितिकी विशिष्टता को बनाए रखने के लिए मौजूदा रिवेलेट्स और जल निकायों को बनाए रखा गया है। स्थायी परिसर स्थल की पारिस्थितिकी के संरक्षण हेतु चेन्नई आधारित एक एनजीओ केयर अर्थ ट्रस्ट द्वारा एक व्यापक पारिस्थितिक प्रबंधन योजना (ईएमपी) तैयार की गयी थी।
- वर्षा के पानी को इकट्ठा करने और उसके भंडारण के लिए दो जल निकायों का सृजन किया जा रहा है। इससे कैम्पस के लिए लगभग 3 माह की जल आपूर्ति होगी।
- स्थल पर कटाव और भराई को न्यूनतम करने के लिए भवनों और अन्य सुविधाओं के स्थानों की योजना बनाई गयी है।
- भवनों को न्यूनतम हीट गेन के लिए अभिमुखी बनाया गया है।

यह योजना इस प्रकार बनाई गई है कि स्थायी परिसर का निर्माण चरणों में किया जाएगा। वर्ष 2024 तक 2,500 छात्रों, 250 प्राध्यापक सदस्यों और 275 कर्मचारियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक संपूर्ण परिसर के निर्माण की योजना है। यह निर्माण दो चरणों में किया जाना है। 2020 तक पूरा किए जाने वाले चरण-। में 1250 छात्रों और 120 प्राध्यापक सदस्यों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भवनों और सुविधाओं तक पूरा किया जाना और सभी कार्य स्थायी परिसर में स्थानांतरित किए जाने अपेक्षित हैं। तद्वारा परिसर को 25–30 वर्ष की अवधि में 12,000 छात्र कैम्पस की आवश्यकता को पूरा करने हेतु विभिन्न चरणों में तरकी करते हुए विकसित किया जाना अपेक्षित है।

9.3 पारगमन परिसर

अपने ऑपरेशन के तीसरे वर्ष में आईआईटी तिरुपति येरपेडु-वैकटगिरी राजमार्ग पर मेरलापका गांव में स्थित अपने 530 एकड़ के स्थायी परिसर में स्थानांतरित होने के लिए तैयार हैं। संस्थान की तात्कालिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए फारस्ट ट्रैक और सतत विनिर्माण प्रौद्योगिकियों को अपनाते हुए एक वर्ष के भीतर ही 30 एकड़ क्षेत्र में एक पारगमन परिसर का निर्माण किया गया है जिसे स्थायी परिसर की मास्टर योजना में समेकित किया जाएगा। पारगमन परिसर का निर्माण कार्य डिपोजिट कार्य के रूप में सीपीडब्ल्यूडी को सौंपा गया था। पारगमन परिसर के निर्माण का ठेका सीपीडब्ल्यूडी द्वारा अमारा राजा इंफ्रा प्रा. लि. को सौंपा गया था। पारगमन परिसर के जुलाई 2018 तक संचालनरत होने की आशा है।

पारगमन परिसर पर भवनों और सुविधाओं में शामिल हैं:

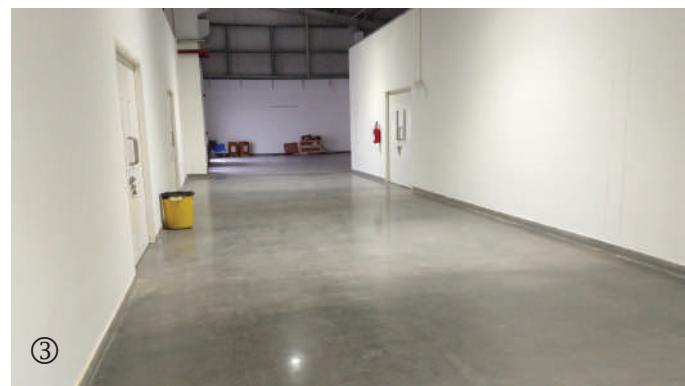
- जी+3 तलों के साथ पांच छात्रावास प्रत्येक लगभग 150 छात्रों के आवास हेतु
- 120 सीट वाले एक स्टुडियो टाइप शिक्षण के साथ एक जी+1 फ्लोर शिक्षण कक्ष 90 सीट वाला एक शिक्षण कक्ष, 60 सीट वाला एक शिक्षण कक्ष, 90 सीट वाली एक कम्प्यूटर प्रयोगशाला, एक स्टाफ रूम और दो चिकित्सक जांच कक्षों एवं 4-बिस्तर वार्ड के साथ एक स्वास्थ्य केंद्र
- सिविल, विद्युत और यांत्रिक कार्यशाला सुविधाओं के लिए दो प्रयोगशाला भवन
- अनिवार्य कर्मचारियों के लिए चार अपार्टमेंटों के साथ आवासीय ब्लॉक
- एक रख-रखाव कार्यालय भवन
- आउटडोर खेल सुविधाओं के साथ एक इनडोर खेल कॉम्प्लेक्स
- बैच में 300 व्यक्तियों के लिए आधुनिक और स्वच्छ रसोई से सुसज्जित एक भोजन-सह-रसोई सुविधा
- सड़क रोशनी के साथ बीटी सड़के
- 500 केवी सब स्टेशन



①



②



③



④



⑦



⑥



⑤

10.

छात्र गतिविधियां

नियमित पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त आईआईटी तिरुपति में छात्र विभिन्न तकनीकी, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों के आयोजन में सक्रिय रूप से शामिल होते हैं जो उनके नवाचारी विचारों को आकार देते हैं और उनकी बहु आयामी प्रतिभा का विकास करते हैं। संस्थान ने शिक्षा, फोटोग्राफी, संगीत, नाटक, नृत्य, ट्रैकिंग, स्वयंसेवी सामाजिक सेवाओं इत्यादि के संबंध में लगभग 10 सक्रिय क्लब स्थापित किए हैं। रिपोर्ट का यह खंड छात्रों द्वारा आयोजित निम्नलिखित आयोजनों और गतिविधियों की जानकारी प्रदान करता है:

- (क) तकनीकी और तकनीक-सांस्कृतिक आयोजन
- (ख) एनएसएस की गतिविधियां
- (ग) छात्र क्लब और खेल संबंधित गतिविधियां

10.1 तकनीकी आयोजन

वर्ष 2017–2018 में निम्नलिखित तकनीकी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया:

इंटर-आईआईटी टेक मीट-2018

आईआईटी तिरुपति ने आईआईटी मद्रास में आयोजित छठी इंटर-आईआईटी-टेक मीट में भाग लिया और यह बैठक 7 जनवरी 2018 को संपन्न हुई। संस्थान ने भागीदार 18 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में से समग्र सामान्य चैम्पियनशिप में 10वां स्थान प्राप्त किया। आईआईटी तिरुपति के 18 सदस्यों के जर्ते ने 5 विभिन्न चुनौतीपूर्ण समस्याओं में भाग लिया।

इंडिया इनोवेटिव चैलेंज-2018

आईआईटी तिरुपति की 4 टीमों ने टेक्सास इंस्ट्रूमेंट के सहयोग से डीएसई द्वारा आयोजित इंडिया इनोवेशन चैलेंज एंड डिजाइन कंटेस्ट में क्वार्टर फाइनल चरण के लिए क्वालीफाई किया।

एसीएम आईपीसी-2018

आईआईटी तिरुपति की दो टीमें एसीएम इंटरनेशनल कॉलिजिएट प्रोग्रामिंग कंटेस्ट में प्री-फाइनल दौर के लिए क्वालीफाई हुई। संस्थान में कोडिंग संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए एक एसीएम छात्र अध्याय आरंभ किया गया है।



एसीएम में टीम आईआईटी तिरुपति

स्मार्ट इंडिया हैकेथॉन-2018

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एचएचआरडी) के तत्वाधान में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई) द्वारा स्मार्ट इंडिया हैकेथॉन अथवा एसआईएच 2018 का आयोजन किया गया। इसका फिनाले मार्च 2018 में आयोजित किया गया। आईआईटी तिरुपति ने कुल मिलाकर स्मार्ट इंडिया हैकेथॉन 2018 के लिए हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर दोनों श्रेणियों में कुल 19 प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गई, जिनमें से हार्डवेयर में पांच प्रस्तुतियां दूसरे दौर तक पहुंची और (सॉफ्टवेयर) में 1 प्रस्तुति फाइनल तक पहुंची।

ऑन-कैम्पस इवेंट

प्रत्येक सेमेस्टर में तकनीकी आयोजनों की एक शृंखला आयोजित की जाती है जिसमें सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर दोनों कौशल आवश्यक होते हैं जैसे कि कोडिंग प्रतियोगिता, आरसी कार रेसिंग और खगोलशास्त्र तथा प्रौद्योगिकी जैसे विषयों पर प्रश्न मंच और साथ ही प्रमुख अधिगम हेतु छात्र कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है।

मिनी सीईए

सिविल अभियांत्रिकी संघ (सीईए) आईआईटी मद्रास ने संस्थान तथा अन्य अभियांत्रिकी कॉलेजों के सिविल अभियांत्रिकी विभाग के छात्रों के लिए 7 अक्टूबर 2017 को एक मिनी सीईए सत्र का आयोजन किया गया। इसे आईआईटी तिरुपति के छात्रों की सहायता के लिए एक कार्यशाला और निर्माण प्रक्रिया में शामिल तकनीकी जानकारी के संबंध में प्रयोगात्मक अनुभव प्राप्त करने के लिए आयोजित किया गया था।



10.2 तिरुत्सव: पहला तकनीक-सांस्कृतिक उत्सव

आईआईटी तिरुपति के पहले तकनीक-सांस्कृतिक उत्सव तिरुत्सव का 2-4 मार्च, 2018 को आयोजन किया गया। प्रौद्योगिकी और संस्कृति के साथ जुड़े हुए इस उत्सव में सांस्कृतिक कला से लेकर अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी तक की श्रेणी में विभिन्न आयोजन देखें गए। इसके साथ सुप्रसिद्ध व्यक्तियों द्वारा विशेष व्याख्यान और शैक्षणिक कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

इस उत्सव में तिरुपति शहर से और उसके बाहर के विभिन्न संस्थानों की विभिन्न संख्या में छात्रों द्वारा भागीदारी दी गई। इतने बड़े स्तर पर इस पहल का आयोजन प्राध्यापक सदस्यों की एक टीम के परामर्श के साथ अधिकांशत छात्र संचालित था।



तिरुत्सव'18 में भाग लेते हुए छात्र



तीन दिवसों में कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। तकनीकी आयोजन सृजनात्मक और नवाचारी कार्यक्रमों के रूप में बड़े सफल रहे जिनमें छात्रों से अच्छा विचार प्रस्तुत किये गए। इसके साथ ही ललित कला और साहित्य के विभिन्न रूपों में शामिल कई सांस्कृतिक और साहित्यिक इवेंट इस कार्यक्रम का भाग थे। तिरुत्सव में विशेष व्याख्यानों और कार्यशालाओं के साथ समग्र लर्निंग का अनुभव व्यक्त किया गया। भौतिकी में 2012 नोबल पुरस्कार विजेता डॉ. सेरजे हरोचे ने श्रोताओं को वीडियो कांफ्रेस में क्राप्टम यूटिंग के संबंध में संबंधित किया। डॉ. श्रीनिवास पद्मनाभूनी, श्री सुधाकर गोडिथी और श्री अरुण नानियत ने छात्रों को अपने संबंधित क्षेत्रों में अपने अनुभव और विशेषज्ञता की महत्वपूर्ण बाते बताई। तिरुत्सव के भाग के रूप में दो रोबोटिक इवेंटों गोलेम टर्मिनस (स्वायत्त नेवीगेशन सिस्टम डिजाईन प्रतियोगिता) और द एक्सोप्लोरर (एक लाइन फॉलोइंग और मेज सॉल्विंग रोबोट) प्रतियोगिता तथा दो कोडिंग प्रतियोगिता कोड वार्स (वन ऑन वन कोडिंग बेटल) और कोड्स प्रिंट (एल्गोरिद्धि कोडिंग चुनोती) तथा एक टैक्नोटरी (प्रौद्योगिकी संबंधित प्रश्न मंच) का आयोजन किया गया।

10.3 स्पिकमेके

युवाओं में भारतीय प्राचीन संगीत को बढ़ावा देने के लिए आईआईटी तिरुपति ने 12 मार्च, 2018 को स्पिकमेके के पहले प्रदर्शन का आयोजन किया गया। भरतनाट्यम की एक प्रख्यात कलाकार श्रीमती लावण्याच अनंत ने इस प्राचीन नृत्य सटिकियों की व्याख्या करते हुए इस प्राचीन कला स्वरूप का प्रदर्शन किया। उनके साथ स्वर पर श्री मुरली पार्थसारथी और मृदंग पर नटुवक्ताम, श्री एम. धनंजयन तथा वॉयलिन पर श्री आर. कलाई रसन थे।



10.4 राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) कार्य कलाप

आर. के. मॉडल स्कूल, चित्तूर

संस्थान के एनएसएस छात्र स्वयंसेवकों ने गांधी जयंती के दिन आर. के. मॉडल स्कूल, चित्तूर का दौरा किया। उन्होंने स्कूल के छात्रों के साथ मेल-मिलाप किया और मेग्रेटिक लेबीटेशन, बोतल को हिलाये बगैर पानी निकालना, हीट एनर्जी, म्युजिक सिगरेट्रा इत्यादि जैसे मनोरंजक प्रयोगात्मक प्रदर्शनों के माध्यम से विज्ञान सीखने में उनकी सहायता की।

नवजीवन नेत्रहीन विद्यालय

संस्थान के छात्र स्वयंसेवकों ने एक ट्रस्ट द्वारा संचालित तिरुचन्नूर के नजदीक नवजीवन नेत्रहीन राहत केंद्र का दौरा किया और 5 अक्टूबर 2017 को स्कूल के विद्यार्थियों के साथ मेल मिलाप किया। उन्होंने उन छोटों बच्चों के साथ अपने जीवन कौशल साझा किये तथा ऐसे बच्चों में समाहित विभिन्न कौशलों और प्रतिभाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए अपना समय बिताया।



■ नवजीवन नेत्रहीन विद्यालय में प्रदर्शन करते हुए छात्र

स्वच्छ भारत कार्यक्रम

33 एनएसएस स्वयंसेवकों ने 24 अक्टूबर 2017 को लगभग 150 घरों वाले पंगुरु ग्राम पंचायत के कटराकयाला गुंटा हेमलेट का दौरा किया। स्वयंसेवकों ने ग्राम पंचायत में स्थानों की सफाई की और जब लोग इकट्ठा होने शुरू हुए तो उन्होंने स्वच्छ भारत के महत्व के बारे में तथा गांव में इसे क्यों किया जाना चाहिए के संबंध में उन्हें बताया। ग्रामीणों के समक्ष आज आने वाली मुख्य समस्या स्वास्थ्य है और यह खर्चीला भी हो गया है। अतः रोकथाम इलाज से बेहतर है। उन्होंने उन्हें यह बताया कि अधिकांश बीमारियां स्वच्छता और सफाई की कमी के कारण होती हैं। किसी भी स्थान पर आस-पास में जल जमाव होने नहीं देना चाहिए और खुले में गांव में कोई शौच नहीं होना चाहिए। छात्रों द्वारा ग्रामीणों को इन पहलुओं के बारे में विस्तार से बताया गया।



■ भारत सरकार के स्वच्छ भारत कार्यक्रम को बढ़ावा देते हुए स्वच्छता अभियान में सक्रिय रूप से शामिल छात्र

जंगलपली गांववासियों के साथ संपर्क

संस्थान के छात्र स्वयंसेवक जंगलपली गांव में प्रत्येक घर में गये और परिवार के सदस्यों सहित परिवार के मुखिया के साथ उनके समक्ष आने वाली प्रमुख समस्याओं का पता लगाने के लिए मेल-मिलाप किया। चूंकि यह वर्षा का मौसम था इसलिए अधिकांश ग्रामीण अपनी कृषि गतिविधियों में व्यस्त थे। अपने व्यस्त समय में उन्होंने यूबीए सर्वेक्षण फार्म में अपेक्षित सूचना के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए सहयोग किया।



टाडा फाल्स सफाई अभियान

संस्थान के एनएसएस स्वयंसेवकों ने 13 जनवरी, 2018 को टाडा वाटर फाल में सफाई-सह-जागरूकता गतिविधियों में भाग लिया। छात्रों की इस पहल ने उन्हें और नजदीक के लोगों को सफाई और स्वच्छता के मूल्यवान पाठ प्रदान करते हुए सफाई में सहायता की।



■ टाडा फाल की सफाई में अपने मिशन में छात्र

नवजीवन नेत्रहीन विद्यालय

छात्र स्वयंसेवकों ने स्कूल में विद्यार्थियों की कुछ मूल आवश्यकताओं को हल करने में सहायता प्रदान करने हेतु निधियां एकत्रित करने की पहल की। स्वयंसेवकों ने 100 पानी की बोतलें और 3 पानी के कैन्स वितरित किये और उन्हें खिड़कियों के लिए मच्छरदानियां भी प्रदान की। इन गतिविधियों ने बच्चों को न केवल अतिआवश्यक ध्यान और स्नेह दिया बल्कि स्वयंसेवकों में देखभाल और करुणा की भावना भी मजबूत की।

पल्स पोलियो जागरूकता कार्यक्रम

आईआईटी तिरुपति को एनएसएस इकाई ने येरपेडु, मंडल में अपनाए गए गांवों में पल्स पोलियो के संबंध में जागरूकता अभियान का आयोजन किया। पोलियो बड़ी खतरनाक बीमारी है जिससे लकवा हो सकता है परंतु टीकों के जरिए इसे ठीक किया जा सकता है जो भारत सरकार द्वारा निःशुल्क दिए जाते हैं। तथापि, अधिकांशतः कमी जागरूकता का अभाव और निरक्षर एवं अर्ध-निरक्षर वर्ग में शिक्षा की कमी है। आईआईटी तिरुपति के छात्रों ने इस जागरूकता कार्यक्रम में पोलियो और इसके टीकाकरण दोनों के बारे में जागरूकता फैलाकर अपना छोटा सा योगदान दिया।



■ एनएसएस के स्वयंसेवक पंगुरु, कसामकाचलागुंटा, चिंडेपल्ली गांव में पल्स पोलियो जागरूकता फैलाते हुए

पंगुरु जेपी हाई स्कूल

एनएसएस छात्र स्वयंसेवकों के एक समूह ने 8वीं, 9वीं, 10वीं कक्षा में विज्ञान प्रयोग प्रदर्शित किए। उन्होंने छात्रों को “लर्निंग बाई ड्रूइंग” के सिद्धांत से परिचित करवाया और छात्रों की उनकी पाठ्यपुस्तकों में दी गयी थ्योरी के प्रयोग प्रदर्शित करते हुए विज्ञान के प्रति उनमें रुचि जगाई।



■ “लर्निंग बाई ड्रूइंग”

पंगुरु हाई स्कूल

संस्थान के एनएसएस स्वयंसेवकों ने 2 फरवरी, 2018 को पंगुरु हाई स्कूल का दौरा किया और छात्रों के साथ मेल-मिलाप किया तथा मनोरंजक प्रयोग आधारित प्रदर्शनों के माध्यम से उनकी विज्ञान सीखने में सहायता प्रदान की। यह हाई स्कूल के विद्यार्थियों के साथ साथ आईआईटी के छात्रों के लिए सीखने की कक्षा थी चूंकि आईआईटी के छात्रों को शिक्षणकक्ष अध्यापन और प्रबंधन से परिचित होने का पहला अनुभव प्राप्त हुआ।



■ पंगुरु हाई स्कूल में छात्र

10.5 छात्र कलब और गतिविधियां

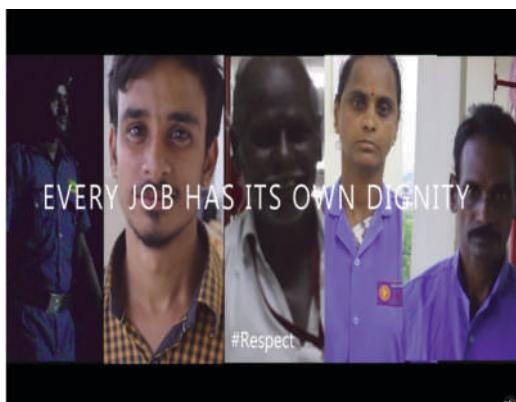
छात्र कलब और सोसायटिज पाठ्यपुस्तकों की सीमाओं से परे जीवन को ले जाने के लिए इवेंटों के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सत्र 2017-18 के दौरान छात्रों के विभिन्न कलबों और सोसायटियों द्वारा कई इवेंटों का आयोजन किया गया।

एकटोमेनिया

वंका साई सुमंथ ने 17 सितंबर 2018 को सुश्री श्रावथी से समन्वयक का कार्यभार लिया और मुख्य सदस्यों व के रूप में 4 सदस्यों के साथ एसीटी (एकटोमेनिया कोर टीम) का गठन किया। कलब ने शीर्षक 'हमारा राष्ट्र' का प्रयोग करते हुए 15 अगस्त 2017 को आईआईटी कानपुर में दूसरी अंतर आईआईटी सांस्कृतिक बैठक में भाग लिया, कुछ छात्रों ने एक स्क्रिट का प्रदर्शन किया।



माइम प्रदर्शन करते हुए छात्र



आईआईटी तिरुपति के छात्रों द्वारा बनायी गई लघु-फिल्म का पोस्टर

साथ ही लघु-फिल्म के निर्माण में विभिन्न भूमिकाओं के लिए छात्रों के चयन हेतु ऑडीशन भी लिए गए। लघु-फिल्म 9 अक्टूबर 2018 को जारी की गयी। मजदूर के सम्मान के बारे में बात करती ये फिल्म दिल को छू लेने वाली थी जिसे शानदार कहानी के साथ बनाया गया था।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर छात्रों द्वारा पानी की बर्बादी और किसानों की समस्याओं के विषय पर एक माइम बनाया गया जिसे हर किसी के द्वारा पंसद किया गया और इसे काफी लोकप्रियता हासिल हुई तथा संस्थान दिवस पर इसे पुनः प्रस्तुत किया गया।

आर्टिस्टा

कला कलब जो पेंटिंग, स्केचिंग, और शिल्प में प्रतिभाओं को नए अवसर देता है, एवं सदैव कुछ शानदार बनाने के किसी अवसर का लाभ उठाने के लिए तैयार रहता है। गणतंत्र दिवस विषय पर 15 अगस्त 2017 को कैनवस पेंटिंग का आयोजन किया गया। कलब की अन्य गतिविधियों के भाग के रूप में पेपर ड्रेसिंग, ग्लास पेंटिंग और क्रिलिंग प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।



कलूब आर्टिस्टा आयोजन में प्रदर्शन करते हुए छात्र

फोटोग्राफी और फिल्म क्लब (पीएफसी)

आईआईटी तिरुपति का फोटोग्राफी और फिल्म क्लब वर्ष भर गहन कार्यक्रमों का आयोजन करता है। फोटोग्राफी प्रतिस्पर्धा के अतिरिक्त इसने आईआईटी मद्रास के सचिन एस. गुंथे द्वारा संचालित एक कार्यशाला 'डीएसएलआर फोटोग्राफी परिचय' का भी आयोजन किया। क्लब ने आईआईटी तिरुपति के तिरुत्सव - तकनीकी-सांस्कृतिक उत्सव का सफलतापूर्वक चलचित्र भी बनाया।



सरगम

आईआईटी तिरुपति के संगीत क्लब ने अन्य संस्थानों के आयोजनों में सक्रिय रूप से भाग लिया और कई अन्य इवेंटों का स्वतंत्र रूप से आयोजन किया। सरगम ने एक सोलो और ग्रुप गायन प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया। पहली बार आईआईटी तिरुपति ने 28 से 31 दिसंबर, 2017 तक आईआईटी कानपुर में आयोजित अंतर-आईआईटी संस्कृति आयोजन में भाग लिया। सांस्कृतिक आयोजन में क्लब ने संगीत से संबंधित सभी इवेंटों में संस्थान का प्रतिनिधित्व किया।



एक्साईट

नृत्य क्लब एक्साईट का उद्देश्य छात्रों को नृत्य के कौशल और उनके व्यक्तित्व के विकास में नृत्य के मूल्य से परिचित कराना है। क्लब में लगभग 40 सक्रिय सदस्य हैं। ये सदस्य हिप-हॉप, फ्रीस्टाइल, बॉलीवुड, लोकनृत्य, पोपिंग जैसे और कई अन्य बहुमुखी नृत्य प्रदर्शित करते हैं। क्लब के छात्रों ने अंतर-आईआईटी सांस्कृतिक उत्सव 2017 में भाग लिया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर क्लब के दो समूह नृत्य प्रस्तुत किए जो राष्ट्र के लिए प्रेम तथा महिलाओं के लिए सुरक्षित समाज के निर्माण के विषयों पर आधारित थे।



■ गणतंत्र दिवस पर प्रदर्शन करते हुए एक्साईट क्लब के सदस्य

फ्रेशर्स नाईट

कार्यक्रमों और प्रतिस्पर्धाओं की शृंखला के साथ सीनियरों द्वारा नव-आगंतुकों का स्वागत किया गया जिनका आयोजन 23 अगस्त 2017 को आरंभ हुए। फ्रेशर्स सप्ताह के रूप में पूरे सप्ताह किया गया जो 30 अगस्त 2017 को संपन्न हुआ। प्रतीक कुमार और प्रत्युष बुदुतला ने उस आयोजन का समन्वय किया जिसमें फ्रेशर्स नाईट के सर्वोत्तम जिसमें शाम की थीम के रूप में हैलोवीन थी, तक पहुंचने तक सप्ताह भर गतिविधियां शामिल थीं। फ्रेशर्स नाईट का आयोजन इस प्रकार किया कि इसमें ठहाके, भावनाएं और अति आनंद था। दो फ्रैशमैन एक लड़के और एक लड़की का क्रमशः मिस्टर फ्रैशर और मिस फ्रैशर के रूप में चयन किया गया जिससे इवेंट का समापन भी हुआ।



■ फ्रेशर्स नाईट की कुल झलकियां



10.6 खेल गतिविधियां

एक खेल परिषद् विभिन्न खेल गतिविधियों के समन्वय और कार्यकरण का केंद्र है। आईआईटी तिरुपति अपनी खेल गतिविधियों में पीछे नहीं है।

इस अवधि के दौरान होने वाले दो मुख्य खेल इवेंटों में अंतर-आईआईटी और अंतर-आईआईटी पर विचार किया गया।

इंट्रा-आईआईटी खेल आयोजन

इसे आईआईटी तिरुपति की विभिन्न शाखाओं अर्थात् सिविल, यांत्रिक, विद्युत और कम्प्यूटर विज्ञान अभियांत्रिकी के बीच में आईआईटी तिरुपति में आयोजित किया गया। उपरोक्त आयोजन के भाग के रूप में क्रिकेट, बास्केटबॉल, वॉलीबाल, शतरंज, टग ऑफ वार, टेबल टेनिस खेले गए। इसने छात्रों में खेल गतिविधियों के लिए काफी प्रेरणा और रुचि जगाई तथा संस्थान में खेल संस्कृति में भी वृद्धि की जो टीम वर्क और समेकित अनुशासन जैसे विचारों का विकास करने के लिए पूर्व अपेक्षित होती है।

इंटर-आईआईटी खेल आयोजन

आईआईटी तिरुपति के जत्थे ने 16-23 दिसंबर, 2017 के दौरान आईआईटी मद्रास में आयोजित 52वें अंतर-आईआईटी खेल आयोजन में भाग लिया। 41 सदस्यों को शामिल करते हुए आईआईटी तिरुपति की टीम क्रिकेट (14), फुटबाल (15), बेडमिंटन (3) और एथलेटिक्स (9) में भाग लिया। कई छात्रों ने इवेंट में शानदार प्रदर्शन किया और स्वयं के लिए विशिष्ट स्थान प्राप्त किया। सुश्री सनुगुला स्पंदना (प्रथम वर्ष, सिविल अभियांत्रिकी) ने महिला हाई जंप इवेंट में 1.25 मीटर जंप के साथ चौथा स्थान प्राप्त किया। क्रिकेट टीम ने आईआईटी धारवाड़ के विरुद्ध मैच जीता और आईआईटी कानपुर की मजबूत टीम से हारने से पहले प्री-क्वार्टर फाईनल तक पहुंची। हमारे छात्रों ने काफी रुचि और उत्साह के साथ समूचे भारत के छात्रों के साथ प्रतिस्पर्धा तथा मेल-मिलाप के लिए इस पैन इंडिया आयोजन द्वारा प्रदत्त अवसर का लाभ उठाया। यद्यपि उनके प्रयासों को प्रदर्शित करने के लिए कोई पदक नहीं थे, हमारे छात्र बड़े मनोभावों के साथ और भविष्य के अंतर-आईआईटी आयोजनों में अपने उत्साह को सिद्ध करने के बेहतर संकल्प लिए वापस आए।



PFCL



■ आईआईटी मद्रास में छात्र जत्थे के साथ निदेशक, आईआईटी तिरुपति



■ आईआईटी मद्रास में आईआईटी तिरुपति के छात्र

24वां अंतर-आईआईटी कर्मचारी खेल आयोजन

आईआईटी तिरुपति के प्राध्यापक सदस्यों और कर्मचारियों ने भी 26-30 दिसंबर, 2017 तक आईआईटी मद्रास में 24वें अंतर-आईआईटी कर्मचारी खेल आयोजन में भाग लेकर खेल गतिविधियों में अपनी उपस्थिति दर्ज की। पहली बार आईआईटी तिरुपति ने इस आयोजन में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई थी। हमारे कर्मचारियों—श्रीचंद्र शिवा कुमार (बैडमिंटन), श्री सेंथमिल सेल्विन (क्रिकेट), डॉ. शिहाबुद्दीन (एथलेटिक्स) और श्री सिंगारेड्डी अंजनेचुलु (एथलेटिक्स) ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किए।



आईआईटी तिरुपति प्राध्यापक
और आईआईटी मद्रास
कर्मचारी दल



MASTER PLAN



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुपति
Indian Institute of Technology Tirupati
Renigunta Road, Tirupati-517506, A.P.

www.iittp.ac.in